राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद् दिल्ली
DELHI
SCERT
स्वाध्यायान्मा प्रमदः
दिल्ली सरकार

कक्षा 9

New Era of Entrepreneurial Ecosystem & Vision
उद्यमिता परिवेश एवं दृष्टिकोण का नवीन युग
(NEEEV)

शिक्षक निर्देशिका 2026-27

राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, दिल्ली

उद्यमिता परिवेश एवं दृष्टिकोण का नवीन युग
(NEEEV)

सोच से सृजन तक - उद्यमिता की उड़ान

शिक्षक निर्देशिका 2026-27
कक्षा 9

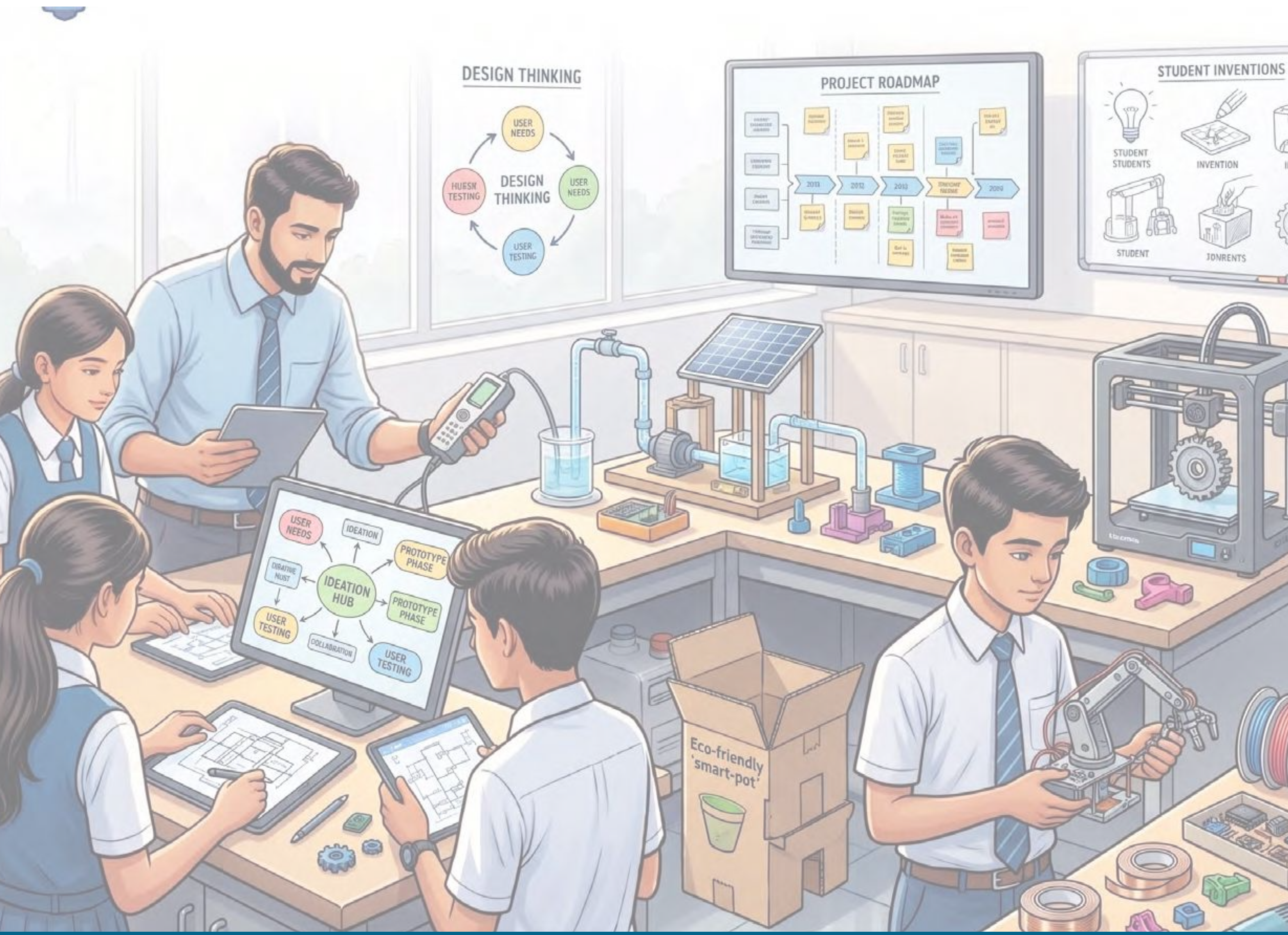

राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, दिल्ली

उद्यमिता परिवेश एवं दृष्टिकोण का नवीन युग (NEEEV) शिक्षक निर्देशिका कक्षा 09
February, 2026
Copies : 4740

Published by:

State Council of Educational Research and Training (SCERT)

ISBN No.: 978-93-6291-765-2

© 2026 SCERT. All rights reserved.

First Edition: 2026

No part of this publication may be reproduced, stored in a retrieval system, or transmitted in any form or by any means electronic, mechanical, photocopying, recording, or otherwise without prior written permission from the publisher.

This publication has been designed as part of SCERT's mission to provide high-quality, innovative educational resources that empower teachers and students across the state. It aims to foster 21st-century skills, including creativity, critical thinking, problem-solving, and real-world application of knowledge.

The content is intended solely for academic purposes and is not for commercial sale or distribution.

Printed at : M/s Chandu Press, D-97, Shakarpur, Delhi- 110092.

रेखा गुप्ता

मुख्यमंत्री, दिल्ली

संदेश

हमारे माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने भारत के युवाओं को न केवल आकांक्षी पेशेवरों के रूप में नहीं बल्कि उद्यम सृजन करने वाले नवप्रवर्तकों के रूप में देखा है। स्टार्टअप इंडिया तथा अटल नवाचार मिशन (AIM) जैसी पहल ने उनकी इस दूरदर्शी सोच को साकार रूप दिया है और देश में नवाचार एवं उद्यमिता की संस्कृति को सुदृढ़ किया है। ये परिवर्तनकारी कदम प्रत्येक युवा मस्तिष्क की सृजनात्मक क्षमता को उजागर करने की दिशा में महत्त्वपूर्ण हैं।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 इस दूरदृष्टि को आगे बढ़ाते हुए कौशल-आधारित तथा अनुभवात्मक अधिगम पर विशेष बल देती है, जो विद्यार्थियों को गतिशील विश्व में सफलता हेतु सक्षम बनाता है। इसी क्रम में 'उद्यमिता परिवेश एवं दृष्टिकोण का नवीन युग (NEEEV)' योजना इन परिवर्तनकारी प्रयासों को समर्थन प्रदान करती है। इसका उद्देश्य हमारे कक्षाओं के भीतर ही उद्यमी चिंतन के बीज बोना है।

यह निर्देशिका हमारे उस सतत प्रयास की आधारशिला है, जिसके माध्यम से हम शिक्षण स्थलों को नवाचार के केंद्रों में परिवर्तित करना चाहते हैं। ऐसे केंद्र जहाँ विद्यार्थियों को विचार उत्पन्न करने, अन्वेषण करने तथा पहल करने के लिए प्रोत्साहित किया जाए।

इस निर्देशिका का प्रकाशन भविष्य के लिए तत्पर, आत्मनिर्भर, सृजनशील एवं समाज तथा अर्थव्यवस्था में सार्थक योगदान देने में सक्षम पीढ़ी के निर्माण के प्रति हमारी सामूहिक प्रतिबद्धता का प्रमाण है।

मैं इस निर्देशिका के विकास में योगदान देने वाले सभी शिक्षकों, पाठ्यक्रम विशेषज्ञों एवं सहयोगियों के प्रति अपनी हार्दिक सराहना व्यक्त करती हूँ। यह निर्देशिका एक प्रेरणा-दीप के रूप में कार्य करे और हमारे राज्य सहित देशभर के विद्यालयों को उद्यमिता की भावना को अपनाने तथा प्रत्येक विद्यार्थी में सृजन, नवाचार और नेतृत्व का साहस जागृत करने हेतु प्रेरित करे।

Rekha Gupta

(रेखा गुप्ता)

National Capital Territory of Delhi, Delhi Secretariat, I.P. Estate, New Delhi-110002
Phone No. 011-23392006, 011-23392020, 011-23392030 || Email- cmdelhi@nic.in

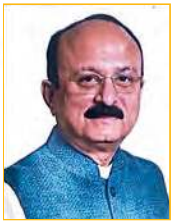

आशीष सूद

गृह, ऊर्जा, शहरी विकास, शिक्षा, उच्च शिक्षा, प्रशिक्षण एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री
राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली सरकार

संदेश

प्रिय विद्यार्थियों एवं शिक्षकों,

हमारा देश एक नए दौर के प्रवेश द्वार पर खड़ा है, जहाँ नवाचार, आत्मनिर्भरता और उद्यमिता हमारे भविष्य की दिशा निर्धारित करेंगे। इसी दृष्टिकोण को ध्यान में रखते हुए 'उद्यमिता परिवेश एवं दृष्टिकोण का नवीन युग (NEEEV)' पाठ्यक्रम को विकसित किया गया है।

NEEEV केवल एक पाठ्यक्रम नहीं है, यह सोचने और कार्य करने की एक नई पद्धति है। यह हमें सिखाता है कि प्रत्येक विचार, चाहे वह कितना भी छोटा क्यों न हो यदि उसे परिश्रम और समर्पण के साथ आगे बढ़ाया जाए तो वह समाज में व्यापक परिवर्तन ला सकता है।

इस योजना के माध्यम से विद्यार्थी समस्याओं को अवसरों में बदलना, विचारों को साकार रूप देने वाले समूह बनाना सीखेंगे तथा यह समझेंगे कि असफलता भी विकास की एक आवश्यक प्रक्रिया है। यह उन्हें आत्मविश्वासी, सृजनशील और उत्तरदायी नागरिक बनने के लिए प्रेरित करेगा।

हमारे शिक्षक इस यात्रा के वास्तविक मार्गदर्शक हैं। वे केवल ज्ञान प्रदान नहीं करते अपितु विद्यार्थियों में आत्मविश्वास और संकल्प भी जागृत करते हैं। मुझे विश्वास है कि NEEEV दिल्ली के प्रत्येक विद्यालय में नवाचार और उद्यमिता की नई ऊर्जा का संचार करेगा।

आइए, हम सब मिलकर यह सुनिश्चित करें कि प्रत्येक बच्चा केवल रोजगार खोजने वाला नहीं बल्कि अवसरों का सृजनकर्ता बने, जो अपने सपनों के साथ-साथ राष्ट्र को भी नई ऊंचाइयों तक ले जाए।

ashish

(आशीष सूद)

A-Wing, 7th Level, Delhi Secretariat, I.P. Estate, New Delhi-110002
Tel. No.:23392116, 23392117 Email : min-hep@delhi.gov.in

पांडुरंग के. पोले, भा.प्र.से
सचिव (शिक्षा)

PANDURANG K. POLE, IAS
SECRETARY (Education)

सत्यमेव जयते

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली सरकार
पुराना सचिवालय, दिल्ली–110054
दूरभाष: 011–23890187, 23890119
Government of National Capital Territory of Delhi
Old Secretariat, Delhi-110054
Phone: 23890187, 23890119
E-mail : sccyedu@nic.in

संदेश

आज के तीव्र परिवर्तनशील विश्व में शिक्षा केवल ज्ञान के संप्रेषण तक सीमित नहीं रह सकती। शिक्षा को अब केवल ज्ञान प्रदान करने से आगे बढ़कर बच्चों को नेतृत्व करने, वास्तविक समस्याओं का समाधान करने और निरंतर विकसित होती दुनिया के अनुरूप स्वयं को ढालने में सक्षम बनाना होगा। वैश्विक अर्थव्यवस्था और आजीविका परिदृश्य में व्यापक परिवर्तन के इस दौर में हमारे विद्यालयों में उद्यमी मानसिकता का विकास पहले से अधिक आवश्यक हो गया है।

'उद्यमिता परिवेश एवं दृष्टिकोण का नवीन युग (NEEEV)' योजना इसी दिशा में एक साहसिक एवं दूरदर्शी पहल है। इसका उद्देश्य विद्यालय स्तर से ही विद्यार्थियों में आलोचनात्मक चिंतन, सृजनात्मकता, नेतृत्व क्षमता तथा लचीलापन विकसित करना है। हमारे विद्यालय ही राज्य की भावी कार्य शक्ति और नवाचार क्षमता की आधारशिला हैं।

यह निर्देशिका ऐसे शैक्षिक परिवेश के निर्माण के लिए तैयार की गई है, जहाँ विद्यार्थी स्वतंत्र रूप से सोच सकें, नैतिक रूप से कार्य कर सकें तथा स्थानीय और वैश्विक चुनौतियों का आत्मविश्वास के साथ सामना कर सकें। यह हमारे शिक्षकों को उचित दृष्टिकोण और मार्गदर्शन के साथ इन उद्देश्यों की प्राप्ति में सहयोग प्रदान करेगी। आने वाले वर्षों में हम ऐसे अधिक से अधिक विद्यालयों की कल्पना करते हैं जो विद्यार्थियों को विचार-सृजन, सहयोगात्मक समस्या-समाधान और सामुदायिक परियोजनाओं में सक्रिय रूप से संलग्न करें, जिनका विस्तार पाठ्यपुस्तकों की सीमाओं से कहीं आगे तक हों।

यह निर्देशिका शिक्षकों को NEEEV की परिकल्पना को व्यवहारिक रणनीतियों, कक्षा-गतिविधियों और चिंतनशील अभ्यासों के माध्यम से लागू करने में सहायक होगी। यह हमारे उस विश्वास को प्रतिबिंबित करती है कि प्रत्येक विद्यार्थी में ऐसे विचार विकसित करने की क्षमता है, जो उनके आस-पास की दुनिया को सकारात्मक रूप से परिवर्तित कर सकते हैं।

आइए, हम सब मिलकर NEEEV को परिवर्तन का उत्प्रेरक बनाएँ, जहाँ प्रत्येक विद्यालय नवाचार का केंद्र बने, प्रत्येक शिक्षक भावी नेतृत्व का मार्गदर्शक बने और प्रत्येक विद्यार्थी राज्य तथा राष्ट्र की प्रगति में सक्रिय योगदानकर्ता बने।

(पांडुरंग के. पोले)

वेदिता रेड्डी, भा.प्र.से.
निदेशक, शिक्षा एवं खेल

Directorate of Education
Govt. of NCT of Delhi
Room No. 12, Old Secretariat
Near Vidhan Sabha,
Delhi-110054
Ph.: 011-23890172
E-mail : diredu@nic.in

संदेश

हम आज ऐसे समय में जी रहे हैं, जब विश्व पहले से कहीं अधिक तीव्र गति से बदल रहा है। इस परिवर्तित परिदृश्य में सृजनात्मकता, अनुकूलनशीलता और समस्या-समाधान की क्षमता उतनी ही महत्त्वपूर्ण है, जितनी शैक्षणिक उपलब्धियाँ। एक शिक्षक के रूप में हमारा दायित्व केवल विद्यार्थियों को परीक्षाओं के लिए तैयार करना नहीं बल्कि उन्हें जीवन की व्यापक चुनौतियों के लिए सक्षम बनाना है।

'उद्यमिता परिवेश एवं दृष्टिकोण का नवीन युग (NEEEV)' योजना हमारे युवाओं को आत्मनिर्भर, नवाचारी और सामाजिक रूप से जागरूक नागरिकों के रूप में विकसित करने की प्रतिबद्धता का प्रतीक है, जो आत्मविश्वास और संवेदनशीलता के साथ भविष्य का निर्माण कर सकें।

NEEEV का उद्देश्य एक सशक्त, व्यावहारिक और दूरदर्शी दृष्टिकोण के माध्यम से विद्यालयों को उद्यमी अधिगम के जीवंत केंद्रों में परिवर्तित करना है। इस निर्देशिका के माध्यम से हमारा प्रयास है कि उद्यमिता केवल औपचारिक कक्षाओं तक सीमित न रहे। प्रत्येक कक्षा एक ऐसा मंच बने, जहाँ हर विद्यार्थी, चाहे उनकी सामाजिक या आर्थिक परिवेश कोई भी हो वह विचारों की खोज कर सके, पहल कर सके और नेतृत्व गुणों का विकास कर सके। यह केवल भविष्य के व्यवसायियों को तैयार करने तक सीमित नहीं है बल्कि एक ऐसी मानसिकता विकसित करने पर बल देती है, जो चुनौतियों को अवसर के रूप में स्वीकार करें, उत्तरदायित्व निभाए और समुदाय के व्यापक हित में योगदान दे। यह निर्देशिका एक ऐसे शैक्षिक वातावरण की परिकल्पना करती है, जहाँ शिक्षक मार्गदर्शक की भूमिका निभाते हुए विद्यार्थियों को स्वतंत्र चिंतन, सहयोगात्मक कार्य तथा विचारों को क्रियान्वयन में बदलने के लिए प्रेरित करें।

आइए, हम सब मिलकर एक ऐसे युग की शुरुआत करें, जहाँ हमारे विद्यार्थी कर्मशील, स्वप्नदृष्टा और परिवर्तन के अग्रदूत बनें।

Veditha

(वेदिता रेड्डी, भा.प्र.से.)

डॉ. रीता शर्मा
निदेशक, एस.सी.ई.आर.टी.

SCERT
स्वाध्यायान्मा प्रमदः

STATE COUNCIL OF EDUCATIONAL RESEARCH and TRAINING
(An autonomous Organisation of GNCT of Delhi)
Varun Marg, Defence Colony, New Delhi-110024
Tel.: +91-11-24331356
E-mail : dir12scert@gmail.com

संदेश

आज की कक्षाएँ केवल शैक्षणिक उत्कृष्टता तक सीमित नहीं रह सकतीं, उन्हें विद्यार्थियों को सृजनात्मक चिंतक, नवप्रवर्तक और भविष्य के नेतृत्वकर्ता बनने के लिए प्रेरित करना होगा। 'उद्यमिता परिवेश एवं दृष्टिकोण का नवीन युग (NEEEV)' योजना विद्यालयी शिक्षा में उद्यमी कौशलों को समाहित करते हुए इस लक्ष्य की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण कदम है। यह निर्देशिका हमारे शिक्षकों को आत्मनिर्भर, नवाचारी और सामाजिक रूप से उत्तरदायी युवा उद्यमियों की पीढ़ी तैयार करने में सहयोग प्रदान करने के उद्देश्य से विकसित की गई है।

NEEEV का मूल दर्शन विभिन्न विषयों में उद्यमी कौशलों के समन्वित समावेशन पर आधारित है, जिससे विद्यार्थी अपने दैनिक अधिगम में आलोचनात्मक और सृजनात्मक चिंतन विकसित कर सकें। यह योजना विद्यार्थियों को प्रोटोटाइप बनाने, प्रयोग करने और आत्मविश्वास के साथ अपने विचारों को साकार करने के अवसर प्रदान करती है। यह पहल विद्यार्थियों को स्टार्टअप जगत के उन अनुभवी मार्गदर्शकों से जोड़ती है, जिन्होंने स्वयं सफलता की इस यात्रा को तय किया है ताकि उन्हें उद्यमिता का वास्तविक और व्यावहारिक मार्गदर्शन मिल सके। इस प्रकार विद्यार्थियों को ऐसी चुनौतियों से परिचित कराया जाता है जो सतत नवाचार और सहयोग की भावना को प्रोत्साहित करती हैं।

सबसे महत्त्वपूर्ण बात यह है कि NEEEV एक समावेशी संस्कृति को बढ़ावा देती है, जहाँ किसी भी पृष्ठभूमि का बच्चा सार्थक योगदान देने और वास्तविक जीवन की समस्याओं के समाधान विकसित करने के लिए सशक्त बनता है। यह निर्देशिका शिक्षकों के लिए एक मार्गदर्शिका होने के साथ-साथ विद्यार्थियों के प्रति हमारी प्रतिबद्धता का प्रतीक है कि उनके विचार महत्त्वपूर्ण हैं और उनका भविष्य उज्ज्वल है।

आइए, हम सब मिलकर ऐसे विद्यालयों का निर्माण करें, जहाँ नवाचार फले-फूले और प्रत्येक विद्यार्थी साहस, संवेदनशीलता और सृजनात्मकता के साथ नेतृत्व करने के लिए तैयार हो।

(डॉ. रीता शर्मा)

प्रस्तावना

आज विश्व में शिक्षा का परिदृश्य अभूतपूर्व रूप से परिवर्तित हो रहा है, जहाँ अधिगम अब केवल पाठ्यपुस्तकों और परीक्षाओं तक सीमित नहीं रहा है। आज समय की आवश्यकता है कि हमारी शिक्षा प्रणाली के भीतर एक सशक्त उद्यमी परिवेश विकसित किया जाए, जो विद्यार्थियों को वास्तविक जीवन की चुनौतियों की पहचान करने, सहयोगात्मक रूप से कार्य करने, नवाचारी विचार प्रस्तुत करने, असफलताओं से सीखने तथा समाज के लिए मूल्य सृजित करने में सक्षम बनाए। ऐसा उद्यमी परिवेश विद्यार्थियों को न केवल भविष्य के व्यवसायों के लिए बल्कि उत्तरदायी नागरिक बनने के लिए भी तैयार करता है, जिसमें लचीलापन, अवसरों की पहचान, नैतिक निर्णय क्षमता तथा समाधान-केंद्रित दृष्टिकोण का विकास होता है।

'उद्यमिता परिवेश एवं दृष्टिकोण का नवीन युग (NEEEV)' योजना को दिल्ली सरकार द्वारा सितंबर 2025 में प्रारंभ किया गया, जिसका उद्देश्य विद्यालयी शिक्षा में उद्यम-उन्मुख क्षमताओं का समावेशन करना है। NEEEV, राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 के अनुरूप है, जो दक्षता-आधारित अधिगम, अनुभवात्मक शिक्षण पद्धति तथा 21वीं सदी की क्षमताओं पर बल देती है। यह 'विकसित भारत 2047' की राष्ट्रीय परिकल्पना के साथ भी सामंजस्य स्थापित करती है, जिसके अंतर्गत आत्मविश्वासी, सक्षम एवं राष्ट्र-निर्माण के लिए तत्पर युवाओं का निर्माण लक्ष्य है। उभरती प्रौद्योगिकियों के परिवर्तित प्रभाव को ध्यान में रखते हुए, यह योजना विद्यार्थियों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) के प्रति जागरूकता और उसके उत्तरदायी उपयोग को प्रोत्साहित करती है, जैसे कि विचार-सृजन, शोध, प्रोटोटाइप निर्माण, संप्रेषण और उत्पादकता में के साथ ही नैतिकता, पूर्वाग्रह और डेटा गोपनीयता की समझ विकसित करती है।

NEEEV के अंतर्गत विकसित यह निर्देशिका एक संरचित अधिगम मार्गदर्शिका के रूप में कार्य करती है, जो विद्यार्थियों की क्षमताओं को आधारभूत अवधारणाओं से लेकर व्यावहारिक अनुप्रयोगों तक क्रमिक रूप से विकसित करने में सहायक है। यह वित्तीय एवं डिजिटल साक्षरता, संप्रेषण कौशल, सहकार्यता, समस्या-समाधान, अभिकल्प चिंतन, बाज़ार की समझ, प्रलेखन तथा प्रस्तुतीकरण जैसे आवश्यक कौशलों का भी सुदृढ़ीकरण करती है। संरचित गतिविधियों, सहपाठी अधिगम और वास्तविक जीवन से जुड़े संदर्भों के माध्यम से विद्यार्थियों के विचारों को सार्थक समाधानों में रूपांतरित किया जाएगा, सहयोग से सुदृढ़ किया जाएगा तथा उत्तरदायी प्रभाव की दिशा में मार्गदर्शित किया जाएगा। यह निर्देशिका विद्यार्थियों में नवाचार से संबंधित विधिक एवं नियामकीय जागरूकता, जैसे- आधारभूत अनुबंध, बौद्धिक संपदा, उपभोक्ता जागरूकता, साइबर सुरक्षा, डेटा गोपनीयता एवं अनुपालन को भी प्रोत्साहित करती है। यह नैतिक मानकों और सामाजिक उत्तरदायित्व के साथ समन्वित होकर समावेशी और सतत समाधानों के विकास को सक्षम बनाती है।

यह निर्देशिका केवल एक अधिगम संसाधन नहीं बल्कि एक परिवर्तनकारी उत्प्रेरक के रूप में परिकल्पित है, जो सभी विद्यालयों में एक सशक्त उद्यमी परिवेश के निर्माण में सहायक होगी। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों को ऐसे भावी उद्यमियों के रूप में विकसित करना है, जो विद्यालय समुदाय के भीतर और उससे आगे सतत विकास को गति प्रदान करें।

डॉ. सपना यादव

सहायक प्राध्यापक / अध्यक्ष, NEEEV

एस.सी.ई.आर.टी., दिल्ली

विषय-सूची

क्र. स.	अध्याय का नाम	अध्याय के अनुभाग	पृष्ठ संख्या
1	NEEEV का परिचय	1.1 NEEEV का परिचय 1.2 NEEEV-दृष्टि, मिशन और उद्देश्य	1-5
2	उद्यमियों की खोज: लक्षण, मिथक और तथ्य	2.1 उद्यमी - वास्तव में कौन हैं ? 2.2 उद्यमशीलता के गुणों को समझना 2.3 एक उद्यमी के रूप में ख़ुद को समझना	6-11
3	उद्यमशीलता पारिस्थितिकी तंत्र: संरचना और कार्यप्रणाली	3.1 उद्यमशील पारिस्थितिकी तंत्र 3.2 स्टार्टअप, वेंचर और व्यवसाय के बीच अंतर 3.3 केस स्टोरी-भारत के उद्ययमशील केंद्र	12-17
4	सोचने और निर्माण करने की कला	4.1 एक समस्या, कई संभावनाएँ 4.2 3P फ्रेमवर्क- सतत विचारों के लिए एक मार्गदर्शिका 4.3 साथ मिलकर सीखना - फीडबैक विचार को कैसे बढ़ाता है? 4.4 एक विचार की पुष्टि करना - 3P चेक 4.5 नेतृत्व-विचारों और लोगों को आगे बढ़ने में मार्गदर्शन करना	18-25
5	मानसिकता की शक्ति	5.1 आपके सोचने की क्षमता 5.2 सीखना, लचीलापन और शुरू करने का साहस 5.3 सोचने की कला – आलोचनात्मक और रचनात्मक 5.4 असफलता के डर पर काबू पाना 5.5 लचीलापन और आत्म-प्रभावकारिता का निर्माण	26-34
6	हमारी टीम, हमारी क्षमता	6.1 प्रभावी टीम बनाना-भूमिकाएँ, क्षमताएँ और नेतृत्व 6.2 विवाद प्रबंधन और सहमति निर्माण	35-39

7	डिजिटल कौशल का उपयोग	7.1 डिजिटल कौशल क्यों महत्वपूर्ण हैं? 7.2 रोजमर्रा के व्यापार में डेटा को समझना 7.3 डेटा से प्रौद्योगिकी में AI को समझना	40-44
8	वित्तीय साक्षरता (व्यवसाय के लिए ईंधन)	8.1 एक ही विचार लेकिन अलग अलग वित्तीय विकल्प 8.2 खर्च करने से पहले योजना बनाना 8.3 व्यवसाय में बैंकों और उनकी भूमिका को समझना	45-50
9	कानूनी साक्षरता और व्यावसायिक अनुपालन	9.1 व्यवसाय को दिशा देने वाले नियम 9.2 लोगों और विचारों की सुरक्षा करना 9.3 निष्पक्ष व्यापार, ईमानदारी और रिकॉर्ड	51-58

आइए (NEEEV) योजना के बारे में जानें

उद्यमिता शिक्षा की उभरती आवश्यकताओं के प्रत्युत्तर में, इस शिक्षक निर्देशिका (Teacher's Manual) को एक व्यावहारिक मार्गदर्शिका के रूप में तैयार किया गया है, जो सैद्धांतिक शिक्षा से आगे बढ़कर विद्यार्थियों को वास्तविक दुनिया के लिए तैयार करने (real-world readiness) को बढ़ावा देती है। (NEEEV) दृष्टिकोण पर आधारित, यह अनुभवात्मक एवं विद्यार्थी-केंद्रित शिक्षाशास्त्र को प्रोत्साहित करती है, जहाँ शिक्षक अवसर की पहचान, समस्या-समाधान, नवाचार और मूल्य सृजन को सुगम बनाते हैं।

यह निर्देशिका उद्यमिता पाठ्यक्रम के दृष्टिकोण के साथ निकटता से संरेखित है और योग्यता-आधारित शिक्षा, कौशल विकास, अनुभवात्मक अधिगम एवं रोजगार क्षमता पर जोर देकर राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 के सिद्धांतों को दर्शाती है। यह समग्र विकास, अंतःविषय अधिगम और अनुप्रयोग-आधारित समझ का समर्थन करके स्कूली शिक्षा के लिए राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा (NCFSE) 2023 के अनुरूप भी है। इसके अतिरिक्त, यह उत्तरदायी, समावेशी और संधारणीय (sustainable) उद्यमशीलता प्रथाओं को प्रोत्साहित करके सतत विकास लक्ष्यों (SDGs) के साथ जुड़ती है।

संरचित गतिविधियों, चिंतन (reflection) और स्टार्टअप एक्सपोज़र के माध्यम से, (NEEEV) विद्यार्थियों को आत्मविश्वासी, नैतिक और भविष्य के लिए तैयार व्यक्तियों के रूप में विकसित करती है, जो समाज और अर्थव्यवस्था में सार्थक योगदान देने में सक्षम हों।

NEEEV योजना की संरचना

1. कक्षा-कक्ष अधिगम (In-Classroom Learning)
2. NEEEV संवाद (NEEEV Dialogue)
3. विशिष्ट कौशल कार्यशालाएं (Specialized Skills Workshops)
4. उद्योग / इनक्यूबेशन भ्रमण (Industry / Incubation Visits)
5. स्टार्टअप स्टॉर्मर्स प्रतियोगिता (Startup Stormers Competition)

प्रत्येक घटक पर निम्नलिखित अनुभागों में विस्तार से चर्चा की गई है।

कक्षा-कक्ष अधिगम

कक्षा-कक्ष अधिगम से तात्पर्य सप्ताह में एक बार संरचित और सुगम तरीके से आयोजित होने वाले साप्ताहिक (NEEEV) सत्र से है। सभी अवधारणाओं और गतिविधियों के लिए विद्यार्थी निर्देशिका (Student Manual) का पालन किया जाएगा।

शिक्षक दिए गए 'क्या करें और क्या न करें' (Do's and Don'ts) को ध्यान में रखते हुए, निर्देशिका के अनुसार चर्चाओं और कार्यों का मार्गदर्शन करेंगे। इसमें केवल व्याख्यान (lecturing) देने के बजाय अनुभवात्मक अधिगम (experiential learning) पर ध्यान केंद्रित किया गया है।

शिक्षक निर्देशिका का प्रभावी ढंग से उपयोग कैसे करें-

कार्य	क्या	क्या न करें
सबसे पहले विद्यार्थी निर्देशिका का संदर्भ लें	• कक्षा से पहले विद्यार्थी निर्देशिका पढ़ें। • कहानियों, गतिविधियों और साप्ताहिक कार्यों को समझें।	• विद्यार्थी सामग्री को दोहराएं या श्रुतलेख (dictate) न करवाएं। • गतिविधियों को समझे बिना शुरुआत न करें।
	• प्रश्नों/संकेतों की पूर्व योजना बनाएं। • पिछली और आगामी कक्षा के बीच निरंतरता सुनिश्चित करें।	• शिक्षक निर्देशिका को एक पटकथा। (script) के रूप में न लें।
स्पष्टीकरण से नहीं, बल्कि अनुभवों से शुरुआत करें	• गतिविधि/कहानी/वास्तविक जीवन के उदाहरण से प्रारंभ करें। • पहले विद्यार्थियों को सोचने और प्रतिक्रिया देने का अवसर दें। • अवलोकन और भागीदारी को प्रोत्साहित करें।	• परिभाषाओं से शुरुआत न करें। • बने-बनाए उत्तर न दें। • लंबे व्याख्यानों का प्रभुत्व न रखें।
चिंतन और विचार-विमर्श को सुगम बनाएं	• मुक्त-अंत वाले (open-ended) प्रश्न पूछें। • विविध दृष्टिकोणों को प्रोत्साहित करें। • अधिगम को वास्तविक जीवन से जोड़ें। • प्रत्येक विद्यार्थी के विचार आमंत्रित करें।	• उत्तरों को सही/गलत का लेबल न दें। • चिंतन में जल्दबाजी न करें। • शांत रहने वाले विद्यार्थियों की उपेक्षा न करें।
अन्वेषण के बाद अवधारणाओं का परिचय दें	• चर्चा के बाद अवधारणाओं को स्पष्ट करें। • सारांश के लिए बोर्ड का उपयोग करें। • स्पष्टता के लिए संकल्पना (Concept Boxes) का संदर्भ लें।	• चर्चा के बाद अवधारणाओं को स्पष्ट करें। • सारांश के लिए बोर्ड का उपयोग करें। • स्पष्टता के लिए संकल्पना (Concept Boxes) का संदर्भ लें।
उद्यमशीलता कौशल विकास में सहायता करें	• आलोचनात्मक चिंतन पर ध्यान केंद्रित करें। • समस्या-समाधान को प्रोत्साहित करें। • रचनात्मकता और नवाचार को पोषित करें। • संचार और सहयोग को बढ़ावा दें। • नैतिक तर्क और निर्णय लेने की क्षमता को बढ़ावा दें। • आत्मविश्वास का निर्माण करें।	• केवल पाठ्यक्रम पूरा करने पर ध्यान केंद्रित न करें। • अधिगम से अधिक पूर्णता। (perfection) को प्राथमिकता न दें। • अपरंपरागत विचारों को हतोत्साहित न करें।
कक्षा-कक्ष प्रबंधन दृष्टिकोण	• सुरक्षित और सम्मानजनक वातावरण बनाए रखें। • समावेशी भागीदारी को प्रोत्साहित करें। • सहकर्मी अधिगम (peer learning) को बढ़ावा दें। • प्रयास और सुधार की सराहना करें।	• विद्यार्थियों की नकारात्मक तुलना न करें। • उपहास की अनुमति न दें। • समझ से अधिक गति को प्राथमिकता न दें।
साप्ताहिक कार्यों का उपयोग	• उद्देश्य को स्पष्ट रूप से समझाएं। • रचनात्मकता को प्रोत्साहित करें। • चर्चा के लिए कार्यों का उपयोग करें। • अगले सत्र में कार्यों की पुनर्समीक्षा करें। • विविध प्रतिक्रियाओं को स्वीकार करें।	• इन्हें परीक्षण (tests) के रूप में न लें। • एक समान उत्तरों की अपेक्षा न करें। • कठोरता से ग्रेड न दें।

NEEEV संवाद (NEEEV DIALOGUE)

'NEEEV संवाद' एक संवादात्मक चर्चा मंच है जहाँ कक्षा 8 से 12 तक के विद्यार्थी उद्यमियों, विश्वविद्यालय के संकाय सदस्यों, पेशेवरों, मेंटर्स या साथियों के साथ जुड़ते हैं, ताकि उद्यमशीलता और नवाचार पर वास्तविक जीवन के अनुभवों और अंतर्दृष्टि को साझा किया जा सके। यह चिंतन को प्रेरित करता है, आत्मविश्वास पैदा करता है, और विद्यार्थियों को सार्थक प्रभाव पैदा करने की दिशा में सकारात्मक एवं उत्तरदायी कदम उठाने के लिए प्रेरित करता है।

उद्देश्य

- विद्यार्थियों को वास्तविक उद्यमशीलता यात्राओं और व्यावहारिक अनुभवों से अवगत कराना।
- संचार, प्रश्न पूछने और सक्रिय श्रवण कौशल का विकास करना।
- चिंतन, आलोचनात्मक सोच और सार्थक चर्चा को प्रोत्साहित करना।
- विचारों को स्पष्ट और जिम्मेदारी से व्यक्त करने में आत्मविश्वास विकसित करना।
- कक्षा के अधिगम को वास्तविक दुनिया की अंतर्दृष्टि और अनुप्रयोगों से जोड़ना।
- विद्यार्थियों को सकारात्मक पहल करने और उद्देश्यपूर्ण प्रभाव पैदा करने के लिए प्रेरित और प्रोत्साहित करना।

1. 'NEEEV संवाद' के लिए सुगमकर्ता (फैसिलिटेटर)	2. विकसित होने वाले उद्यमशीलता कौशल	3. विद्यार्थियों के लिए अंतर्दृष्टि (Insights)
• उद्यमी और स्टार्टअप संस्थापक • विश्वविद्यालय के संकाय सदस्य • उद्योग विशेषज्ञ • स्थानीय व्यापार स्वामी • सामाजिक उद्यमी • हरित उद्यमी (Green entrepreneurs) • इनक्यूबेशन मेंटर • विषय विशेषज्ञ या नवप्रवर्तक एवं अन्य	• संचार और प्रश्न पूछने का कौशल • आलोचनात्मक सोच और चिंतन • आत्मविश्वास और आत्म-अभिव्यक्ति • नेटवर्किंग और पारस्परिक कौशल • अवसर के प्रति जागरूकता और आदि।	• व्यवसाय में वास्तविक जीवन की चुनौतियाँ और अवसर। • उद्यमियों की निर्णय लेने की प्रक्रियाएँ। • दृढ़ता (persistence) और नवाचार का महत्व। • करियर पाथ और स्टार्टअप यात्राएँ। • वास्तविक अनुभवों से समस्या-समाधान की रणनीतियाँ।

विशिष्ट कौशल कार्यशालाएं (Specialized Skills Workshops)

विशिष्ट कौशल कार्यशालाएं ऐसे व्यावहारिक सत्र (hands-on sessions) हैं, जिन्हें सैद्धांतिक ज्ञान से आगे बढ़कर व्यावहारिक उद्यमशीलता और जीवन कौशल के निर्माण के लिए डिज़ाइन किया गया है। विविध क्षेत्रों के विशेषज्ञों जैसे उद्यमियों, विश्वविद्यालय के संकाय सदस्यों, वित्तीय पेशेवरों, कानूनी सलाहकारों, प्रौद्योगिकी विशेषज्ञों, संचार प्रशिक्षकों और सामाजिक नवप्रवर्तकों के लिए खुले इन कार्यशालाओं में विभिन्न महत्वपूर्ण विषय शामिल हो सकते हैं। इनमें डिजिटल मार्केटिंग, वित्तीय साक्षरता, कानूनी बुनियादी बातें, डिज़ाइन थिंकिंग, उत्पाद विकास, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) उपकरण, संधारणीयता (sustainability), नेतृत्व, सहमति-प्रक्रिया (negotiation), टीम वर्क और संरचित पिचिंग (structured pitching) आदि शामिल हैं।

प्रदर्शनों (demonstrations), अभ्यास गतिविधियों, सिमुलेशन और मॉक प्रस्तुतियों के माध्यम से, विद्यार्थी 'करके सीखते हैं' (learning by doing)। शिक्षक कौशल विकास सुनिश्चित करने के लिए समन्वय और चिंतन (reflection) को सुगम बनाते हैं, जिससे विद्यार्थी आत्मविश्वासी, सक्षम और भविष्य के लिए तैयार हो सकें।

उद्देश्य

- व्यावहारिक और उद्योग-प्रासंगिक कौशल विकसित करना।
- वास्तविक दुनिया के उपकरणों और प्रथाओं (practices) से अवगत कराना।
- रोजगार क्षमता (employability) और उद्यमशीलता की तत्परता को बढ़ाना।
- अनुभवात्मक अधिगम (experiential learning) को प्रोत्साहित करना।
- नवाचार और रचनात्मकता को सुदृढ़ करना।

कार्यशालाओं के लिए सुगमकर्ता (Facilitators)	विकसित होने वाले उद्यमशीलता कौशल	विद्यार्थियों के लिए अंतर्दृष्टि (Insights)
• उद्योग के पेशेवर (Industry professionals) • स्टार्टअप संस्थापक • डिजिटल मार्केटिंग विशेषज्ञ • वित्तीय सलाहकार • डिज़ाइनर और नवप्रवर्तक • प्रौद्योगिकी विशेषज्ञ • संचार और नेतृत्व प्रशिक्षक एवं अन्य	• तकनीकी और विशिष्ट कौशल • नवाचार और रचनात्मकता • अनुकूलन क्षमता (Adaptability) और त्वरित अधिगम क्षमता (learning agility) • व्यावसायिक संचार • समस्या-समाधान, व्यावहारिक सोच और कई अन्य कौशल।	• कक्षा-कक्ष की अवधारणाओं का व्यावहारिक अनुप्रयोग। • व्यावहारिक कौशल (Hands-on skills) और वास्तविक दुनिया की तकनीकें। • डिजिटल उपकरणों और प्रौद्योगिकी का उपयोग। • व्यावसायिक संचार और टीम वर्क। • जीवन की यात्रा के दौरान रचनात्मक सोच और समस्या-समाधान।

उद्योग /इनक्यूबेशन सेल भ्रमण (Industry/ Incubation Cell Visit)

उद्योग भ्रमण एक आयोजित शैक्षिक यात्रा है जहाँ विद्यार्थी किसी व्यावसायिक संगठन, कारखाने, स्टार्टअप या कंपनी का दौरा करते हैं, ताकि वे वास्तविक दुनिया के संचालन का अवलोकन कर सकें, उत्पादन और प्रबंधन प्रक्रियाओं को समझ सकें, और कक्षा-कक्ष की अवधारणाओं को व्यावहारिक उद्योग प्रथाओं के साथ जोड़ सकें।

इनक्यूबेशन सेल भ्रमण एक स्टार्टअप इनक्यूबेशन केंद्र या नवाचार हब (innovation hub) का शैक्षिक एक्सपोज़र दौरा है, जहाँ विद्यार्थी यह सीखते हैं कि कैसे प्रारंभिक चरण के व्यावसायिक विचारों को मेंटरशिप (मार्गदर्शन), वित्तपोषण मार्गदर्शन (funding guidance), बुनियादी ढांचे, नेटवर्किंग और पेशेवर सहायता के माध्यम से समर्थन दिया जाता है।

उद्देश्य

- व्यावसायिक परिवेश से वास्तविक दुनिया का एक्सपोज़र प्रदान करना।
- स्टार्टअप कैसे काम करते हैं और विकसित होते हैं, यह समझना।
- इनक्यूबेशन, मेंटरशिप और वित्तपोषण (funding) के बारे में सीखना।
- कक्षा-कक्ष के अधिगम को उद्योग की प्रथाओं से जोड़ना।
- उद्यमशीलता और करियर संबंधी आकांक्षाओं को प्रेरित करना।

वे स्थान जहाँ भ्रमण किया जा सकता है	विकसित होने वाले उद्यमशीलता कौशल	विद्यार्थियों के लिए अंतर्दृष्टि (Insights)
• विनिर्माण उद्योग (Manufacturing industries) और कारखाने • स्टार्टअप और छोटे व्यवसाय • सामाजिक उद्यम और गैर-सरकारी संगठन (NGOs) • इनक्यूबेशन केंद्र और नवाचार प्रयोगशालाएँ (innovation labs) • प्रौद्योगिकी कंपनियाँ और आईटी हब (IT hubs)	• अवलोकन और विश्लेषणात्मक सोच • व्यावसायिक संचार • उद्योग जागरूकता • करियर अन्वेषण और जिज्ञासा	• वास्तविक दुनिया के व्यावसायिक संचालन और टीम की गतिशीलता (team dynamics) को समझना। • व्यावहारिक संदर्भों में नवाचार और समस्या-समाधान को लागू करना। • व्यापार मॉडल (business models) और ग्राहक जुड़ाव (customer engagement) पर स्पष्टता प्राप्त करना।
• खुदरा (Retail) और सेवा व्यवसाय • वित्तीय संस्थान और फिनटेक (fintech) स्टार्टअप • रचनात्मक उद्योग (डिज़ाइन, मीडिया, मार्केटिंग) • कृषि-व्यवसाय (Agri-business) और संधारणीयता (sustainability) स्टार्टअप और अन्य संबंधित स्थान	• अनुकूलन क्षमता और वास्तविक दुनिया के अधिगम की मानसिकता	• स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र (ecosystem), इनक्यूबेशन और सहायता प्रणालियों का अन्वेषण करना। • कार्यस्थल की नैतिकता (workplace ethics) और पेशेवर आचरण के महत्व को पहचानना।

स्टार्टअप स्टॉर्मर्स प्रतियोगिता (Startup Stormers Competition)

'स्टार्टअप स्टॉर्मर्स प्रतियोगिता' एक निर्देशित, गतिविधि-आधारित उद्यमशीलता मंच है जहाँ विद्यार्थी टीमों में काम करते हुए प्रामाणिक समस्याओं की पहचान करते हैं, नवीन और व्यावहारिक समाधान डिज़ाइन करते हैं, और उन्हें संरचित स्टार्टअप या सामाजिक उद्यम विचारों के रूप में विकसित करते हैं। यह अनुसंधान, डिज़ाइन थिंकिंग, बजटिंग, विपणन रणनीति (marketing strategy), प्रोटोटाइपिंग और औपचारिक पिचिंग को एक सुसंगत अधिगम अनुभव (cohesive learning experience) में एकीकृत करता है।

यह एक प्रतियोगिता से कहीं अधिक है; यह एक अनुरूपित (simulated) उद्यमशीलता यात्रा है जो रचनात्मकता, समस्या-समाधान, टीम वर्क, नेतृत्व और व्यावसायिक अवधारणाओं के व्यावहारिक अनुप्रयोग को प्रोत्साहित करती है, जिससे विद्यार्थी आत्मविश्वास और स्पष्टता के साथ विचारों से कार्ययोग्य (actionable) समाधानों की ओर बढ़ने में सक्षम होते हैं।

उद्देश्य

- नवाचार, विचार-सृजन (ideation) और अवसर-संचालित सोच को बढ़ावा देना।
- समस्या-समाधान, प्रोटोटाइप विकास और समाधान सत्यापन (solution validation) कौशल विकसित करना।
- स्टार्टअप योजना, निष्पादन (execution) और प्रतिस्पर्धी रणनीति की क्षमता का निर्माण करना।

- डिजिटल साक्षरता, एआई (AI) जागरूकता, विपणन (marketing), ब्रांडिंग और वित्तीय प्रबंधन कौशल को सुदृढ़ करना।
- संचार, सहयोग, नेतृत्व और संरचित पिचिंग (structured pitching) क्षमताओं को बढ़ाना।
- लचीलापन (resilience), अनुकूलन क्षमता और उद्यमशीलता से जुड़े निर्णय लेने की क्षमता विकसित करना।
- अधिगम को वास्तविक बाज़ार की चुनौतियों और मूल्य सृजन (value creation) से जोड़ना।
- भारत के आर्थिक और सामाजिक विकास में योगदान देने वाले भविष्य के लिए तैयार (future-ready) उद्यमियों का पोषण करना।

विभिन्न कक्षाओं में एक प्रगति के रूप में 'स्टार्टअप स्टॉर्मर्स'

चरण 1 (कक्षा 8) : उद्यमशीलता की नींव
मुख्य बिंदु (Focus) - 'नींव' (NEEEV) का उन्मुखीकरण (Orientation) और अवसर के प्रति जागरूकता
• (NEEEV) रूपरेखा की वैचारिक समझ • अवसर खोजने की मानसिकता का विकास • दैनिक समस्याओं और अपूर्ण आवश्यकताओं की पहचान • रचनात्मकता को प्रोत्साहन और प्रेरक स्टार्टअप यात्राओं का एक्सपोज़र
वर्षांत लक्ष्य - विद्यार्थी जिज्ञासा, अवलोकन क्षमता और मूल्य-सृजन (value-creation) उन्मुखीकरण विकसित करते हैं।

चरण 2 (कक्षा 9) - विचार-सृजन (Ideation) और टीम निर्माण	चरण 3 (कक्षा 10) - प्रोटोटाइप निर्माण और परीक्षण
मुख्य बिंदु - सहयोगात्मक समस्या पहचान और विचार-सृजन	**मुख्य बिंदु - प्रोटोटाइप निर्माण और परीक्षण**
• 5-सदस्यीय संरचित उद्यमशीलता टीमों का निर्माण • सामुदायिक/स्थानीय चुनौतियों की पहचान • संरचित विचार-मंथन (brainstorming) और अपसारी चिंतन (divergent thinking) • व्यवहार्यता परीक्षण (Feasibility screening) और एक व्यवहार्य विचार का चयन	• बुनियादी बाज़ार अनुसंधान और उपयोगकर्ता की समझ • न्यूनतम व्यवहार्य उत्पाद (MVP) या प्रोटोटाइप का विकास • साथियों/समुदाय के साथ क्षेत्रीय परीक्षण (Field testing) • फीडबैक के आधार पर पुनरावृत्त सुधार (Iterative refinement)
वर्ष-अंत मील का पत्थर - विद्यार्थी टीम वर्क, विचार-सृजन क्षमता और संरचित समस्या विश्लेषण का प्रदर्शन करते हैं।	**वर्ष-अंत मील का पत्थर -** विद्यार्थी प्रयोग कौशल, सत्यापन तकनीक और पुनरावृत्त चिंतन क्षमता (iterative thinking ability) प्राप्त करते हैं।

चरण 4 - (कक्षा 11) उद्यम डिज़ाइन (Venture Design) और बाज़ार निष्पादन	चरण 5 (कक्षा 12) - इनक्यूबेशन और भविष्य का संक्रमण (Future Transition)
मुख्य बिंदु - व्यावसायिक योजना, प्रति टीम वित्तीय सहायता (₹20,000) और बाज़ार में स्थिति (Market Positioning)	**मुख्य बिंदु - उद्यम सुदृढ़ीकरण और पारिस्थितिकी तंत्र (Ecosystem) से जुड़ाव**
• व्यापार मॉडल (Business model) और मूल्य प्रस्ताव (value proposition) का विकास • बजट बनाना, लागत निर्धारण, मूल्य निर्धारण और वित्तीय योजना • विपणन (Marketing), ब्रांडिंग और परिचालन रणनीति • ₹20,000 की वित्तीय सहायता का उत्तरदायी उपयोग • उत्पाद सुधार, बाज़ार सत्यापन और प्रतिस्पर्धी स्थिति • निवेशक-शैली (Investor-style) पिच प्रस्तुति	• अपने स्टार्टअप मॉडल को परिष्कृत और स्थिर करना • वास्तविक या अनुरूपित (simulated) बाज़ार सेटिंग में उद्यम का संचालन या प्रायोगिक परीक्षण (Piloting) • डेमो डे (demo days) या निवेशक-शैली प्रस्तुतियों के माध्यम से उद्यमों का प्रदर्शन • इनक्यूबेशन केंद्रों, आकाओं (mentors) और स्टार्टअप नेटवर्क के साथ जुड़ना • बाहरी प्रतियोगिताओं, वित्तपोषण (funding) के अवसरों और भविष्य के मार्गों का अन्वेषण
वर्ष-अंत मील का पत्थर - विद्यार्थी वित्तीय अनुशासन, रणनीतिक योजना, बाज़ार की तत्परता और पेशेवर पिचिंग क्षमता का प्रदर्शन करते हैं।	**वर्ष-अंत मील का पत्थर -** विद्यार्थी उद्यम की परिपक्वता, पारिस्थितिकी तंत्र की जागरूकता, और इनक्यूबेशन, उच्च शिक्षा, रोजगार, या स्वतंत्र उद्यमिता में जाने की तत्परता का प्रदर्शन करते हैं।

फैसिलिटेटर के लिए दिशा-निर्देश

☞ **पूरक उपकरण-**विद्यार्थी निर्देशिका और शिक्षक निर्देशिका को पूरक उपकरणों (complementary tools) के रूप में लें।

☞ **समान शीर्षकों का संदर्भ लें-**शिक्षक निर्देशिका में उल्लिखित विस्तृत अवधारणा बॉक्स, केस स्टोरी, गतिविधियों और साप्ताहिक कार्यों के लिए, सुगमकर्ताओं को उसी अध्याय के अंतर्गत विद्यार्थी निर्देशिका में दिए गए समान शीर्षकों का संदर्भ लेना चाहिए।

☞ **विविध दृष्टिकोणों को प्रोत्साहित करें-**इस निर्देशिका में दिए गए सांकेतिक उत्तरों का उपयोग केवल मार्गदर्शन के लिए करें। विद्यार्थियों को विविध उत्तर और दृष्टिकोण साझा करने के लिए प्रोत्साहित करें।

☞ **औचित्य स्पष्ट करना -** यह निर्देशिका विषय के औचित्य (rationale) की व्याख्या करती है यह स्पष्ट करती है कि इस अवधारणा को अध्याय में क्यों शामिल किया गया है और यह समग्र अधिगम उद्देश्यों का समर्थन कैसे करती है।

☞ **पिछली कक्षा से जोड़ना (Connecting the Dots)-**निरंतरता बनाने और समझ को मजबूत करने के लिए पिछली कक्षा के संक्षिप्त पुनर्कथन (recap) के रूप में 'कड़ियों को जोड़ना' अनुभाग का उपयोग करें।

- ☞ **स्थानीय संदर्भ से जोड़ें -** अवधारणाओं को विद्यार्थियों के स्थानीय संदर्भ, दैनिक अनुभवों और सामुदायिक उदाहरणों से जोड़कर अधिगम को सार्थक बनाएं.
- ☞ **जिज्ञासा को बढ़ावा दें -** जिज्ञासा और गहन चिंतन (deeper thinking) को बढ़ावा देने के लिए कहानी सुनाने (storytelling), केस स्टोरी और परिदृश्यों (scenarios), तथा वास्तविक जीवन की समस्या-चर्चाओं का उपयोग करें।
- ☞ **स्पष्ट निर्देश -** विद्यार्थियों के शुरू करने से पहले स्पष्ट, चरण-दर-चरण निर्देश प्रदान करें और प्रत्येक गतिविधि का उद्देश्य समझाएं।
- ☞ **अवलोकन और भागीदारी -** समूह कार्य का सक्रिय रूप से अवलोकन करें और समावेशी तथा संतुलित भागीदारी सुनिश्चित करें।
- ☞ **गतिविधियों का अनुकूलन -** अधिगम के उद्देश्य को बदले बिना समय, कक्षा की गतिशीलता (classroom dynamics) और उपलब्ध संसाधनों के आधार पर गतिविधियों को अनुकूलित (adapt) करें।
- ☞ **प्रयासों की सराहना -** उद्यमशीलता की मानसिकता को पोषित करने के लिए छोटे प्रयासों, रचनात्मक विचारों और विद्यार्थियों की पहल की सराहना करें।
- ☞ **प्रक्रिया-आधारित मूल्यांकन -** प्रक्रिया-आधारित और अवलोकनात्मक मूल्यांकन (observational assessment) पर ध्यान केंद्रित करें। केवल सही उत्तरों की तुलना में भागीदारी, सहयोग, रचनात्मकता और चिंतन (reflection) अधिक महत्वपूर्ण हैं।
- ☞ **सत्र का समापन -** अधिगम को सुदृढ़ करने के लिए प्रत्येक सत्र का अंत एक संक्षिप्त चिंतन, मुख्य निष्कर्ष, या जीवन से जुड़ाव के साथ करें।

क्यूआर-सक्षम अधिगम संसाधन रूपरेखा (QR-Enabled Learning Resource Framework)

अध्याय के आरंभ में क्यूआर कोड	पिछली कक्षा से जोड़ना क्यूआर कोड	शिक्षक अंतर्दृष्टि मॉड्यूल - पुस्तक के अंत में
प्रत्येक अध्याय के आरंभ में एक क्यूआर कोड प्रदान किया गया है। यह क्यूआर कोड सीधे वर्तमान अध्याय से संबंधित संसाधनों से जुड़ता है।	दूसरा क्यूआर कोड 'कड़ियों को जोड़ना' अनुभाग के आरंभ में रखा गया है। यह शिक्षकों को निरंतरता और गहन समझ के लिए कक्षा की विद्यार्थी निर्देशिका (Class Student Manual) से संबंधित अध्याय का संदर्भ लेने में सक्षम बनाता है।	पुस्तक के अंत में, एक अतिरिक्त 'शिक्षक अंतर्दृष्टि मॉड्यूल' शामिल किया गया है। यह अनुभाग विस्तृत संसाधन प्रदान करता है, जैसे संदर्भ वीडियो, अनुशंसित पुस्तकें और पूरक पठन सामग्री। ये क्यूआर कोड और संसाधन अनुभाग निर्बाध शिक्षण-अधिगम एकीकरण (seamless teaching-learning integration) और उन्नत वैचारिक समझ में सहायता करने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं।

मूल्यांकन (Assessment)

(NEEEV) में मूल्यांकन विद्यार्थियों के अधिगम का अवलोकन करने, उसे रिकॉर्ड करने और उसमें सहायता करने की एक सतत प्रक्रिया (continuous process) है, ताकि उनका विकास दृश्यमान और मापने योग्य हो सके। यह फैसिलिटेटर (facilitator) को यह समझने में सहायता करता है कि विद्यार्थी किस प्रकार उद्यमशीलता कौशल विकसित कर रहे हैं, गतिविधियों में भाग ले रहे हैं और जो वे सीखते हैं उसे कैसे लागू कर रहे हैं। नियमित फीडबैक और दस्तावेज़ीकरण के माध्यम से, मूल्यांकन यह सुनिश्चित करता है कि कक्षा-कक्ष की गतिविधियाँ संरचित हों, पाठ्यक्रम के लक्ष्यों के अनुरूप हों, और सार्थक कौशल विकास पर केंद्रित हों।

मूल्यांकन के प्रकार (Types of Assessment)

1. **स्व-मूल्यांकन (Self-Assessment) -** अधिगम और विकास पर व्यक्तिगत चिंतन (personal reflection) के लिए। यह विद्यार्थी निर्देशिका के अंत में दिया गया है।
2. **सहकर्मी मूल्यांकन (Peer Assessment) -** टीम के साथियों के टीम वर्क और उनके योगदान का मूल्यांकन करने के लिए। यह भी विद्यार्थी निर्देशिका के अंत में दिया गया है।
3. **फैसिलिटेटर मूल्यांकन (Facilitator Assessment) -** पूरे वर्ष अवलोकनीय प्रगति (observable progress) को ट्रैक करने के लिए।

मानकीकृत मूल्यांकन प्रारूप शिक्षक निर्देशिका के अंत में संलग्न है और दस्तावेज़ीकरण तथा मूल्यांकन उद्देश्यों के लिए अनिवार्य रूप से इसका पालन किया जाना चाहिए।

मुख्य स्कूली विषयों के साथ अध्यायों का जुड़ाव

अध्याय 2- उद्यमियों की खोज – गुण, मिथक और तथ्य

- सामाजिक विज्ञान (नागरिक शास्त्र और अर्थशास्त्र)- आजीविका, समान अवसर और आर्थिक विकास में व्यक्तियों की भूमिका को समझना।
- भाषा (अंग्रेजी/हिंदी)- केस स्टडी (मामले का अध्ययन) पढ़ना, चिंतनशील लेखन, चर्चा और विचार व्यक्त करना।
- जीवन कौशल / सामाजिक-भावनात्मक शिक्षा (SEL)- आत्म-जागरूकता, लचीलापन , विकास की मानसिकता और आत्मविश्वास का निर्माण।
- नैतिक विज्ञान / मूल्य शिक्षा- रूढ़िवादिता को चुनौती देना, सहानुभूति और समान क्षमता में विश्वास।

अध्याय 3- उद्यमशीलता पारिस्थितिकी तंत्र – संरचना और कार्य

- सामाजिक विज्ञान (अर्थशास्त्र और भूगोल)- आर्थिक नेटवर्क, स्टार्टअप हब और क्षेत्रीय विकास।
- नागरिक शास्त्र- सरकार की भूमिका, सार्वजनिक नीतियां और संस्थागत सहायता।
- गणित- तार्किक वर्गीकरण (स्टार्टअप, वेंचर, बिजनेस) और संरचित तर्क।
- भाषा- केस व्याख्या, विश्लेषणात्मक स्पष्टीकरण और संरचित प्रतिक्रियाएं।

अध्याय 4- सोचने और निर्माण करने की कला

- विज्ञान- अवलोकन, प्रयोग और समस्या समाधान।
- गणित- तार्किक सोच और संरचित विचारों का मूल्यांकन।

- कला और डिज़ाइन- माइंड मैपिंग (मन का मानचित्रण), स्केचिंग और रचनात्मक पुनर्गठन।
- पर्यावरण अध्ययन- स्थिरता और जिम्मेदार संसाधन उपयोग (3P फ्रेमवर्क)।
- भाषा- विचार-मंथन , भूमिका निर्वहन और फीडबैक संचार।

अध्याय 5- मानसिकता की ताकत

- जीवन कौशल / SEL- विकास की मानसिकता , लचीलापन और भावनात्मक नियंत्रण।
- भाषा- चिंतनशील लेखन और व्यक्तिगत अभिव्यक्ति।
- शारीरिक शिक्षा / सह-पाठ्यचर्या संबंधी गतिविधियाँ- असफलताओं को संभालना, अनुशासन और दृढ़ता।
- नैतिक विज्ञान- प्रयास, जिम्मेदारी और सुधार के प्रति दृष्टिकोण।

अध्याय 6- हमारी टीम, हमारी ताकत

- नागरिक शास्त्र- लोकतांत्रिक भागीदारी और सम्मानजनक संवाद।
- भाषा- संचार, बातचीत और प्रस्तुति कौशल।
- जीवन कौशल / SEL- टीम वर्क, सहानुभूति और संघर्ष समाधान ।
- नैतिक विज्ञान- निष्पक्षता, साझा जिम्मेदारी और नैतिक सहयोग।

अध्याय 7- डिजिटल टूलकिट

- कंप्यूटर विज्ञान / आईटी- डिजिटल उपकरण, प्रौद्योगिकी का जिम्मेदार उपयोग और दस्तावेज़ीकरण।
- गणित- डेटा संगठन और बुनियादी ट्रैकिंग ।
- सामाजिक विज्ञान- प्रौद्योगिकी और आर्थिक परिवर्तन।
- भाषा- डिजिटल संचार और औपचारिक लेखन।

अध्याय 8- वित्तीय साक्षरता (व्यवसाय के लिए ईंधन)

- भाषा (अंग्रेजी/हिंदी)- व्यावसायिक शब्दावली, औपचारिक संचार और प्रस्तुतियाँ।
- वाणिज्य की नींव - बुनियादी व्यावसायिक शब्दावली और लेनदेन को समझना ।
- जीवन कौशल- अभिव्यक्ति में आत्मविश्वास और विचारों की स्पष्टता।

अध्याय 9- कानूनी साक्षरता और व्यावसायिक अनुपालन

- नागरिक शास्त्र / राजनीति विज्ञान- अधिकार, कर्तव्य और कानूनी प्रणालियाँ।
- अर्थशास्त्र- व्यावसायिक अनुपालन और नैतिक व्यापार प्रथाएं।
- नैतिक विज्ञान- ईमानदारी और जिम्मेदार आचरण।
- भाषा- कानूनी शब्दावली और संरचित व्याख्या को समझना।

अध्याय 01

NEEEV का परिचय

R4Q6V3

कालांश – 2

प्रत्येक बड़ा परिवर्तन एक साधारण विचार से शुरू होता है। जब उस विचार को ध्यान से देखने-समझने और सही सवाल पूछने के साथ आगे बढ़ाया जाता है तो वह उद्देश्यपूर्ण कार्य में बदल जाता है। यह अध्याय विद्यार्थियों को अपने आसपास की चीज़ों को ध्यान से देखने, अर्थपूर्ण प्रश्न पूछने और उद्देश्य के साथ काम करने के लिए प्रेरित करते हुए उद्यमी सोच से परिचित कराता है। वास्तविक जीवन की कहानियों, सरल अवधारणाओं और अनुभव आधारित गतिविधियों के माध्यम से यह अध्याय उद्यमिता को एक महत्वपूर्ण जीवन-कौशल के रूप में प्रस्तुत करता है। इससे समस्या-समाधान, रचनात्मकता, टीमवर्क, नैतिक निर्णय लेने की क्षमता और मूल्यों पर आधारित सोच को बढ़ावा मिलता है। NEP 2020 और NCFSE 2023 के अनुरूप, तथा कक्षा 8 से 12 के लिए गतिविधि-आधारित NEEEV योजना के माध्यम से लागू किया गया यह अध्याय विद्यार्थियों को सोचने से लेकर करने और फिर उस पर चिंतन करने तक की प्रक्रिया में मार्गदर्शन देता है। साथ ही, यह उन्हें उद्यमिता के पारिस्थितिकी तंत्र (Entrepreneurial Ecosystem) को समझने में भी मदद करता है। कुल मिलाकर, इसका उद्देश्य ऐसे आत्मविश्वासी और भविष्य के लिए तैयार विद्यार्थियों का विकास करना है जो समाज में मूल्य सृजन कर सकें और जिम्मेदार बदलाव लाने वाले बन सकें।

विद्यार्थियों से कहें कि वे दिए गए संवादों को पढ़ें और अपने साथी के साथ मिलकर NEEEV की आवश्यकता पर चर्चा करें।

औचित्य

- यह दर्शाता है कि शिक्षा की भूमिका बदल रही है जहाँ केवल अच्छे अंक ही नहीं बल्कि जीवन से जुड़े कौशल भी उतने ही महत्वपूर्ण हैं।
- आज के नवाचार-आधारित भारत में समस्या-समाधान, रचनात्मकता, टीमवर्क, संवाद कौशल और परिस्थितियों के अनुसार ढलने की क्षमता की आवश्यकता को रेखांकित करता है।
- वास्तविक जीवन के उदाहरणों और चर्चाओं के माध्यम से “करते हुए सीखने” की अवधारणा से विद्यार्थियों को परिचित कराता है।
- NEP 2020 और NCFSE 2023 के अनुरूप, अनुभव और क्षमता-आधारित सीखने को बढ़ावा देता है।
- यह बताता है कि NEEEV योजना कक्षा में होने वाली पढ़ाई को वास्तविक जीवन की चुनौतियों और अवसरों से कैसे जोड़ती है।
- विद्यार्थियों को अपने आसपास की समस्याओं को देखने, उनके समाधान के बारे में सोचने और दैनिक जीवन में पहल करने के लिए प्रेरित करता है।
- सीखने को सतत विकास लक्ष्यों (SDGs) और जिम्मेदार नागरिकता से जोड़ता है।
- ऐसे आत्मविश्वासी, जिम्मेदार और भविष्य के लिए तैयार विद्यार्थियों का विकास करने का उद्देश्य रखता है जो समाज के लिए मूल्य पैदा कर सकें और सार्थक योगदान दे सकें।

NEEEV का पूर्ण रूप है ‘उद्यमिता’ परिवेश एवं दृष्टिकोण का नवीन युग

यह नाम इस योजना के उद्देश्य को दर्शाता है— विद्यालय शिक्षा में उद्यमशील सोच, नवाचार और मूल्य सृजन का एक नया युग शुरू करना।

- **N** New
- **E** Era of
- **E** Entrepreneurial
- **E** Ecosystem &
- **V** Vision

NEEEV योजना के उद्देश्य

- विद्यार्थियों को ऐसे भविष्य के लिए तैयार करना जहाँ वे आत्मविश्वास से भरपूर, परिस्थितियों के अनुसार ढलने वाले हों और उच्च शिक्षा, रोजगार तथा उभरते अवसरों के लिए तैयार हों।
- विद्यालय आधारित एक मजबूत उद्यमशील वातावरण विकसित करना, जिसमें समुदाय, मार्गदर्शक (मेंटर्स), निवेशक, इनक्यूबेटर, ग्राहक, सरकारी सहयोग, वित्तीय संस्थाएँ और अन्य सहयोगी नेटवर्क शामिल हों।
- विद्यार्थियों में उद्यमशील सोच और 21वीं सदी के कौशल जैसे रचनात्मकता, पहल करने की क्षमता, सहयोग, नेतृत्व, समालोचनात्मक सोच, समस्या-समाधान और अन्य आवश्यक दक्षताओं का विकास करना।
- वित्तीय सहायता के साथ प्रोटोटाइप बनाना, परियोजना-आधारित सीखना, उद्यम शुरू करने के प्रयास और व्यावहारिक अनुभव के माध्यम से स्टार्टअप विकास का अनुभव प्राप्त करना।
- डिज़ाइन थिंकिंग की प्रक्रिया को अपनाना, समस्याओं की पहचान करना, समाधान के विचार सोचना, विचारों का नमूना (प्रोटोटाइप) बनाना, मॉडल को परखना और लगातार सुधार करना।
- बजट बनाना, लागत समझना, मूल्य तय करना, विपणन, मूल्य सृजन और सोच-समझकर निर्णय लेने जैसी प्रक्रियाओं के माध्यम से वित्तीय और व्यावसायिक समझ विकसित करना।
- तकनीक के जिम्मेदार उपयोग, नवाचारपूर्ण तरीकों, साइबर सुरक्षा और नैतिक डिजिटल व्यवहार के माध्यम से डिजिटल साक्षरता और एआई के प्रति समझ को मजबूत करना ताकि यह उनकी उद्यमशील यात्रा से जुड़ सके।

गतिविधि 1 आप क्या करेंगे?

निर्देश

विद्यार्थियों से कहें कि वे

- दी गई स्थिति को ध्यान से पढ़ें और अपने आप को उस स्थिति में कल्पना करें।
- 2–3 मिनट तक शांत होकर उस पर विचार करें।
- अब अपने सहपाठियों के साथ सक्रिय रूप से चर्चा करें और अपने विचार साझा करें।
- ऐसे संभावित समाधान पहचानें जिन्हें विद्यालय के भीतर ही किया जा सकता है।

चिंतन प्रश्न

प्रश्न 1. इस स्थिति में आपको कैसा महसूस होगा और आप आगे क्या करेंगे?

प्रश्न 2. क्या यह समस्या घर वापस गए बिना हल हो सकती है?

प्रश्न 3. हमारे आसपास ऐसी कौन-सी चीज़ें हैं जो मदद कर सकती हैं?

उद्यमशील सीख-अधिकतर लोग समस्या पर ही रुक जाते हैं जबकि उद्यमी संभावनाएँ खोजते हैं।

केस स्टोरी 1 एक छोटी समस्या से बड़ा विचार

निर्देश

- विद्यार्थियों से कहें कि वे कहानी को ध्यान से पढ़ें, उसमें समस्या–विचार–समाधान और मिले सहयोग (इकोसिस्टम) को पहचानें। फिर अपने साथी के साथ थोड़ी चर्चा करें और मुख्य बातों को साझा करें।
- अपने दैनिक जीवन की किसी समस्या के बारे में सोचें, उसके छोटे-छोटे उत्तर लिखें और कक्षा के साथ एक मुख्य सीख साझा करें।

चिंतन प्रश्न

प्रश्न 1. तिलक को कौन-सी छोटी समस्या का सामना करना पड़ा और उन्होंने उसे व्यापारिक विचार में कैसे बदला?

प्रश्न 2. तिलक के इकोसिस्टम में आपको कौन-सा सहयोग सबसे महत्वपूर्ण लगता है और क्यों?

संभावित उत्तर

- *डब्बावाले – डिलीवरी का मुख्य आधार।*
- *माता-पिता – सहयोग और मार्गदर्शन।*
- *मेंटर्स – योजना और रणनीति में मदद।*
- *निवेशक – धन और विस्तार में सहायता।*
- *ग्राहक – भरोसा और विकास।*

प्रश्न 3. अपने दैनिक जीवन में आने वाली किसी समस्या के बारे में सोचिए यदि सही सहयोग मिले तो वह एक अवसर कैसे बन सकती है?

समीक्षा

तिलक मेहता की यात्रा यह दिखाती है कि उद्यमिता की शुरुआत दैनिक जीवन की समस्याओं को ध्यान से देखने और उन्हें सार्थक समाधान में बदलने से होती है। इसमें सहयोग और समर्थन का महत्वपूर्ण योगदान होता है। यह भी स्पष्ट होता है कि एक मजबूत इकोसिस्टम विचारों को वास्तविक काम में बदलने में मदद करता है।

NEEEV के माध्यम से विद्यार्थियों को स्वतंत्र रूप से सोचने, पहल करने और आत्मविश्वास के साथ भविष्य के समस्या-समाधानकर्ता तथा जिम्मेदार परिवर्तनकारी नागरिक बनने के लिए प्रेरित किया जाता है।

NEEEV के बारे में

NEEEV – दृष्टि, मिशन और उद्देश्य

NEEEV एक विद्यालय-आधारित पहल है जिसका उद्देश्य विद्यार्थियों में उद्यमशील सोच, नवाचार और नेतृत्व कौशल विकसित करना है। यह योजना विद्यार्थियों को वास्तविक जीवन की समस्याओं की पहचान करने, रचनात्मक ढंग से सोचने और जिम्मेदार समाधान तैयार करने के लिए प्रेरित करती है ताकि वे भारत के आर्थिक और सामाजिक विकास में योगदान दे सकें।

दृष्टि (Vision)

ऐसे सशक्त, उद्यमशील और सामाजिक रूप से जागरूक नवाचारकर्ताओं की पीढ़ी तैयार करना जो भारत के आर्थिक भविष्य को आकार देने में सक्षम हो।

मिशन (Mission)

विद्यार्थियों में उद्यमशील कौशल, नवाचार और वास्तविक जीवन की समस्याओं को हल करने की क्षमता विकसित करना, साथ ही समावेशी और समान अवसरों वाले सीखने के वातावरण को बढ़ावा देना।

उद्देश्य (Aim)

विद्यालयों में भविष्य के लिए तैयार एक उद्यमशील वातावरण बनाना जहाँ विद्यार्थियों को व्यावहारिक कौशल, आत्मविश्वास और नेतृत्व गुणों से सशक्त बनाया जा सके।

NEEEV योजना के प्रमुख घटक

NEEEV पाठ्यक्रम

एक सुव्यवस्थित पाठ्यक्रम जो विद्यार्थियों को वास्तविक जीवन के संदर्भों के माध्यम से उद्यमिता की अवधारणाएँ, नवाचार, वित्तीय साक्षरता और समस्या-समाधान से परिचित कराता है।

NEEEV संवाद

उद्यमियों, उद्योग विशेषज्ञों और मार्गदर्शकों के साथ संवादात्मक सत्र, जो विद्यार्थियों को प्रेरित करते हैं और कक्षा में होने वाली पढ़ाई को वास्तविक जीवन के अनुभवों से जोड़ते हैं।

स्टार्टअप स्टोमर्स

एक मंच जहाँ विद्यार्थी अपने स्टार्टअप विचारों को विकसित कर सकते हैं, प्रस्तुत कर सकते हैं और उन्हें बेहतर बना सकते हैं। इससे रचनात्मकता, टीमवर्क और उद्यमशील आत्मविश्वास को बढ़ावा मिलता है।

विशेष कार्यशालाएँ

कौशल-आधारित कार्यशालाएँ जिनमें डिज़ाइन थिंकिंग, बिज़नेस योजना, संचार कौशल, नेतृत्व और डिजिटल कौशल पर ध्यान दिया जाता है।

उद्योग/ इनक्यूबेशन सेल भ्रमण

अनुभवात्मक सीखने के अवसर, जहाँ विद्यार्थी स्टार्टअप, उद्योगों और नवाचार केंद्रों का दौरा करते हैं।

तीन-स्तरीय नवाचार सहायता प्रणाली: SIC, ZIC, DIC

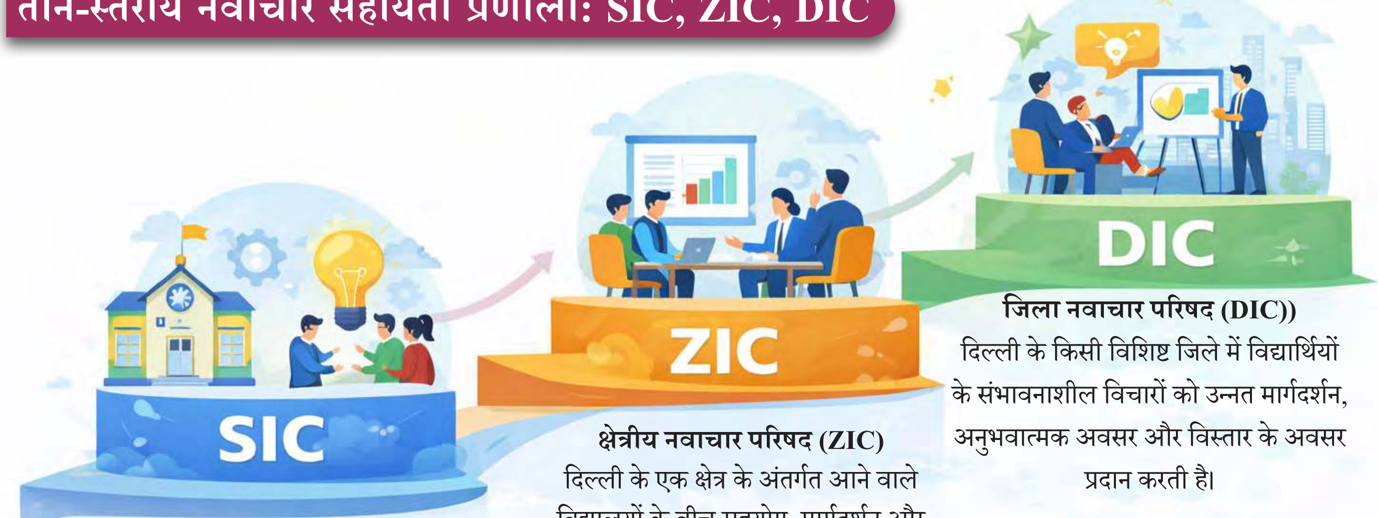

विद्यालय नवाचार परिषद (SIC)
विद्यालय स्तर पर विचार-सृजन और नवाचार को प्रोत्साहित करती है।

क्षेत्रीय नवाचार परिषद (ZIC)
दिल्ली के एक क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले विद्यालयों के बीच सहयोग, मार्गदर्शन और विचारों के परिष्कार को समर्थन प्रदान करती है।

जिला नवाचार परिषद (DIC))
दिल्ली के किसी विशिष्ट जिले में विद्यार्थियों के संभावनाशील विचारों को उन्नत मार्गदर्शन, अनुभवात्मक अवसर और विस्तार के अवसर प्रदान करती है।

पहचानो – प्रश्न करो – जोड़ो

साप्ताहिक कार्य

निर्देश

- विद्यार्थियों से कहें कि वे किसी एक ऐसी समस्या की पहचान करें जो बार-बार होती है और उसके बारे में संक्षेप में लिखें।
- उन्हें मार्गदर्शन दें कि वे क्यों / कैसे (Why / How) से शुरू होने वाला एक स्पष्ट प्रश्न बनाएँ और उसे किसी मौजूदा व्यवस्था या सेवा से जोड़कर सोचें।
- विद्यार्थियों को अपने विचार लिखने, इकोसिस्टम तालिका भरने और अगली कक्षा में साझा करने के लिए तैयार रहने को कहें।
- साथ ही विद्यार्थियों को उद्यमिता के अलग-अलग क्षेत्रों के बारे में खोज करने और अपनी जानकारी अगली कक्षा में लाने के लिए प्रेरित करें।

अपने उत्तर लिखिए।

प्रश्न 1. समस्या क्या है?

प्रश्न 2. यह समस्या किसे होती है और कितनी बार होती है?

उद्यमी की तरह सोचें

प्रश्न 1. अपना प्रश्न लिखिए (यह Why / How से शुरू होना चाहिए)

प्रश्न 2. इस समस्या को आसानी से या जल्दी कैसे हल किया जा सकता है?

प्रश्न 3. क्या कोई व्यक्ति, समूह या सेवा है जो ऐसी ही समस्या का समाधान करती है?

इकोसिस्टम तालिका (उदाहरण विचार) सिर्फ़ संदर्भ के लिए

इकोसिस्टम से जुड़ा व्यक्ति/समूह	वे कैसे मदद कर सकते हैं
• परिवार	• प्रोत्साहन और सुझाव दे सकते हैं।
• शिक्षक / मेंटर	• मार्गदर्शन और स्वीकृति दे सकते हैं।
• मौजूदा सेवाएँ	• समाधान लागू करने के लिए साधन या व्यवस्था प्रदान कर सकती हैं
• उपयोगकर्ता / विद्यार्थी	• विचारों को परख सकते हैं और अपनी प्रतिक्रिया दे सकते हैं।

अपेक्षित सीख- *विद्यार्थी यह समझते हैं कि दैनिक जीवन की समस्याएँ भी अवसर बन सकती हैं। वे यह भी सीखते हैं कि सही प्रश्न पूछना, उपलब्ध संसाधनों को जोड़ना और इकोसिस्टम के सहयोग का उपयोग करना किसी समाधान को सफल बनाने में बहुत महत्वपूर्ण होता है।*

अध्याय 02

उद्यमियों की खोज - लक्षण, मिथक और तथ्य

K7Z2T1

कालांश – 3

सीखने के उद्देश्य

- प्रमुख उद्यमशील गुणों की पहचान और उनका अर्थ समझना जैसे कि जिज्ञासा, सहानुभूति, रचनात्मकता, जोखिम लेने की क्षमता और दृढ़ता।
- उद्यमियों और उद्यमशीलता से जुड़े सामान्य मिथकों और वास्तविक तथ्यों का विश्लेषण करना।
- वास्तविक जीवन की स्थितियों को अपने व्यक्तिगत अनुभवों से जोड़कर यह समझ विकसित करना कि उद्यमशीलता एक सोच भी होती है।

पूर्व ज्ञान से जोड़ें

Y9B6L1

कक्षा 8 में विद्यार्थियों ने -

- यह जाना कि उद्यमी कौन होते हैं और समाज में पाए जाने वाले विभिन्न प्रकार के उद्यमियों के बारे में सीखा।
- नवाचार और उद्यमशीलता के बीच संबंध को समझा और यह जाना कि नए विचार कैसे सार्थक बदलाव लाते हैं।
- व्यवसाय और उद्यमशीलता के बीच अंतर सीखा।
- यह पहचाना कि उद्यमशीलता केवल लाभ कमाने के बारे में नहीं है, बल्कि रचनात्मकता, पहल और समस्या-समाधान के माध्यम से मूल्य निर्माण करने के बारे में भी है।
- इससे विद्यार्थियों को यह समझने में मदद मिली कि उद्यमी समाज में बदलाव लाने वाले लोग होते हैं, जो समाज की जरूरतों और अवसरों के अनुसार काम करते हैं।

अध्याय विवरण

इस अध्याय में विद्यार्थियों को उद्यमशीलता के बारे में बताया गया है। इसमें वे समझते हैं कि उद्यमी कौन होते हैं और वे वास्तविक जीवन की परिस्थितियों में कैसे सोचते और कार्य करते हैं। यह अध्याय इस धारणा से आगे बढ़ता है कि उद्यमशीलता केवल व्यवसाय शुरू करने तक ही सीमित नहीं है, बल्कि यह एक सोच है जिसमें समस्या-समाधान, रचनात्मकता और जिम्मेदार निर्णय लेना शामिल होता है।

अध्याय की शुरुआत उद्यमियों से जुड़ी सामान्य धारणाओं पर चर्चा से होती है और यह समझने की कोशिश की जाती है कि इनमें से कौन-सी बातें मिथक हैं और कौन-सी तथ्य। सरल उदाहरणों और कक्षा में होने वाली चर्चाओं के माध्यम से विद्यार्थी यह समझते हैं कि उद्यमी केवल पैसे, पारिवारिक पृष्ठभूमि या विशेष प्रतिभा से तय नहीं होते। बल्कि उद्यमशीलता ऐसे गुणों से बनती है जिन्हें सीखा जा सकता है, जैसे जिज्ञासा, सहानुभूति, दृढ़ता और नए विचारों को आज़माने की इच्छा।

इसके बाद विद्यार्थियों को महत्वपूर्ण उद्यमी गुणों से परिचित कराया जाता है और यह भी समझाया जाता है कि ये गुण स्कूल, घर और समुदाय की रोज़मर्रा की परिस्थितियों में कैसे दिखाई देते हैं। विभिन्न गतिविधियों और उदाहरणों के माध्यम से विद्यार्थी इन गुणों

को वास्तविक कार्यों से जोड़कर समझते हैं और यह भी सीखते हैं कि चुनौतियाँ और असफलताएँ सीखने और सुधार के अवसर बन सकती हैं।

अध्याय के अंत तक विद्यार्थियों को उद्यमशीलता की स्पष्ट और व्यावहारिक समझ हो जाती है और वे आगे के अध्यायों तथा अपने वास्तविक जीवन में उद्यमशील सोच को लागू करने के लिए तैयार हो जाते हैं।

अध्याय का औचित्य

बहुत से विद्यार्थी यह मानते हैं कि उद्यमशीलता केवल अमीर, बहुत अधिक शिक्षित या असाधारण प्रतिभा वाले लोगों के लिए होती है। ऐसी गलत धारणाएँ विद्यार्थियों को प्रयास करने से रोकती हैं और उनके आत्मविश्वास को कम करती हैं।

इस अध्याय का उद्देश्य इन मिथकों को शुरू में ही दूर करना और उद्यमशीलता को एक सीखी जा सकने वाली सोच के रूप में प्रस्तुत करना है।

गुणों, आत्मचिंतन और वास्तविक जीवन से जुड़े उदाहरणों पर ध्यान देकर यह अध्याय विद्यार्थियों में आत्मविश्वास विकसित करता है और उन्हें यह समझने के लिए प्रेरित करता है कि वे भी समस्याओं का समाधान करने वाले और बदलाव लाने वाले व्यक्ति बन सकते हैं।

एसडीजी और एनईपी से जुड़ना 2020

अध्याय का केंद्र बिंदु	संरेखित एस डी जी (SDGs)	अध्याय एस डी जी (SDGs) का समर्थन कैसे करता है	एन ई पी (NEP) 2020 के साथ संरेखण
1 गतिविधियाँ, केस स्टडी और चिंतन आधारित कार्य	4 QUALITY EDUCATION गतिविधियाँ, केस स्टडी और चिंतन आधारित कार्य SDG 4 – गुणवत्तापूर्ण शिक्षा	अनुभव के माध्यम से सीखना, आत्मचिंतन और कौशल विकास को प्रोत्साहित करता है	अनुभवात्मक अधिगम
2 यह विश्वास विकसित करना कि सभी विद्यार्थी उद्यमी बन सकते हैं	5 GENDER EQUALITY SDG 5 – लैंगिक समानता	व्यवसाय में महिलाओं से जुड़े मिथकों को तोड़ना (जैसे कल्पना सरोज का उदाहरण)	समानता और समावेशन
3 उद्यमशीलता को मूल्य निर्माण के रूप में समझना	8 DECENT WORK AND ECONOMIC GROWTH SDG 8 – सम्मानजनक कार्य और आर्थिक विकास	उद्यमशीलता को मूल्य निर्माण के रूप में समझना	कौशल विकास
4 उद्यमशीलता को जिम्मेदार और मूल्य आधारित कार्य के रूप में समझना	9 INDUSTRY, INNOVATION AND INFRASTRUCTURE SDG 12 – जिम्मेदार उपभोग	उद्यमशीलता को जिम्मेदार और मूल्य आधारित कार्य के रूप में समझना	आलोचनात्मक सोच

2.1 उद्यमी – वास्तव में कौन हैं?

फैसिलिटेटर के लिए निर्देश

- विद्यार्थियों द्वारा संचालित स्कूल मेले की स्थिति से परिचित कराएँ।
- कहानी सुनाएँ और इसमें तीन अलग-अलग विद्यार्थियों की प्रतिक्रियाओं को स्पष्ट रूप से बताएँ।
- विद्यार्थियों से पूछें कि उनके मन में क्या विचार चल रहे थे, उन्हें पहचानने के लिए कहें।
- एक छोटा समूह गतिविधि कराएँ – किसी सीमित सोच को कार्य-उन्मुख कथन में बदलें।

- विद्यार्थियों से कहें कि वे अपने पास उपलब्ध संसाधनों का उपयोग करके शुरू की जा सकने वाली एक छोटी-सी योजना लिखें।

समीक्षा

- विद्यार्थियों से चर्चा करें कि हमारे विचार हमारे कार्यों और परिणामों को कैसे प्रभावित करते हैं।
- स्थिर सोच और विकासशील सोच के बीच अंतर की तुलना करें।
- इस बात पर जोर दें कि सीखना, आत्मविश्वास और अनुभव भी महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ हैं।
- यह भी स्पष्ट करें कि सफलता केवल लाभ कमाने तक सीमित नहीं होती, बल्कि सीखने और विकास से भी जुड़ी होती है।

सीखे गए उद्यमशीलता कौशल

पहल करना और जोखिम लेने की क्षमता, समस्या-समाधान और उपलब्ध संसाधनों का सही उपयोग करना, दृढ़ता रखना और चुनौतियों से सीखना, कार्य करके आत्मविश्वास विकसित करना, निर्णय लेने की क्षमता विकसित करना

फैसिलिटेटर के लिए सुझाव

- उद्यमशीलता केवल प्रतिभा या पैसे पर निर्भर नहीं होती, बल्कि यह एक सोच (माइंडसेट) होती है।
- विद्यार्थियों को छोटे स्तर से शुरुआत करने और नए प्रयोग करने के लिए प्रोत्साहित करें।
- यह समझाएँ कि डर और झिझक सीखने की प्रक्रिया का सामान्य हिस्सा हैं।
- इस बात पर जोर दें कि लगातार प्रयास और कार्य करने से समय के साथ आत्मविश्वास और क्षमता दोनों विकसित होते हैं।

केस स्टोरी — स्केच से स्टार्टअप तक – एक्वाटैप की कहानी

फैसिलिटेटर के लिए निर्देश

कहानी को धीरे-धीरे सुनाएँ और बीच-बीच में रुककर विद्यार्थियों से प्रश्न पूछें

- विद्यार्थियों ने कौन-सी समस्या देखी थी?
- लोग नलों (टैप) का उपयोग करने से क्यों बचते थे?
- सहानुभूति (Empathy) ने समाधान बनाने में कैसे मदद की?

फैसिलिटेशन नोट - विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करें कि वे इस उदाहरण को अपने आसपास की पानी की सुविधाओं (जैसे स्कूल, घर या समुदाय में लगे नल/पानी की व्यवस्था) से जोड़कर सोचें।

समीक्षा-

- सफल विचार अक्सर सहानुभूति और ध्यानपूर्वक अवलोकन से शुरू होते हैं।
- जब हम उपयोगकर्ताओं (Users) की जरूरतों को समझते हैं, तो समाधान पर उनका भरोसा बढ़ता है।
- अच्छे विचार परीक्षण (Testing), प्रतिक्रिया (Feedback) और सुधार (Improvement) की प्रक्रिया से आगे बढ़ते और बेहतर बनते हैं।

सीखे गए उद्यमशीलता कौशल

समस्याओं का अवलोकन करना और उनकी पहचान करना • सहानुभूति के माध्यम से उपयोगकर्ताओं को समझना • समाधान के विचार उत्पन्न करना और उन्हें डिज़ाइन करना • उपयोगकर्ताओं या हितधारकों के साथ विश्वास बनाना • बार-बार परीक्षण, प्रतिक्रिया और सुधार के माध्यम से विचारों को बेहतर बनाना

फैसिलिटेटर के लिए सुझाव

- अच्छे विचारों की शुरुआत लोगों की जरूरतों को समझने से होती है।
- प्रतिक्रिया के माध्यम से समाधान लगातार बेहतर होते जाते हैं।

गतिविधि 2.1.1 उद्यमियों के बारे में मिथक और तथ्य

फैसिलिटेटर के लिए निर्देश

प्रत्येक मिथक को ज़ोर से पढ़ें। विद्यार्थियों से पूछें कि वे सहमत हैं या असहमत, और अपने कारण भी बताएँ। उसके बाद ही सही तथ्य साझा करें। चर्चा को खुला और सक्रिय रखें।

नोट: तुरंत उत्तर न बताएं। विद्यार्थियों को एक-दूसरे के विचारों को चुनौती देने और चर्चा करने का अवसर दें।

समीक्षा

- उद्यमियों के बारे में कई सामान्य धारणाएँ मिथक होती हैं।
- उद्यमी कौशल सीखे और विकसित किए जा सकते हैं।
- असफलता सीखने का अवसर है, यह अंत नहीं है।
- उद्यमी अक्सर टीमवर्क और सहयोग के माध्यम से सफल होते हैं।

सीखे गए उद्यमशीलता कौशल

आलोचनात्मक सोच विकसित करना, सामान्य धारणाओं पर प्रश्न करना, विकासशील सोच विकसित करना, विविधता और समावेशन के प्रति जागरूक होना, टीम में विचारों पर चर्चा करना और दूसरों के दृष्टिकोण को ध्यान से सुनना

फैसिलिटेटर के लिए सुझाव

- कौशल सीखे जाते हैं, जन्म से नहीं मिलते।
- मिथक सोच को सीमित करते हैं, जबकि तथ्य हमें कार्य करने के लिए प्रेरित करते हैं।

मिथकों पर पुनर्विचार – वास्तविक उद्यमियों से सीख

साप्ताहिक कार्य

फैसिलिटेटर के लिए निर्देश

- शुरुआत में कक्षा में चर्चा किए गए मुख्य मिथकों और तथ्यों को संक्षेप में दोहराएँ।
- विद्यार्थियों को याद दिलाएँ कि यह व्यक्तिगत चिंतन का कार्य है, कोई परीक्षा नहीं।
- उन्हें ईमानदारी से यह सोचने के लिए प्रोत्साहित करें कि वे पहले क्या मानते थे और क्यों।
- विद्यार्थियों को उत्तर लिखते समय वास्तविक उदाहरणों का संदर्भ देने के लिए मार्गदर्शन करें (विशेष रूप से कल्पना सरोज की यात्रा)।

2.2 उद्यमशीलता के गुणों को समझना

विद्यार्थियों से कहें कि वे स्टूडेंट मैनुअल में दिए गए उद्यमी गुणों को पढ़ें और इस पर विचार करें कि ये गुण किसी व्यक्ति को समस्याओं की पहचान करने और उपयोगी समाधान बनाने में कैसे मदद कर सकते हैं। इसके बाद गतिविधि शुरू करें।

गतिविधि 2.2.1 उद्यमशीलता के गुणों को पहचाने

फैसिलिटेटर के लिए निर्देश

सबसे पहले विद्यार्थियों से कहें कि वे व्यक्तिगत रूप से गुणों की पहचान करें। इसके बाद वे जोड़ी बनाकर अपने उत्तरों पर चर्चा करें। चर्चा के बाद बोर्ड पर सही गुण लिखें और पूरी कक्षा के साथ उन्हें समझाएँ।

नोट - इस बात पर जोर दें कि उद्यमशील गुण छोटी-छोटी गतिविधियों और व्यवहार में भी दिखाई देते हैं।

समीक्षा -

- उद्यमशील गुणों को वास्तविक जीवन के कार्यों में पहचाना जा सकता है।
- किसी एक स्थिति में एक से अधिक गुण लागू हो सकते हैं।
- कारण बताना केवल सही उत्तर देने से अधिक महत्वपूर्ण है।

सीखे जाने वाले उद्यमशील कौशल

विश्लेषणात्मक सोच विकसित करना, पैटर्न पहचानना, अपने विचारों को तर्क के साथ समझाना, सीखी हुई अवधारणाओं को वास्तविक जीवन की परिस्थितियों में लागू करना

फैसिलिटेटर के लिए सुझाव

- एक स्थिति में एक से अधिक गुण लागू हो सकते हैं।
- सही उत्तर से अधिक महत्वपूर्ण है उसका स्पष्ट और तर्कपूर्ण स्पष्टीकरण।

व्यवहार में उद्यमशीलता के गुणों की पहचान

साप्ताहिक कार्य

फैसिलिटेटर के लिए निर्देश

- कार्य की शुरुआत यह समझाकर करें कि उद्यमशीलता केवल व्यवसाय तक सीमित नहीं है, बल्कि यह रोज़मर्रा के जीवन से शुरू होती है।
- विद्यार्थियों से कहें कि वे स्कूल, घर या अपने पड़ोस की छोटी-छोटी वास्तविक परिस्थितियों के बारे में सोचें।
- विद्यार्थियों को स्पष्ट रूप से निम्न बातों का वर्णन करने के लिए मार्गदर्शन दें:
  1. समस्या या चुनौती क्या थी?
  2. उस स्थिति में क्या कार्य किया गया?
  3. उस कार्य में कौन-सा उद्यमी गुण दिखाई देता है?
- उन्हें याद दिलाएँ कि वे केवल एक प्रमुख गुण चुनें और उसका संक्षेप में कारण भी लिखें।
- लिखते समय उन्हें सोच-समझकर चिंतन करने के लिए प्रोत्साहित करें कि यह गुण भविष्य में उनकी कैसे मदद कर सकता है।

2.3 एक उद्यमी के रूप में ख़ुद को समझना

गतिविधि 2.3.1 मेरा उद्यमशील स्वरूप

फैसिलिटेटर के लिए निर्देश

इस गतिविधि के लिए विद्यार्थियों को शांत वातावरण में सोचने और लिखने का समय दें, क्योंकि यह एक व्यक्तिगत गतिविधि है। यदि विद्यार्थी चाहें तभी उन्हें अपने विचार साझा करने के लिए प्रोत्साहित करें।

फैसिलिटेशन नोट

1. ईमानदार आत्म-मूल्यांकन के लिए कक्षा में निष्पक्ष और बिना आलोचना वाला वातावरण बनाएँ।

सीखे गए उद्यमशीलता कौशल

ईमानदार आत्म-मूल्यांकन, अपनी ताकतों की पहचान करना, विकासशील सोच विकसित करना, छोटे कार्यों की योजना बनाना

फैसिलिटेटर के लिए सुझाव

1. यहाँ कोई सही या गलत उत्तर नहीं है।
2. विकास एक व्यक्तिगत प्रक्रिया है।

स्वच्छ बदलाव के चैंपियन

साप्ताहिक कार्य

फैसिलिटेटर के लिए निर्देश

- स्थिति को जोर से और स्पष्ट तरीके से पढ़ें, विशेष रूप से आरुषि के कार्यों पर ध्यान देते हुए।
- विद्यार्थियों से पहले समस्या को स्पष्ट रूप से पहचानने के लिए कहें (जैसे - एक ही डस्टबिन में मिला-जुला कचरा)। उन्हें एक पूर्ण वाक्य में उत्तर लिखने के लिए मार्गदर्शन दें।
- इसके बाद विद्यार्थियों की मदद करें कि वे आरुषि द्वारा दिखाए गए उद्यमी गुण की पहचान करें (जैसे – पहल, नेतृत्व, दृढ़ता, जिम्मेदारी या समस्या-समाधान)। उन्हें एक मुख्य गुण चुनने के लिए प्रेरित करें।
- एक छोटी चर्चा कराएँ कि उसके कार्यों से पूरी कक्षा पर क्या सकारात्मक प्रभाव पड़ा – जैसे - स्वच्छ वातावरण, जागरूकता, टीमवर्क और बेहतर आदतें)

अनुपूरक संसाधन सामग्री

1. https://www.youtube.com/watch?v=-JfQvYLveGA
2. https://www.jagran.com/business/biz-richest-self-made-indian-woman-falguni-nayar-nykaa-founder-success-story-40088552.html

अध्याय 03

उद्यमशीलता पारिस्थितिकी तंत्र - संरचना और कार्यप्रणाली

I2U1I4

कालांश – 3

सीखने के उद्देश्य

- उद्यमशील पारिस्थितिकी तंत्र (Entrepreneurial Ecosystem) के प्रमुख भागीदारों की पहचान करना और समझना कि वे एक-दूसरे को कैसे सहयोग प्रदान करते हैं।
- उदाहरणों की सहायता से स्टार्टअप, वेंचर और व्यवसाय के बीच अंतर स्पष्ट करना।
- यह वर्णन करना कि भारत के विभिन्न शहर और क्षेत्र किस प्रकार उद्यमशील पारिस्थितिकी तंत्र के रूप में कार्य करते हैं।

पूर्व ज्ञान से जोड़ें

H4R7R5

कक्षा 8 में विद्यार्थियों ने -

- कक्षा 8 में, 'उद्यमशील पारिस्थितिकी तंत्र' विषय के अंतर्गत, विद्यार्थियों ने यह समझा था कि उद्यमी अकेले कार्य नहीं करते हैं।
- उन्होंने इस विचार को जाना कि प्रत्येक उद्यमी एक ऐसे पारिस्थितिकी तंत्र के भीतर काम करता है जिसमें शामिल हैं: ग्राहक, आपूर्तिकर्ता, सरकारी निकाय, वित्तीय संस्थान, मार्गदर्शक और समुदाय।
- विद्यार्थियों ने यह पहचाना कि उद्यमशीलता कोई अलग-थलग की जाने वाली गतिविधि नहीं है, बल्कि यह कई व्यक्तियों और संस्थाओं के सहयोग से चलने वाली एक साझा प्रक्रिया है।

अध्याय विवरण

अध्याय 2 में, विद्यार्थियों ने एक व्यक्ति के रूप में 'उद्यमी' पर ध्यान केंद्रित करते हुए उद्यमशीलता का अन्वेषण किया। उन्होंने सीखा कि उद्यमियों की पहचान धन, पृष्ठभूमि या किसी विशेष जन्मजात प्रतिभा से नहीं, बल्कि उनके गुणों जैसे—जिज्ञासा, सहानुभूति, रचनात्मकता, लचीलापन और पहल करने की इच्छा से होती है। कहानियों, गतिविधियों और आत्म-चिंतन के माध्यम से, विद्यार्थियों ने समझा कि कैसे वास्तविक जीवन की समस्याओं को विचारों में बदला जा सकता है और कैसे ये विचार सीखने, प्रयास और दृढ़ता के माध्यम से विकसित होते हैं। इस अध्याय ने विद्यार्थियों को यह पहचानने में मदद की कि उद्यमी सोच एक ऐसी मानसिकता है जिसे सीखा जा सकता है और कोई भी इस यात्रा को शुरू कर सकता है।

यह अध्याय 'उद्यमशील पारिस्थितिकी तंत्र' की अवधारणा प्रस्तुत करता है, जिससे विद्यार्थियों को यह समझने में मदद मिलेगी कि कोई भी विचार एकांत या अकेले में विकसित नहीं होता है। जिस प्रकार एक उद्यमी को विशिष्ट गुणों और प्रेरणा की आवश्यकता होती है, उसी प्रकार उन्हें ग्राहकों, निवेशकों, मार्गदर्शकों, इनक्यूबेटर्स, सरकारी नीतियों, बाजारों और तकनीक के समर्थन की भी आवश्यकता होती है।

'सेवा' (SEWA) की प्रेरक कहानी, तीन मित्रों के एक प्रासंगिक केस स्टडी, मिलान गतिविधियों और चिंतन अभ्यासों के माध्यम से, विद्यार्थी यह समझेंगे कि उद्यमशीलता को विभिन्न नेटवर्कों का समर्थन प्राप्त होता है। यह अध्याय 'स्टार्टअप' से 'उद्यम' और फिर 'व्यवसाय' तक की प्रगति को भी स्पष्ट करता है और यह रेखांकित करता है कि भारत के 'स्टार्टअप हब' एक सुदृढ़ पारिस्थितिकी तंत्र के सहयोग के कारण किस प्रकार कार्य करते हैं।

अध्याय का औचित्य

कक्षा 9 के स्तर पर, विद्यार्थी अपने संज्ञानात्मक और भावनात्मक विकास के एक महत्वपूर्ण चरण में होते हैं, जहाँ वे पूर्व धारणाओं पर प्रश्न करना, आत्मविश्वास विकसित करना और भविष्य की संभावनाओं को तलाशना शुरू करते हैं। यह अध्याय विद्यार्थियों को यह समझने में मदद करने के लिए तैयार किया गया है कि उद्यमशीलता कोई दूरगामी या केवल विशिष्ट वर्ग की गतिविधि नहीं है, बल्कि यह दैनिक सोच और व्यवहार पर आधारित एक यथार्थवादी और प्राप्य मार्ग है। विशिष्ट गुणों, भ्रांतियों और वास्तविक तथ्यों पर ध्यान केंद्रित करके, यह अध्याय उन सामान्य भयों और गलतफहमियों को दूर करता है जो अक्सर विद्यार्थियों को पहल करने या नए विचारों को आज़माने से रोकते हैं।

यह अध्याय टीम वर्क (सामूहिक कार्य), समस्या समाधान और विचार विकास के लिए एक मजबूत आधार तैयार करके 'नींव' (NEEEV) ढांचे के अंतर्गत भविष्य की सीख के लिए विद्यार्थियों को तैयार करता है। उद्यमी कौन हैं और वे कैसे आगे बढ़ते हैं, इसकी समझ विद्यार्थियों को उद्यमी पारिस्थितिकी तंत्र, नवाचार और उद्यम विकास पर आने वाले अध्यायों के साथ बेहतर ढंग से जुड़ने में सक्षम बनाती है। समग्र रूप से, यह अध्याय अनुभवात्मक अधिगम, समावेशिता, आलोचनात्मक सोच और भविष्य के करियर तथा जिम्मेदार नागरिकता की तैयारी को बढ़ावा देकर राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 और NCFSE 2023 के लक्ष्यों का समर्थन करता है।

सतत विकास लक्ष्य (SDG) और राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 के साथ संरेखण

अध्याय का केंद्र बिंदु	संरेखित एस डी जी (SDGs)	अध्याय एस डी जी (SDGs) का समर्थन कैसे करता है	एन ई पी (NEP) 2020 के साथ संरेखण
1 वास्तविक जीवन के पारिस्थितिकी तंत्र पर आधारित गतिविधियाँ	SDG 4 – गुणवत्तापूर्ण शिक्षा	अवलोकन, केस स्टडी (वृत्त अध्ययन) और चिंतन के माध्यम से सीखना	अनुभवात्मक अधिगम
2 उद्यमशीलता में महिलाओं की भूमिका को पहचानना	SDG 5 – लैंगिक समानता	'सेवा' (SEWA) महिला-नेतृत्व वाले पारिस्थितिकी तंत्र का एक उदाहरण है	समता और समावेश
3 स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र और चरणों को समझना	SDG 8 – सम्मानजनक कार्य और आर्थिक विकास	यह समझना कि पारिस्थितिकी तंत्र किस प्रकार उद्यम की वृद्धि को बढ़ावा देते हैं	कौशल विकास
4 यह विश्लेषण करना कि कुछ शहर 'हब' क्यों बनते हैं	SDG 9 – उद्योग, नवाचार और बुनियादी ढांचा	स्टार्टअप हब और इनक्यूबेटर्स की भूमिका	आलोचनात्मक सोच

3.1 उद्यमशील पारिस्थितिकी तंत्र

प्रेरक सीख सेवा

विद्यार्थियों को 'सेवा' (SEWA) के बारे में पढ़ने के लिए कहें और उनसे पूछें कि किस प्रकार एकता और सहयोग छोटे कामगारों को आगे बढ़ने में मदद करते हैं।

समीक्षा

1. उद्यमशीलता केवल व्यक्तिगत नहीं, बल्कि सामूहिक और समुदाय-आधारित भी हो सकती है।
2. एक मजबूत पारिस्थितिकी तंत्र सीमित संसाधनों वाले लोगों की सहायता कर सकता है।
3. समावेशिता, सहयोग और साझा उद्देश्य दीर्घकालिक प्रभाव डाल सकते हैं।
4. सामाजिक उद्यमशीलता, आर्थिक विकास और कार्य की गरिमा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

सीखे गए उद्यमशीलता कौशल

सामाजिक उद्यमशीलता को समझना, सामूहिक नेतृत्व का अभ्यास करना, समावेशिता और समानता के प्रति जागरूकता विकसित करना, समुदाय-आधारित समस्या समाधान में संलग्न होना, तथा नैतिक और मूल्य-आधारित सोच को लागू करना।

फैसिलिटेटर के लिए सुझाव

- ☞ इस बात पर बल दें कि उद्यमशीलता केवल व्यक्तिगत नहीं, बल्कि सामूहिक और समुदाय-आधारित भी हो सकती है।
- ☞ समझाएं कि 'सेवा' जैसे संगठन किस प्रकार एक सहायक पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण करते हैं, जो कामगारों को अवसरों, संसाधनों और निष्पक्ष कार्य स्थितियों तक पहुँचने में मदद करता है।
- ☞ विद्यार्थियों को इस बात पर चिंतन करने के लिए प्रोत्साहित करें कि कैसे एकता, सहयोग और साझा समर्थन छोटे कामगारों को विकसित होने और एक साथ मजबूत बनने में मदद करते हैं।
- ☞ इस बात को रेखांकित करें कि उद्यमशीलता सामाजिक प्रभाव, कार्य की गरिमा और समावेशी आर्थिक विकास का सृजन कर सकती है।

केस स्टोरी — क्या सभी व्यवसाय एक जैसे होते हैं?

फैसिलिटेटर के लिए निर्देश

- ☞ कहानी को ज़ोर से पढ़ें और विद्यार्थियों से तीन अलग-अलग प्रकार के उद्यमी प्रयासों की पहचान करने के लिए कहें।
- ☞ वर्गीकरण करने में उनका मार्गदर्शन करें: छोटा उद्यम, स्टार्टअप विचार, और स्थापित पारिवारिक व्यवसाय।
- ☞ विद्यार्थियों से यह नोट करने के लिए कहें कि प्रत्येक उद्यम किस प्रकार अलग-अलग प्रकार के सहयोग पर निर्भर करता है।

समीक्षा

- ☞ चर्चा करें कि फलक, समीर और अर्जन उद्यमशीलता के विभिन्न चरणों का प्रतिनिधित्व कैसे करते हैं।
- ☞ प्रश्न पूछें - एक 'स्टार्टअप' एक लंबे समय से चल रहे व्यवसाय से किस प्रकार भिन्न होता है?
- ☞ तीनों ही मामलों में परिवार, ग्राहकों और समुदाय की भूमिका को रेखांकित करें।
- ☞ 'उद्यमशील पारिस्थितिकी तंत्र' शब्द का परिचय दें और इसे सरल शब्दों में समझाएं।

सीखे गए उद्यमशीलता कौशल

उद्यम के चरणों को समझना, विचार सृजन और नवाचार, दीर्घकालिक विश्वास और निरंतरता का महत्व, सहायता प्रणालियों के प्रति जागरूकता और रणनीतिक सोच।

फैसिलिटेटर के लिए सुझाव

- उद्यमशीलता विभिन्न रूपों और चरणों में मौजूद होती है।
- कोई भी उद्यम अकेले विकसित नहीं होता-सहायता प्रणालियाँ बहुत महत्वपूर्ण होती हैं।
- विश्वास, नवाचार और छोटी शुरुआत, ये सभी सफलता में योगदान देते हैं।
- विद्यार्थियों को किसी भी उद्यम के आस-पास मौजूद 'पारिस्थितिकी तंत्र' को पहचानने के लिए प्रोत्साहित करें।

गतिविधि 3.1.1 उद्यमी सहयोग तंत्र को समझना

इसे पढ़ें और एक मिलान गतिविधि के रूप में संचालित करें। विद्यार्थियों को पहले व्यक्तिगत रूप से प्रयास करने दें, फिर सामूहिक रूप से उत्तरों पर चर्चा करें।

समीक्षा

- उद्यमी, पारिस्थितिकी तंत्र के कई घटकों पर निर्भर होते हैं।
- प्रत्येक घटक की एक विशिष्ट और महत्वपूर्ण भूमिका होती है।
- व्यवसाय तब बढ़ते हैं जब सभी घटक मिलकर काम करते हैं, न कि अकेले।
- भूमिकाओं को समझने से उद्यमियों को सही समय पर सही सहायता प्राप्त करने में मदद मिलती है।

सीखे गए उद्यमशीलता कौशल

व्यावसायिक मॉडलों में अंतर करना, मूल्य सृजन की समझ, तुलनात्मक सोच और संदर्भ-आधारित निर्णय लेना।

फैसिलिटेटर के लिए सुझाव

- उद्यम के सभी रूप महत्वपूर्ण होते हैं।
- सहायता प्रणालियाँ विकास को प्रभावित करती हैं।

उद्यमी सहायता चक्र

साप्ताहिक कार्य

फैसिलिटेटर के लिए निर्देश

- शुरुआत में यह समझाएं कि कोई भी उद्यमी अकेले सफल नहीं होता है। हर यात्रा में विभिन्न लोगों और प्रणालियों का सहयोग शामिल होता है।
- समर्थकों के उदाहरणों पर संक्षिप्त चर्चा करें, जैसे-परिवार, मित्र, शिक्षक, मार्गदर्शक, ग्राहक, निवेशक, सरकारी योजनाएँ और समुदाय के सदस्य।
- विद्यार्थियों का मार्गदर्शन करें कि वे केवल वित्तीय सहायता से आगे बढ़कर सोचें-भावनात्मक समर्थन, मार्गदर्शन, प्रेरणा और सुरक्षित पारिस्थितिकी तंत्र भी अत्यंत महत्वपूर्ण होते हैं।
- उन्हें 'हर कोई' जैसे सामान्य शब्दों के बजाय विशिष्ट उदाहरणों के साथ प्रत्येक प्रश्न का उत्तर देने के लिए प्रोत्साहित करें।

- विद्यार्थियों को इस बात पर चिंतन करने के लिए कहें कि व्यवसाय के 'शुरुआती चरण' और 'विकास के चरण' में अलग-अलग समर्थक किस प्रकार अपनी भूमिका निभाते हैं।
- अंत में इस बात पर ज़ोर दें कि एक सहायता नेटवर्क बनाना और उसका सम्मान करना एक महत्वपूर्ण उद्यमी कौशल है।

3.2 स्टार्टअप , उद्यम और व्यवसाय के बीच अंतर

विद्यार्थी मैन्युअल में दी गई अवधारणा पर चर्चा करें और उसके बाद दी गई गतिविधि का संचालन करें।

गतिविधि 3.2.1 उद्यमी की यात्रा- स्टार्टअप, वेंचर और व्यवसाय

प्रत्येक परिदृश्य पर चर्चा करें और विद्यार्थियों से यह बताने के लिए कहें कि वह एक 'स्टार्टअप', 'उद्यम' या 'व्यवसाय' क्यों है।

समीक्षा

- नवाचार और जोखिम - ये दो मुख्य तत्व 'स्टार्टअप' की पहचान करने में मदद करते हैं।
- स्थिरता और नियमित आय - ये एक स्थापित 'व्यवसाय' के संकेत हैं।
- स्पष्ट दिशा और विकास - जब कोई विचार आगे बढ़ने लगता है और उसमें विस्तार की संभावना दिखती है, तो वह 'उद्यम' कहलाता है।
- चरणों की सही पहचान - उद्यमशीलता के इन विभिन्न चरणों को सही ढंग से पहचानने से निर्णय लेने की क्षमता में सुधार होता है।

सीखे गए उद्यमशीलता कौशल

व्यावसायिक शब्दावली की समझ (स्टार्टअप बनाम व्यवसाय)।

विश्लेषणात्मक सोच।

- जोखिम और लाभ के बीच अंतर करने की क्षमता।

फैसिलिटेटर के लिए सुझाव

- चरण की सही पहचान करने से गलत अपेक्षाएँ बनने से बचती हैं।
- जोखिम को समझने से बेहतर योजना बनाने में मदद मिलती है।

परिवर्तन की कहानी

साप्ताहिक कार्य

फैसिलिटेटर के लिए निर्देश

- शुरुआत - एक 'स्टार्टअप' (नया विचार चरण) और एक 'व्यवसाय' (स्थिर और निरंतर संचालन चरण) के बीच अंतर समझाकर कार्य की शुरुआत करें।
- चयन - विद्यार्थियों को किसी प्रसिद्ध कंपनी (एक राष्ट्रीय, वैश्विक, या स्थानीय ब्रांड जिसे वे जानते हों) को चुनने की अनुमति दें।
- अनुसंधान - लेखन शुरू करने से पहले उन्हें संक्षिप्त शोध (पुस्तकों, इंटरनेट या पूर्व ज्ञान के माध्यम से) के लिए प्रेरित करें।
- विवरण - विद्यार्थियों से निम्नलिखित बिंदुओं को स्पष्ट रूप से लिखने के लिए कहें:
  1. वह मूल विचार या समस्या क्या थी जिसे कंपनी ने हल करने का लक्ष्य रखा था?
  2. कंपनी एक स्थिर व्यवसाय के रूप में कैसे विकसित हुई?
- प्रारूप - विद्यार्थियों को 4-6 स्पष्ट वाक्यों में सरल और तथ्यात्मक उत्तर लिखने के लिए प्रोत्साहित करें।

3.3 केस स्टोरी-भारत के उद्यमशीलता केंद्र

विद्यार्थियों को 'केस स्टोरी' पढ़ने के लिए कहें और उसके बाद दी गई गतिविधि का संचालन करें।

गतिविधि 3.3.1 चिंतन प्रश्न

विद्यार्थियों को स्वतंत्र रूप से सोचने के लिए प्रोत्साहित करें। इनके कोई निश्चित उत्तर नहीं हैं। विद्यार्थियों को अपने शहर या कस्बे के संदर्भ में विचार करने दें।

समीक्षा

- क्षेत्रीय भिन्नता - अलग-अलग क्षेत्रों में पारिस्थितिकी तंत्र भिन्न होते हैं।
- सफलता के कारक - प्रतिभा, बाजार, नीतिगत समर्थन और संस्कृति सफलता को आकार देते हैं।
- सरकारी पहल - सरकारी योजनाएं नवाचार को बढ़ावा दे सकती हैं।
- स्थानीय ताकत - स्थानीय विशेषताएं उद्यमी विकास को प्रभावित करती हैं

सीखे गए उद्यमशीलता कौशल

आलोचनात्मक चिंतन, स्थानीय समस्याओं का विश्लेषण, भविष्य का विजन और नागरिक जागरूकता।

फैसिलिटेटर के लिए सुझाव

- विद्यार्थी अपने स्थानीय स्तर पर होने वाले बदलावों की कल्पना कर सकते हैं।
- पारिस्थितिकी तंत्र को सोच-समझकर और प्रयासों के माध्यम से मजबूत किया जा सकता है।

अपने आस-पास की उद्यमशीलता को समझना

साप्ताहिक कार्य

फैसिलिटेटर के लिए निर्देश

- विद्यार्थियों को अपने पारिस्थितिकी तंत्र में किसी एक वास्तविक स्थानीय उद्यम का अवलोकन करने के लिए कहें।
- उसका प्रकार और चरण (स्टार्टअप, उद्यम या स्थापित व्यवसाय) पहचानने में उनका मार्गदर्शन करें।
- उन्हें यह नोट करने के लिए प्रोत्साहित करें कि उस उद्यम को किसका सहयोग प्राप्त है (परिवार, ग्राहक, आपूर्तिकर्ता आदि)।
- उनसे किसी ऐसे एक क्षेत्र का सुझाव देने के लिए कहें जहाँ सहायता में सुधार किया जा सकता है (जैसे—पूँजी, प्रशिक्षण, डिजिटल उपकरण, विपणन या मार्गदर्शन)।
- वास्तविक अवलोकन और स्पष्ट, संक्षिप्त उत्तरों पर बल दें।

अनुपूरक संसाधन सामग्री

https://inc42.com/features/from-hyderabad-to-pune-which-city-holds-indias-startup-hub-baton/

अध्याय 04

सोचने और निर्माण करने की कला

L1Z8P3

कालांश – 5

सीखने के उद्देश्य

- वास्तविक जीवन के अवलोकनों के आधार पर विचारों को उत्पन्न करने और व्यवस्थित करने के लिए SCAMPER और माइंड मैपिंग जैसे रचनात्मक सोच उपकरणों का उपयोग करना।
- समूहों में काम करते समय निर्णय लेने, सहकार्यता और नेतृत्व कौशल का प्रदर्शन करना।
- सतत विचारों का चयन करने और उन्हें उचित ठहराने के लिए 3P फ्रेमवर्क ((People), (Planet), (Profit)) लागू करना।

पूर्व ज्ञान से जोड़ें

Y4V5S1

- कक्षा 8 में, उद्यमशीलता कौशल विषय के अंतर्गत, विद्यार्थियों को 4Cs के संकल्पना बॉक्स के माध्यम से टीम वर्क, सहकार्यता और संचार से परिचित कराया गया था।
- उन्होंने पता लगाया कि कैसे अवलोकन और जागरूकता परिवेश की समझ में सुधार करते हैं।
- उन्होंने सीखा कि कैसे जिज्ञासा और कल्पना विचारों के सृजन की ओर ले जाती है।
- विद्यार्थियों ने पहचाना कि उद्यमशीलता केवल विचार रखने के बारे में नहीं है, बल्कि एक साथ काम करने, रचनात्मक रूप से सोचने और विचारपूर्वक प्रतिक्रिया देने के बारे में है।
- उन्होंने समझा कि उद्यमशीलता की सफलता व्यक्तिगत सोच और सामूहिक प्रयास दोनों पर निर्भर करती है।
- गतिविधियों के माध्यम से, उन्होंने समस्या-समाधान के प्रमुख हिस्सों के रूप में सुनने, साझा करने, अवलोकन करने और कल्पना करने के महत्व का अनुभव किया।

अध्याय विवरण

यह अध्याय इस बात पर केंद्रित है कि विचार कैसे जन्म लेते हैं, उनमें सुधार कैसे किया जाता है और उन्हें कैसे मान्य किया जाता है। विद्यार्थी SCAMPER, विचार-मंथन, भूमिका निर्वहन और माइंड मैपिंग जैसे उपकरणों के माध्यम से रचनात्मकता का पता लगाते हैं। वे समझते हैं कि टीम वर्क और फीडबैक विचारों को कैसे मजबूत करते हैं और नेतृत्व कैसे विचारों को कार्य में बदलने में मदद करता है। विचारों के उत्तरदायी और सतत होने की जांच करने के तरीके के रूप में 3P फ्रेमवर्क पेश किया गया है। केस स्टोरी, गतिविधियों और चिंतन के माध्यम से, विद्यार्थी युवा नवप्रवर्तकों की तरह सोचने और कार्य करने का अभ्यास करते हैं।

अध्याय का औचित्य

उद्यमशीलता अलग तरह से सोचने से शुरू होती है। इससे पहले कि विद्यार्थी उद्यम या व्यवसाय बना सकें, उन्हें समस्याओं का निरीक्षण करना, विचार उत्पन्न करना, सहकार्यता करना और जिम्मेदारी से नेतृत्व करना सीखना चाहिए। यह अध्याय मूलभूत सोच, सहकार्यता और सततता कौशल का निर्माण करता है जो उद्यमशीलता के विकास और वास्तविक जीवन की समस्या-समाधान के लिए आवश्यक हैं।

एसडीजी (SDGs) और राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 के साथ संरेखण

अध्याय का केंद्र बिंदु	संरेखित एसडीजी (SDGs)	अध्याय एसडीजी का समर्थन कैसे करता है।	राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 के साथ संरेखण
1 SCAMPER, भूमिका निर्वहन, फीडबैक सर्कल	SDG 4 – गुणवत्तापूर्ण शिक्षा	गतिविधियों और चिंतन के माध्यम से अनुभवात्मक अधिगम	अनुभवात्मक अधिगम
2 3P फ्रेमवर्क और सततता फोकस	SDG 12 – उत्तरदायी उपभोग	अपशिष्ट कम करने और सतत सोच पर ध्यान	आलोचनात्मक सोच
3 3P फ्रेमवर्क का 'ग्रह' (Planet) पहलू	SDG 13 – जलवायु कार्रवाई	पर्यावरणीय रूप से उत्तरदायी विचारों को प्रोत्साहित करना	पर्यावरणीय जागरूकता
4 समूह गतिविधियाँ और नेतृत्व कार्य	SDG 17 – लक्ष्यों के लिए साझेदारी	टीम वर्क और सहकार्यता पर जोर	सहयोगात्मक अधिगम

4.1 एक समस्या, कई संभावनाएं

आयरा की कहानी

फैसिलिटेटर के लिए निर्देश-

- कहानी को ज़ोर से पढ़ें और विद्यार्थियों से समस्या और की गई कार्रवाई को ध्यान से सुनने के लिए कहें।
- विद्यार्थियों से 'सोचें और लिखें' के दोनों प्रश्नों के उत्तर पूर्ण वाक्यों में देने के लिए कहें।
- उन्हें इस बात पर ध्यान केंद्रित करने के लिए प्रोत्साहित करें कि आयरा ने क्या देखा और उसकी प्रतिक्रिया शिकायत करने या अनदेखा करने से कैसे अलग थी।
- विद्यार्थियों को याद दिलाएं कि वे उत्तर कहानी पर आधारित रखें, धारणाओं पर नहीं।
- व्यक्तिगत लिखित चिंतन के लिए 5-7 मिनट का समय दें।

समीक्षा

- चर्चा करें- वास्तविक समस्या क्या थी- बोतलें भूलना, प्लास्टिक कचरा, या जागरूकता की कमी?
- प्रतिक्रियाओं की तुलना करें- अनदेखा करना, शिकायत करना और पहल करना।
- पूछें- आयरा ने समाधान सुझाने से पहले दूसरों से बात क्यों की?
- इस बात पर प्रकाश डालें कि कैसे एक छोटे से अवलोकन ने सार्थक प्रभाव डाला।

सीखे गए उद्यमशीलता कौशल

समस्या की पहचान, जिज्ञासा और अवलोकन, समानुभूति, पहल करना, समाधान-उन्मुख सोच और पर्यावरणीय जिम्मेदारी।

फैसिलिटेटर के लिए सुझाव

- कार्रवाई करने से पहले दैनिक समस्याओं को ध्यान से देखने के महत्व पर जोर दें।
- इस बात पर प्रकाश डालें कि कैसे पहल और विचारशील संचार अवलोकनों को व्यावहारिक समाधानों में बदलने में मदद करते हैं।
- विद्यार्थियों को यह देखने के लिए प्रोत्साहित करें कि जब वे अनदेखा करने या शिकायत करने के बजाय जिम्मेदारी के साथ प्रतिक्रिया करते हैं तो छोटे कार्य सार्थक प्रभाव डाल सकते हैं।

गतिविधि 4.1.1 एक नवप्रवर्तक की तरह सोचें (SCAMPER स्प्रिंट)

फैसिलिटेटर के लिए निर्देश

- विद्यार्थियों को 3-4 के समूहों में विभाजित करें।
- प्रत्येक समूह को एक रोजमर्रा की वस्तु सौंपें।
- प्रत्येक SCAMPER संकेत को लागू करने के लिए समूहों का मार्गदर्शन करें।
- समूहों से कम से कम तीन बेहतर विचार लिखने के लिए कहें।

समीक्षा

- नवाचार अक्सर मौजूदा वस्तुओं में सुधार करता है।
- व्यवस्थित उपकरण सोच का विस्तार करने में मदद करते हैं।
- समूह चर्चा विचारों को मजबूत करती है।

सीखे गए उद्यमशीलता कौशल

रचनात्मक समस्या-समाधान, लचीली सोच, विचार सृजन, सहकार्यता और नवाचार मानसिकता।

फैसिलिटेटर के लिए सुझाव

- बिना किसी निर्णय के सभी विचारों को प्रोत्साहित करें।
- विद्यार्थियों को याद दिलाएं कि सुधार भी नवाचार है।
- शांत रहने वाले विद्यार्थियों को साझा करने के लिए समर्थन दें।

एक छोटी दैनिक समस्या का समाधान करें — साप्ताहिक कार्य

फैसिलिटेटर के लिए निर्देश

- समझाएं कि नवाचार दैनिक समस्याओं के अवलोकन से शुरू होता है।
- विद्यार्थियों से अपनी दिनचर्या से एक वास्तविक, छोटी समस्या की पहचान करने के लिए कहें।
- उन्हें एक सरल, व्यावहारिक समाधान सुझाने और यह बताने के लिए मार्गदर्शन करें कि इससे किसे लाभ होगा।
- चिंतन प्रश्नों के संक्षिप्त, स्पष्ट उत्तर देने के लिए प्रोत्साहित करें।
- यथार्थवादी सोच और विचारशील अवलोकन पर जोर दें।

4.2 3P फ्रेमवर्क- सतत विचारों के लिए एक मार्गदर्शिका

गतिविधि पढ़ें और 3P अवधारणा समझाएं।

गतिविधि 4.2.1 रोल प्ले – साथ मिलकर हल करें

निर्देश

- चार के समूह बनाएं और भूमिकाएं सौंपें।
- समूहों से भोजन की बर्बादी की समस्या पर चर्चा करने के लिए कहें।
- उन्हें एक समाधान पर सहमत होने के लिए मार्गदर्शन करें।

समीक्षा

- मजबूत समाधान मिलकर बनाए जाते हैं।
- विभिन्न दृष्टिकोण परिणामों को मजबूत करते हैं।
- टीम वर्क निर्णय की गुणवत्ता में सुधार करता है।

सीखे गए उद्यमशीलता कौशल

टीम वर्क, संचार, भूमिका-आधारित सोच, सहकार्यता और संघर्ष प्रबंधन।

फैसिलिटेटर के लिए सुझाव

- भूमिका की स्पष्टता सुनिश्चित करें।
- सम्मानपूर्वक सुनने को प्रोत्साहित करें।
- चर्चा रुकने पर ही हस्तक्षेप करें।

3P फ्रेमवर्क लागू करना

साप्ताहिक कार्य

फैसिलिटेटर के लिए निर्देश

- सरल शब्दों में 3P फ्रेमवर्क (People),(Planet), (Profit/Purpose) समझाकर शुरुआत करें।
- विद्यार्थियों को घर पर कचरे से संबंधित एक रोजमर्रा की वस्तु चुनने के लिए मार्गदर्शन करें।
- सुनिश्चित करें कि वे प्रत्येक दिन एक कार्य पूरा करें
  (अवलोकन → माइंड मैप → SCAMPER → स्केच → 3P चेक → फीडबैक → सुधार)।
- रचनात्मक सोच को प्रोत्साहित करें, लेकिन समाधानों को व्यावहारिक और यथार्थवादी रखें।
- विद्यार्थियों को अपनी नोटबुक में दैनिक नोट्स बनाए रखने के लिए याद दिलाएं।
- इस बात पर जोर दें कि नवाचार एक प्रक्रिया है- निरीक्षण करना, सुधारना, मान्य करना और परिष्कृत करना।

4.3 साथ मिलकर सीखना- विचार को कैसे बढ़ाता है।

केस स्टोरी स्कूल मेले के स्टॉल में सुधार

फैसिलिटेटर के लिए निर्देश

- केस स्टोरी को ज़ोर से पढ़ें और विद्यार्थियों से मूल विचार और फीडबैक के बाद किए गए बदलावों की पहचान करने के लिए कहें।
- विद्यार्थियों से चर्चा करने के लिए कहें कि फीडबैक ने स्टाल के अंतिम परिणाम को कैसे प्रभावित किया।
- उन्हें दिए गए विशिष्ट सुझावों और किए गए सुधारों को सूचीबद्ध करने के लिए प्रोत्साहित करें।
- विद्यार्थियों को पूर्ण वाक्यों में चिंतन प्रश्नों के उत्तर देने दें।

समीक्षा

- चर्चा करें कि फीडबैक ने मूल विचार को कैसे मजबूत किया।
- पूछें- यदि समूह ने सुझावों को अनदेखा कर दिया होता तो क्या होता?
- सम्मानजनक संचार और सक्रिय सुनने के महत्व पर प्रकाश डालें।
- इस बात पर बल दें कि सुधार अक्सर सहकार्यता के माध्यम से आता है।

सीखे गए उद्यमशीलता कौशल

फीडबैक के प्रति खुलापन, अनुकूलनशीलता, सहकार्यता और टीम वर्क, ग्राहक जागरूकता (मूल्य निर्धारण और मांग की सोच) और निरंतर सुधार।

फैसिलिटेटर के लिए सुझाव

- इस बात पर जोर दें कि फीडबैक और सहकार्यता विचारों को बेहतर बनाने में मदद करते हैं, जिससे वे अधिक व्यावहारिक और प्रभावी बनते हैं।
- दूसरों को सम्मानपूर्वक सुनने और विचारों को अनुकूलित करने के महत्व पर प्रकाश डालें, क्योंकि निरंतर सुधार उद्यमशीलता का एक अनिवार्य हिस्सा है।

गतिविधि 4.3.1 फीडबैक सर्कल- विचारों को बढ़ने में मदद करें

फैसिलिटेटर के लिए निर्देश- के लिए निर्देश

- समूह और प्रस्तुतियां व्यवस्थित करें।
- विद्यार्थियों को एक क्षमता और एक सुझाव देने के लिए मार्गदर्शन करें।
- लहजे और सम्मान की निगरानी करें।

समीक्षा- मुख्य सीखने के बिंदु

- फीडबैक दयापूर्ण और उपयोगी होना चाहिए।
- टीमें साझा सीखने के माध्यम से बढ़ती हैं।
- संचार कौशल मायने रखते हैं।

सीखे गए उद्यमशीलता कौशल

संचार, सक्रिय श्रवण, रचनात्मक फीडबैक और टीम सहयोग।

फैसिलिटेटर के लिए सुझाव

- नकारात्मक या व्यक्तिगत टिप्पणियों को तुरंत सुधारें।
- इस बात को सुदृढ़ करें कि फीडबैक विचारों के लिए है, लोगों के लिए नहीं।

फीडबैक लेंस

साप्ताहिक कार्य

फैसिलिटेटर के लिए निर्देश

- यह समझाकर शुरू करें कि फीडबैक सुधार के लिए एक उपकरण है, आलोचना नहीं।
- विद्यार्थियों को एक छोटी, सरल परियोजना चुनने के लिए मार्गदर्शन करें जिसे वे वास्तव में घर पर प्रस्तुत कर सकें।
- उन्हें अपना विचार प्रस्तुत करते समय स्पष्ट रूप से समझाने के लिए प्रोत्साहित करें।
- विद्यार्थियों को एक क्षमता और एक सुझाव प्राप्त करते समय चुपचाप और सम्मानपूर्वक सुनने का निर्देश दें।
- उन्हें सुझाव के आधार पर ईमानदारी से एक सुधार करने की कोशिश करने के लिए याद दिलाएं।
- सुनिश्चित करें कि विद्यार्थी सोच-समझकर चिंतन पूरा करें, इस बात पर ध्यान केंद्रित करते हुए कि फीडबैक ने उनके विचार को परिष्कृत करने में कैसे मदद की।

4.4 विचार की पुष्टि करना- 3P चेक

विद्यार्थियों को 3P के बारे में पाठ पढ़ने और 'प्रेरक सीख' पर चर्चा करने के लिए कहें।

प्रेरक सीख- जीवन बिंदी

समीक्षा

फैसिलिटेटर के लिए निर्देश

- केस को ज़ोर से पढ़ें और विद्यार्थियों से मुख्य समस्या और समाधान की पहचान करने के लिए कहें।
- विद्यार्थियों को यह समझाने के लिए मार्गदर्शन करें कि जीवन बिंदी आयोडीन की कमी को कैसे दूर करती है।
- उन्हें इस बारे में सोचने के लिए कहें कि यह समाधान व्यावहारिक और सांस्कृतिक रूप से उपयुक्त क्यों था।
- विद्यार्थियों को पूर्ण वाक्यों में संक्षिप्त उत्तर लिखने के लिए प्रोत्साहित करें।

समीक्षा

- समुदाय में महिलाओं द्वारा सामना की जाने वाली स्वास्थ्य समस्याओं पर चर्चा करें।
- पूछें- यह समाधान केवल गोलियां देने से अधिक प्रभावी क्यों था?
- इस बात पर प्रकाश डालें कि कैसे स्थानीय आदतों को समझने से बेहतर समाधान मिला।
- नवाचार में समानुभूति और सांस्कृतिक जागरूकता की भूमिका पर ज़ोर दें।

सीखे गए उद्यमशीलता कौशल

समस्या की पहचान, समानुभूति और उपयोगकर्ता की समझ, रचनात्मक सोच, सांस्कृतिक संवेदनशीलता और सामाजिक नवाचार।

फैसिलिटेटर के लिए सुझाव

- अच्छा नवाचार लोगों के दैनिक जीवन में फिट बैठता है।
- सार्थक समाधानों के लिए समानुभूति आवश्यक है।
- छोटे, विचारशील विचार मजबूत सामाजिक प्रभाव पैदा कर सकते हैं।
- उद्यमशीलता सामाजिक और स्वास्थ्य चुनौतियों का समाधान कर सकती है, न कि केवल व्यावसायिक लक्ष्यों का।

गतिविधि 4.4.1 अपने विचार की पुष्टि करें (3P चेक)

फैसिलिटेटर के लिए निर्देश

- विद्यार्थियों से अपने विचार पर 3P प्रश्न लागू करने के लिए कहें।
- ईमानदार प्रतिक्रियाओं के लिए प्रोत्साहित करें।
- चिंतन के लिए समय दें।

समीक्षा- मुख्य सीखने के बिंदु

- कार्रवाई से पहले विचारों को सत्यापन की आवश्यकता होती है।
- संतुलन विचारों को मजबूत करता है।
- सुधार निरंतर होता है।

सीखे गए उद्यमशीलता कौशल

विचार सत्यापन, विश्लेषणात्मक सोच, सततता योजना और आत्म-मूल्यांकन।

फैसिलिटेटर के लिए सुझाव

- इस बात को सुदृढ़ करें कि कमजोर क्षेत्रों का मतलब सुधार है, विफलता नहीं।
- संतुलित सोच का समर्थन करें।

फैसिलिटेटर के लिए निर्देश

- यह समझाकर शुरू करें कि हर समस्या में नवाचार का अवसर होता है।
- विद्यार्थियों से घर या अपने पड़ोस में एक वास्तविक, छोटी समस्या का निरीक्षण करने के लिए कहें।
- समाधान सुझाने से पहले उन्हें समस्या को स्पष्ट रूप से लिखने के लिए मार्गदर्शन करें।
- उन्हें केवल एक नहीं, बल्कि दो अलग-अलग व्यावहारिक समाधानों के बारे में सोचने के लिए प्रोत्साहित करें।
- विद्यार्थियों को 3P फ्रेमवर्क का उपयोग करके दोनों विचारों का मूल्यांकन करने के लिए याद दिलाएं।

4.5 नेतृत्व-विचारों और लोगों को आगे बढ़ने में मार्गदर्शन करना

विद्यार्थियों से नेतृत्व पर गद्यांश पढ़ने और चर्चा करने के लिए कहें कि कैसे जिम्मेदारी, टीम वर्क और दूसरों की बात सुनने से एक समूह को साझा लक्ष्य की ओर ले जाने में मदद मिलती है।

केस स्टोरी — परिवर्तन का नेतृत्व, एक समय में एक कदम

फैसिलिटेटर के लिए निर्देश

- समस्या की पहचान, टीम वर्क और नेतृत्व पर जोर देते हुए केस स्टोरी को ज़ोर से पढ़ें।
- उनसे संक्षिप्त, विचारशील वाक्यों में चिंतन प्रश्न पूरे करने के लिए कहें।

समीक्षा

- चर्चा करें कि अनन्या का दृष्टिकोण शिकायत करने से कैसे अलग था।
- पूछें- किन नेतृत्व कार्यों ने अंतर पैदा किया?
- इस बात पर प्रकाश डालें कि कैसे टीम वर्क और व्यवस्थित कार्रवाई ने वास्तविक बदलाव लाया।
- इस पर विचार करें कि नेतृत्व मार्गदर्शन के बारे में क्यों है, अधिकार के बारे में नहीं।

सीखे गए उद्यमशीलता कौशल

समस्या की पहचान, पहल, टीम समन्वय, संचार, संघर्ष प्रबंधन और जिम्मेदारी एवं जवाबदेही।

फैसिलिटेटर के लिए सुझाव

- इस बात पर जोर दें कि नेतृत्व समस्याओं की पहचान करने और दूसरों को समाधान की ओर ले जाने की पहल करने से शुरू होता है।
- इस बात पर प्रकाश डालें कि टीम वर्क, संचार और उत्तरदायी कार्रवाई विचारों को सार्थक बदलाव में बदलने में कैसे मदद करती है।

गतिविधि 4.5.1 नेतृत्व का व्यावहारिक स्वरूप

फैसिलिटेटर के लिए निर्देश

- समूहों में स्थिति पर चर्चा करें।
- विद्यार्थियों से संक्षिप्त प्रतिक्रियाएँ लिखने के लिए कहें।
- भूमिका निभाने वाली सोच को प्रोत्साहित करें।

समीक्षा- मुख्य सीखने के बिंदु

- नेतृत्व टीम वर्क का समर्थन करता है।
- सम्मान विश्वास बनाता है।
- नेता विचारों को आगे बढ़ने में मदद करते हैं।

सीखे गए उद्यमशीलता कौशल

नेतृत्व व्यवहार, संघर्ष समाधान, संचार और पहल।

फैसिलिटेटर के लिए सुझाव

- समावेश और शांत निर्णय लेने पर ध्यान केंद्रित करें।
- व्यावहारिक उदाहरणों को प्रोत्साहित करें।

आपके आस-पास नेतृत्व

साप्ताहिक कार्य

फैसिलिटेटर के लिए निर्देश

- यह समझाकर शुरू करें कि नेतृत्व रोजमर्रा की स्थितियों में दिखाई देता है, न कि केवल औपचारिक पदों में।
- विद्यार्थियों से सप्ताह के दौरान वास्तविक उदाहरणों का निरीक्षण करने के लिए कहें (समूह कार्य, पारिवारिक निर्णय, स्कूल कार्यक्रम, पड़ोस की गतिविधियाँ)।
- उन्हें स्थिति का स्पष्ट वर्णन करने और सामान्य प्रशंसा के बजाय विशिष्ट कार्यों पर ध्यान केंद्रित करने के लिए मार्गदर्शन करें।
- विद्यार्थियों को स्थिति में प्रदर्शित एक प्रमुख नेतृत्व गुण की पहचान करने के लिए प्रोत्साहित करें।
- उन्हें इस बात पर विचार करने के लिए प्रेरित करें कि वे अपने जीवन में उसी गुण का अभ्यास कैसे कर सकते हैं।
- यह सुदृढ़ करते हुए निष्कर्ष निकालें कि नेतृत्व अवलोकन, भागीदारी और अभ्यास के माध्यम से विकसित होता है।

अनुपूरक संसाधन सामग्री

SCAMPER https-//www.youtube.com/watch?v=M2I4PSdt7_8&t=10s
Design Thinking- https-//www.youtube.com/watch?v=EH9u1bHqwpc

अध्याय 05

मानसिकता की शक्ति

B8Y4Z8

कालांश – 5

सीखने के उद्देश्य

- स्थिर मानसिकता और विकास मानसिकता के बीच अंतर की पहचान करना और उसे समझाना तथा यह कि मानसिकता सीखने और सफलता को कैसे प्रभावित करती है।
- यह पहचानना और विश्लेषण करना कि उद्यमी लचीलापन और आत्मविश्वास बनाकर विफलता के डर पर कैसे काबू पाते हैं।
- स्कूल के काम, टीम वर्क और रोजमर्रा की चुनौतियों में विकास मानसिकता वाली सोच को लागू करने की क्षमता विकसित करना।

पूर्व ज्ञान से जोड़ें

- कक्षा 8 में, 'स्व की खोज' विषय के अंतर्गत, विद्यार्थियों ने अपनी व्यक्तिगत शक्तियों और कमजोरियों पर विचार किया।
- उन्होंने समझा कि आदतें आत्म-विकास और दीर्घकालिक प्रगति को कैसे प्रभावित करती हैं।
- भीमाव्वा की प्रेरक कहानी के माध्यम से, विद्यार्थियों ने देखा कि कैसे दृढ़ संकल्प और शांत दृढ़ता कठिन परिस्थितियों में भी उद्देश्य को बनाए रखती है। अध्याय ने विद्यार्थियों को अंदर झांकने और यह पहचानने के लिए प्रोत्साहित किया कि व्यक्तिगत विकास उद्यमशीलता सहित किसी भी सार्थक यात्रा की नींव है।

S5S3A5

अध्याय विवरण

यह अध्याय इस बात की पड़ताल करता है कि मानसिकता सीखने, आत्मविश्वास और उद्यमशीलता के विकास को कैसे आकार देती है। अयान और ज़ारा, नंदिता बुटीक और पेट्रीसिया नारायण की यात्रा की कहानियों के माध्यम से, विद्यार्थी देखते हैं कि सोच में छोटे बदलाव परिणामों में बड़े बदलाव कैसे लाते हैं। आत्म-चिंतन, समूह चुनौतियां, मानसिकता का पुनर्निर्माण, और रचनात्मक-आलोचनात्मक सोच अभ्यास जैसी गतिविधियाँ विद्यार्थियों को लचीलापन और आत्म-प्रभावकारिता का अभ्यास करने में मदद करती हैं। अध्याय प्राचीन मानव सोच को आधुनिक नवाचार के साथ भी जोड़ता है ताकि यह दिखाया जा सके कि रचनात्मकता और विश्लेषण दोनों प्रगति के लिए आवश्यक हैं। विद्यार्थी यह समझकर निष्कर्ष निकालते हैं कि विफलता फीडबैक है और 'अभी' (yet) शब्द जोड़ने से चुनौतियों के प्रति उनका दृष्टिकोण बदल सकता है।

अध्याय का औचित्य

इससे पहले कि विद्यार्थी उद्यम बना सकें या समस्याओं को रचनात्मक रूप से हल कर सकें, उन्हें पहले बिना हार माने कठिनाइयों का सामना करने की मानसिक शक्ति विकसित करनी होगी। कई विद्यार्थी कोशिश करने में हिचकिचाते हैं क्योंकि वे गलतियों से डरते हैं। यह अध्याय विकास मानसिकता का निर्माण करके, चिंतन को प्रोत्साहित करके और

विफलता को सीखने के हिस्से के रूप में सामान्य मानकर उस बाधा को सीधे संबोधित करता है। यह लचीलापन, आत्मविश्वास और असफलताओं से सीखने की आदत को मजबूत करके विद्यार्थियों को उद्यमशीलता की सोच के लिए भावनात्मक और मानसिक रूप से तैयार करता है।

एसडीजी (SDGs) और राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 के साथ संरेखण

अध्याय का केंद्र बिंदु	संरेखित एसडीजी (SDGs)	अध्याय एसडीजी का समर्थन कैसे करता है।	राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 के साथ संरेखण
1 चिंतन गतिविधियाँ, समूह कार्य, मानसिकता अभ्यास	SDG 4 – गुणवत्तापूर्ण शिक्षा	चिंतनशील, अनुभवात्मक अधिगम और आत्म-विकास को बढ़ावा देता है	अनुभवात्मक अधिगम
2 लचीलापन, आत्म-प्रभावकारिता, समस्या समाधान	SDG 8 – सम्मानजनक कार्य और आर्थिक विकास	उद्यमशीलता लचीलापन और आत्मविश्वास बनाता है	कौशल विकास
3 भावनात्मक अधिगम और आत्म-जागरूकता	SDG 3 – अच्छा स्वास्थ्य और कल्याण	भावनात्मक शक्ति और सकारात्मक आत्म-चर्चा पर ध्यान	समग्र विकास
4 प्राचीन सोच गतिविधि, SCAMPER, चिंतन	SDG 9 – उद्योग, नवाचार और बुनियादी ढांचा	रचनात्मक और आलोचनात्मक सोच को नवाचार से जोड़ता है	आलोचनात्मक सोच

5.1 आपके सोचने की क्षमता

विद्यार्थी को विषय वस्तु पढ़ने के लिए कहें।

सोचें और निशान लगाएँ

5.1 मानसिकता क्या है

निर्देश

- विद्यार्थियों से ईमानदारी से और व्यक्तिगत रूप से उत्तर देने के लिए कहें।
- स्पष्ट करें कि यह मूल्यांकन के लिए नहीं है।
- उत्तर एकत्र न करें।
- अध्याय के अंत में इस पृष्ठ पर वापस आएं।

समीक्षा

- हर किसी में स्थिर और विकास मानसिकता के क्षण होते हैं।
- अपनी सोच के प्रति जागरूकता बदलाव की ओर पहला कदम है।
- समय के साथ अभ्यास करने से मानसिकता बदल सकती है।

सीखे गए उद्यमशीलता कौशल

आत्म-जागरूकता, ईमानदार आत्म-चिंतन और सीखने की जिम्मेदारी।

फैसिलिटेटर के लिए सुझाव

- चुनौतियों के प्रति अपने विचारों और प्रतिक्रियाओं को समझने में ईमानदार आत्म-चिंतन के महत्व पर जोर दें।
- इस बात पर प्रकाश डालें कि मानसिकता समय के साथ विकसित हो सकती है और अपने सोचने के पैटर्न को पहचानना विकास और सुधार की ओर पहला कदम है।

स्थिति — दो विद्यार्थी- एक चुनौती- दो अलग-अलग सोच

फैसिलिटेटर के लिए निर्देश

कहानी को भावों के साथ ज़ोर से पढ़ें।

- विद्यार्थियों से सोच में अंतर पहचानने के लिए कहें।
- चर्चा से पहले शांत चिंतन का समय दें।

समीक्षा

- गलतियों का डर सीखने को रोक सकता है।
- विकास मानसिकता प्रयास और दृढ़ता को प्रोत्साहित करती है।
- 'अभी' (yet) जोड़ने से सीखने का द्वार खुला रहता है।
- मानसिकता योग्यता से अधिक कार्य को प्रभावित करती है।

सीखे गए उद्यमशीलता कौशल

सकारात्मक जोखिम लेना, गलतियों से सीखना और आत्मविश्वास का निर्माण।

फैसिलिटेटर के लिए सुझाव

- इस बात पर जोर दें कि चुनौतियों के बारे में हम जिस तरह से सोचते हैं, वह इस बात को प्रभावित करता है कि हम उन पर कैसी प्रतिक्रिया देते हैं, और विकास मानसिकता प्रयास एवं दृढ़ता को प्रोत्साहित करती है।
- इस बात पर प्रकाश डालें कि गलतियाँ सीखने का हिस्सा हैं, और 'अभी' शब्द जोड़ने से विद्यार्थियों को सुधार और नई संभावनाओं के प्रति खुला रहने में मदद मिलती है।

केस स्टोरी — नंदिता बुटीक - असफलता से सीखना

फैसिलिटेटर के लिए निर्देश

चर्चा करें कि नंदिता ने बढ़ने के लिए फीडबैक, सीखने और छोटे बदलावों का उपयोग कैसे किया। इसे कक्षा में फीडबैक के बाद विद्यार्थियों के सुधार से जोड़ें।

समीक्षा

- विफलता अंत नहीं है; यह एक शिक्षक हो सकती है।
- फीडबैक से सीखना विचारों को मजबूत करता है।
- आत्मविश्वास केवल सफलता से नहीं, बल्कि कार्रवाई से बढ़ता है।
- उद्यमी हार मानने के बजाय अनुकूलन करते हैं।

सीखे गए उद्यमशीलता कौशल

लचीलापन, अनुकूलनशीलता, ग्राहक समझ और फीडबैक से सीखना।

फैसिलिटेटर के लिए सुझाव

- इस बात पर जोर दें कि झटके और फीडबैक विचारों को बेहतर बनाने में मदद करते हैं, और उद्यमी अपने अनुभवों से सीखकर बढ़ते हैं।
- लचीलेपन और अनुकूलनशीलता के महत्व पर प्रकाश डालें, यह दिखाते हुए कि फीडबैक के आधार पर छोटे सुधार समय के साथ बेहतर परिणाम ला सकते हैं।

गतिविधि 5.1.1 — मैं क्या करूँगा/ करूँगी ?

फैसिलिटेटर के लिए निर्देश

- यह विचार पेश करके शुरू करें कि चुनौतियों के प्रति हम कैसी प्रतिक्रिया देते हैं, यह हमारे सीखने और विकास को आकार देता है। समझाएं कि यह गतिविधि विद्यार्थियों को कठिन परिस्थितियों में उनके पहले विचारों पर ध्यान देने में मदद करेगी।

- विद्यार्थियों से प्रत्येक परिदृश्य को ध्यान से पढ़ने और उस प्रतिक्रिया को चुनने के लिए कहें जो उनकी स्वाभाविक प्रतिक्रिया से सबसे अधिक मेल खाती है। जोर दें कि इस गतिविधि में कोई अंक या निर्णय नहीं हैं।
- विद्यार्थियों को यह पहचानने के लिए मार्गदर्शन करें कि कौन सी प्रतिक्रियाएं 'स्टॉप साइन' (विचार जो उन्हें हार मनवाते हैं) के रूप में कार्य करती हैं और कौन सी 'ग्रीन लाइट' (विचार जो उन्हें कोशिश जारी रखने के लिए प्रोत्साहित करते हैं) के रूप में कार्य करती हैं।
- विद्यार्थियों को व्यक्तिगत रूप से चिंतन करने और एक ऐसी स्थिति के बारे में 5-6 पंक्तियाँ लिखने के लिए कहें जहाँ उन्होंने जल्दी हार मान ली और एक जहाँ उन्होंने फिर से कोशिश करना चुना।
- विद्यार्थियों को वाक्य पूरा करके अपनी आंतरिक आवाज को फिर से तैयार करने का अभ्यास करने के लिए प्रोत्साहित करें "मैं यह नहीं कर सकता... अभी।"
- विद्यार्थियों को चुपचाप इस बात पर विचार करने के लिए आमंत्रित करते हुए निष्कर्ष निकालें कि किस तरह की प्रतिक्रियाएं उन्हें आगे बढ़ने में मदद करती हैं और कौन सी उन्हें पीछे खींचती हैं।

समीक्षा

- इस बात पर प्रकाश डालें कि चुनौतियाँ और गलतियाँ सीखने का एक स्वाभाविक हिस्सा हैं।
- विद्यार्थियों को यह समझने के लिए प्रोत्साहित करें कि उनके विचारों को पहचानना विकास मानसिकता विकसित करने की दिशा में पहला कदम है।
- इस बात पर जोर दें कि विद्यार्थी धीरे-धीरे हतोत्साहित करने वाले विचारों को अधिक रचनात्मक विचारों से बदल सकते हैं जो सीखने और सुधार का समर्थन करते हैं।

सीखे गए उद्यमशीलता कौशल

आत्म-जागरूकता, लचीलापन, सकारात्मक मानसिकता, चिंतन और अनुकूलनशीलता।

फैसिलिटेटर के लिए सुझाव

- इस बात पर जोर दें कि चुनौतियों के दौरान हमारे पहले विचार हमारे कार्यों को प्रभावित करते हैं, और इन विचारों को पहचानने से विद्यार्थियों को अधिक सकारात्मक प्रतिक्रिया देने में मदद मिलती है।
- इस बात पर प्रकाश डालें कि विकास मानसिकता विकसित करना दृढ़ता, लचीलापन और कठिनाइयों के बाद भी फिर से प्रयास करने की इच्छा को प्रोत्साहित करता है।

मेरी सोच सीखने को कैसे प्रभावित करती है

साप्ताहिक कार्य

फैसिलिटेटर के लिए निर्देश

- यह समझाकर शुरू करें कि यह कार्य अपने सोचने के पैटर्न को समझने के बारे में है, उन्हें आंकने के बारे में नहीं।
- विद्यार्थियों को उनके दैनिक जीवन से वास्तविक और हाल की स्थितियों को चुनने के लिए प्रोत्साहित करें ताकि उनका चिंतन ईमानदार और सार्थक हो।
- स्पष्ट करें कि कोई सही या गलत उत्तर नहीं हैं और प्रतिक्रियाओं का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा।
- किसी भी साझाकरण से पहले व्यक्तिगत चिंतन के लिए शांत समय दें।
- विद्यार्थियों को अपनी प्रतिक्रियाएं ज़ोर से पढ़ने के लिए तब तक न कहें जब तक कि वे स्वयं न चाहें।

5.2 सीखना, लचीलापन और शुरू करने का साहस

केस स्टोरी — उद्यमशील मानसिकता

फैसिलिटेटर के लिए निर्देश

समानुभूति चर्चा आयोजित करें। व्यावसायिक सफलता के बजाय भावनाओं, साहस और उद्देश्य पर ध्यान केंद्रित करें।

समीक्षा

- उद्यमशीलता का एक मजबूत मानवीय पक्ष होता है।
- साहस अक्सर आवश्यकता से शुरू होता।
- मूल्य और उद्देश्य कठिनाई के दौरान क्षमता देते हैं।
- मानसिकता लोगों को नुकसान के बाद भी जारी रखने में मदद करती है।

सीखे गए उद्यमशीलता कौशल

साहस, भावनात्मक लचीलापन, उद्देश्य-संचालित सोच और समानुभूति।

फैसिलिटेटर के लिए सुझाव

- इस बात पर जोर दें कि उद्यमशीलता न केवल व्यावसायिक सफलता के बारे में है, बल्कि मानवीय मूल्यों, समानुभूति और उद्देश्य के बारे में भी है।
- इस बात पर प्रकाश डालें कि कैसे साहस और भावनात्मक लचीलापन व्यक्तियों को कठिन परिस्थितियों में भी अपने लक्ष्यों की दिशा में काम करना जारी रखने में मदद करते हैं।

गतिविधि 5.2.1 कक्षा चर्चा – मानवीय दृष्टिकोण

फैसिलिटेटर के लिए निर्देश

- विद्यार्थियों को यह याद दिलाकर शुरू करें कि उद्यमशीलता एक मानवीय यात्रा है, न कि केवल एक व्यावसायिक प्रक्रिया।
- चर्चा से पहले भावनात्मक संदर्भ सेट करने के लिए पेट्रीसिया की कहानी को संक्षेप में सुनाएं।
- प्रत्येक प्रश्न धीरे-धीरे पूछें और प्रतिक्रियाओं को आमंत्रित करने से पहले विद्यार्थियों को शांत सोचने का समय दें।
- सम्मानपूर्वक सुनने को प्रोत्साहित करें और सुनिश्चित करें कि कई विद्यार्थियों को बोलने का मौका मिले।
- उत्तरों को सही या गलत के रूप में आंकने से बचें; भावनाओं, विचारों और दृष्टिकोणों पर ध्यान केंद्रित करें।
- समापन अंतर्दृष्टि पर जाने से पहले विद्यार्थियों द्वारा साझा किए गए प्रमुख विचारों का सारांश दें।

समीक्षा

- उद्यमी भी हर किसी की तरह डर, संदेह और अनिश्चितता का अनुभव करते हैं।
- साहस डर की अनुपस्थिति नहीं है, बल्कि इसके बावजूद जारी रखने का निर्णय है।
- विकास-उन्मुख आंतरिक आवाज कठिन क्षणों के दौरान व्यक्तियों को आगे बढ़ने में मदद करती है।
- व्यक्तिगत मूल्य, यादें और उद्देश्य अक्सर उद्यमशीलता के प्रयासों को गहरा अर्थ देते हैं।
- उद्यमशीलता में सफलता लचीलेपन, समानुभूति और भावनात्मक शक्ति से जुड़ी होती है, न कि केवल लाभ से।

सीखे गए उद्यमशीलता कौशल

समानुभूति और दृष्टिकोण अपनाना, भावनात्मक जागरूकता, लचीलापन, उद्देश्य-संचालित सोच, चिंतनशील सोच और अभिव्यक्ति, और सम्मानजनक सुनने एवं चर्चा कौशल।

फैसिलिटेटर के लिए सुझाव

- इस बात पर जोर दें कि उद्यमशीलता भावनाओं, मूल्यों और उद्देश्य से आकार लेने वाली एक मानवीय यात्रा है, न कि केवल व्यावसायिक परिणामों से।
- समानुभूति, चिंतन और सम्मानजनक सुनने के महत्व पर प्रकाश डालें, जिससे विद्यार्थियों को विभिन्न दृष्टिकोणों को समझने और भावनात्मक लचीलापन बनाने में मदद मिले।

मानवीय उद्यम साक्षात्कार

साप्ताहिक कार्य

फैसिलिटेटर के लिए निर्देश

- यह समझाते हुए कार्य का परिचय दें कि उद्यमशीलता में वास्तविक संघर्ष, भावनाएं और व्यक्तिगत निर्णय शामिल हैं, न कि केवल व्यावसायिक सफलता।
- विद्यार्थियों को उनके पड़ोस में उपयुक्त लोगों (दर्जी, विक्रेता, दुकानदार, सेवा प्रदाता, गृह-आधारित श्रमिक, आदि) की पहचान करने में मदद करें।
- विद्यार्थियों को विनम्रतापूर्वक और सम्मानपूर्वक प्रश्न पूछने के बारे में मार्गदर्शन करें। बिना टोके ध्यान से सुनने पर जोर दें।
- यदि कोई विद्यार्थी साक्षात्कार आयोजित करने में असमर्थ है, तो उसे किसी ज्ञात कहानी को याद करने या एक छोटा उद्यम चलाने वाले परिवार के सदस्य के साथ कार्य करने की अनुमति दें।
- पूरा होने के बाद, कुछ विद्यार्थियों को यह साझा करने के लिए आमंत्रित करें कि उन्होंने बातचीत से क्या खोजा।

5.3 सोचने की कला – आलोचनात्मक और रचनात्मक

विद्यार्थियों को गद्यांश पढ़ने के लिए कहें और चर्चा करें कि रचनात्मक सोच नए विचार उत्पन्न करने में कैसे मदद करती है जबकि आलोचनात्मक सोच सर्वोत्तम समाधान का मूल्यांकन करने और चुनने में मदद करती है।

गतिविधि 5.3.1 रचनात्मक सोचें और सोच-समझकर निर्णय लें

फैसिलिटेटर के लिए निर्देश

1. रचनात्मक सोच (कई विचार) और आलोचनात्मक सोच (सर्वोत्तम विचार चुनना) के बीच अंतर स्पष्ट करें।
2. विद्यार्थियों को भाग ए में बिना किसी निर्णय के स्वतंत्र रूप से विचारों को सूचीबद्ध करने के लिए प्रोत्साहित करें।
3. भाग बी में विद्यार्थियों को व्यावहारिकता, संसाधनों और चुनौतियों के आधार पर विचारों का मूल्यांकन करने के लिए मार्गदर्शन करें।
4. विद्यार्थियों द्वारा अपनी अंतिम प्रतिक्रिया लिखने से पहले जोड़ी या समूह चर्चा की अनुमति दें।
5. कुछ विद्यार्थियों को यह साझा करने के लिए आमंत्रित करें कि उन्होंने अपने अंतिम विचार का चयन कैसे किया।

समीक्षा

1. समस्या-समाधान खुली सोच से शुरू होता है और सावधानीपूर्वक विश्लेषण के माध्यम से परिष्कृत होता है।
2. सभी विचार व्यावहारिक नहीं होते हैं, लेकिन प्रत्येक विचार सोचने की प्रक्रिया में योगदान देता है।
3. अच्छे निर्णय कल्पना और तर्क के बीच संतुलन बनाने से आते हैं।
4. वास्तविक जीवन के समाधानों के लिए योजना, संसाधन और दूरदर्शिता की आवश्यकता होती।

सीखे गए उद्यमशीलता कौशल

रचनात्मक सोच, आलोचनात्मक सोच, निर्णय लेना, समस्या-समाधान और व्यावहारिक योजना।

फैसिलिटेटर के लिए सुझाव

- इस बात पर जोर दें कि प्रभावी समस्या-समाधान के लिए रचनात्मक और आलोचनात्मक सोच दोनों की आवश्यकता होती है - पहले कई विचार उत्पन्न करना और फिर सबसे व्यावहारिक विचार का सावधानीपूर्वक चयन करना।
- इस बात पर प्रकाश डालें कि विचारशील विश्लेषण के साथ कल्पना को संतुलित करने से उद्यमियों को बेहतर निर्णय लेने और व्यावहारिक समाधान विकसित करने में मदद मिलती है।

सोच प्रयोगशाला

साप्ताहिक कार्य

फैसिलिटेशन के लिए निर्देश

- सरल शब्दों में अपसारी (रचनात्मक) और अभिसारी (आलोचनात्मक) सोच के बीच अंतर समझाकर शुरू करें।
- भाग 1 में विद्यार्थियों को स्वतंत्र रूप से सोचने और बिना किसी निर्णय के डर के असामान्य विचारों को साझा करने के लिए प्रोत्साहित करें।
- विद्यार्थियों को याद दिलाएं कि रचनात्मक चरण में कोई गलत विचार नहीं होते हैं।
- भाग 2 में, विद्यार्थियों को वजन, कीमत और सुरक्षा जांच का उपयोग करके अपने पसंदीदा विचार का तार्किक रूप से मूल्यांकन करने के लिए मार्गदर्शन करें।
- सहकर्मी चर्चा की अनुमति दें ताकि विद्यार्थी विचारों को परिष्कृत करने में एक-दूसरे की मदद कर सकें।
- कुछ स्वयंसेवकों को यह प्रस्तुत करने के लिए आमंत्रित करें कि आलोचनात्मक मूल्यांकन के बाद उनका विचार कैसे बदल गया।
- इस बात पर जोर दें कि वास्तविक नवाचार व्यावहारिकता के साथ कल्पना के संयोजन से आता है।
- इस प्रक्रिया को उद्यमी उपयोगी और व्यावहारिक उत्पाद कैसे डिजाइन करते हैं, इससे जोड़कर निष्कर्ष निकालें।

5.4 असफलता के डर पर काबू पाना

विद्यार्थियों को गद्यांश पढ़ने के लिए कहें और चर्चा करें कि विफलता को सीखने के अवसर के रूप में देखने से आत्मविश्वास विकसित करने, विचारों को बेहतर बनाने और विकास मानसिकता को प्रोत्साहित करने में कैसे मदद मिल सकती है।

गतिविधि 5.4.1 बड़ी नाकामी का पुरस्कार

फैसिलिटेटर के लिए निर्देश

- एक सुरक्षित, अनौपचारिक साझाकरण स्थान बनाने के लिए विद्यार्थियों को एक घेरे में व्यवस्थित करें।
- खुलेपन का उदाहरण देने के लिए अपनी खुद की एक हल्की, ईमानदार विफलता की कहानी साझा करके शुरुआत करें।
- विद्यार्थियों को वह समय साझा करने के लिए आमंत्रित करें जब उन्होंने जो कोशिश की वह गलत हो गई।
- प्रत्येक कहानी के बाद, विद्यार्थी से पूछें, "इस अनुभव से आपने कौन सी एक बात सीखी?"
- विद्यार्थी को विफलता को एक रचनात्मक, पेशेवर लगने वाला नाम देकर उसे नया रूप देने के लिए मार्गदर्शन करें।

- सहायक लहजा बनाए रखें और सुनिश्चित करें कि कोई चिढ़ाना या निर्णय न हो।
- गलतियों से सीखना विकास का हिस्सा है, इस पर चर्चा करके निष्कर्ष निकालें।

समीक्षा

1. हर कोई विफलता का अनुभव करता है; यह सामान्य और सार्वभौमिक है।
2. विफलताएं सुधार के लिए उपयोगी जानकारी प्रदान करती हैं।
3. गलतियों को सकारात्मक रूप से देखने से डर कम होता है और आत्मविश्वास बढ़ता है।
4. विकास मानसिकता विद्यार्थियों को बेहतर समझ के साथ फिर से प्रयास करने में मदद करती है।

सीखे गए उद्यमशीलता कौशल

लचीलापन, सकारात्मक जोखिम लेना, गलतियों से सीखना, चिंतनशील सोच और आत्मविश्वास का निर्माण।

फैसिलिटेटर के लिए सुझाव

- इस बात पर जोर दें कि विफलता सीखने और विकास का एक स्वाभाविक हिस्सा है, और हर गलती सुधार के लिए मूल्यवान सबक प्रदान कर सकती है।
- लचीलेपन और सकारात्मक मानसिकता के महत्व पर प्रकाश डालें, विद्यार्थियों को झटकों को अधिक समझ और आत्मविश्वास के साथ फिर से प्रयास करने के अवसर के रूप में देखने के लिए प्रोत्साहित करें।

सहजता का दायरा

साप्ताहिक कार्य

फैसिलिटेटर के लिए निर्देश

- इस कार्य को एक व्यक्तिगत चिंतन के रूप में पेश करें, प्रदर्शन गतिविधि के रूप में नहीं।
- विद्यार्थियों को बहुत छोटे, यथार्थवादी विचारों के बारे में सोचने के लिए प्रोत्साहित करें—बड़े प्रोजेक्ट नहीं।
- बिना किसी निर्णय या खारिज किए विद्यार्थियों को अपने डर को स्पष्ट रूप से नाम देने में मदद करें।
- उन्हें 'प्री-मॉर्टम' चरण के माध्यम से धीरे-धीरे मार्गदर्शन करें ताकि वे जोखिमों के बारे में तार्किक रूप से सोचना सीखें।
- जोर दें कि 'छोटा जोखिम' सरल और एक सप्ताह के भीतर प्राप्त करने योग्य होना चाहिए।
- विद्यार्थियों को व्यक्तिगत डर साझा करने के लिए मजबूर न करें जब तक कि वे स्वयं न चाहें।
- एक सप्ताह के बाद कार्य पर फिर से विचार करें और अनुभवों को स्वेच्छा से साझा करने के लिए आमंत्रित करें।

5.5 लचीलापन और आत्म-प्रभावकारिता का निर्माण करना

विद्यार्थियों को गद्यांश पढ़ने के लिए कहें और चर्चा करें कि कैसे लचीलापन और आत्म-प्रभावकारिता व्यक्तियों को चुनौतियों का सामना करने, असफलताओं से सीखने और अपने लक्ष्यों की दिशा में काम करना जारी रखने में मदद करती है।

गतिविधि 5.5.1 साक्ष्य दीवार

फैसिलिटेटर के लिए निर्देश

- समझाएं कि यह गतिविधि विद्यार्थियों को उनकी अपनी शक्तियों को पहचानने में मदद करती है।

- प्रत्येक विद्यार्थी को कागज की तीन पर्चियां या स्टिकी नोट्स दें।
- उनसे प्रत्येक पर्ची पर एक पिछली उपलब्धि लिखने के लिए कहें, जहाँ उन्होंने कठिनाई पर विजय प्राप्त की थी।
- साक्ष्य दीवार बनाने के लिए विद्यार्थियों को अपने नोट्स एक सामान्य दीवार या बोर्ड पर लगाने के लिए आमंत्रित करें।
- विद्यार्थियों को दूसरों के नोट्स चुपचाप पढ़ने के लिए कुछ मिनट दें।
- इस बारे में संक्षिप्त चर्चा करें कि छोटी सफलताएं आत्मविश्वास कैसे बढ़ाती हैं।

समीक्षा

- हर किसी के पास चुनौतियों पर काबू पाने के पिछले अनुभव होते हैं।
- इन अनुभवों को पहचानना अपनी क्षमताओं में विश्वास जगाता है।
- आत्मविश्वास प्रयास और दृढ़ता को याद रखने से बढ़ता है, न कि केवल सफलता से।
- ये यादें इस बात के प्रमाण के रूप में कार्य करती हैं कि चुनौतियों को संभाला जा सकता है।

सीखे गए उद्यमशीलता कौशल

आत्म-प्रभावकारिता, लचीलापन, आत्मविश्वास निर्माण और सकारात्मक आत्म-चिंतन।

फैसिलिटेटर के लिए सुझाव

- इस बात पर जोर दें कि पिछली उपलब्धियों को पहचानने से विद्यार्थियों को उनकी क्षमताओं में विश्वास पैदा करने में मदद मिलती है।
- इस बात पर प्रकाश डालें कि छोटी सफलताएं और निरंतर प्रयास आत्म-विश्वास को मजबूत करते हैं और विद्यार्थियों को भविष्य की चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार करते हैं।

दृढ़ता का रिकॉर्ड

साप्ताहिक कार्य

फैसिलिटेटर के लिए निर्देश

- इसे सफलता पर नहीं, बल्कि कठिनाई को संभालने पर एक निजी चिंतन के रूप में प्रस्तुत करें।
- विद्यार्थियों को सप्ताह की एक छोटी, वास्तविक चुनौती चुनने के लिए प्रोत्साहित करें।
- उन्हें ईमानदारी से यह आकलन करने में मदद करें कि काम शुरू करने से पहले वे कितने आश्वस्त महसूस कर रहे थे।
- चीजें कठिन होने पर उनके द्वारा उपयोग की गई रणनीति पर ध्यान केंद्रित करने के लिए उनका मार्गदर्शन करें।
- अपूर्ण परिणामों को विफलता के बजाय सबक के रूप में फिर से परिभाषित करने पर जोर दें।
- साझा करने की आवश्यकता नहीं है, केवल स्वैच्छिक प्रतिक्रियाओं को आमंत्रित करें।

अनुपूरक संसाधन सामग्री

1. https://youtu.be/mKQ9CcmK-PQ?si=oD7TyCcNCIMH4ZFW
2. https://youtu.be/4HTKzQm67mw?si=F3sthJC2fyn8ZtjH
3. https://youtu.be/cu6NUQ7QObc?si=dW1PUgAsdITgOfEO

अध्याय 06

हमारी टीम, हमारी क्षमता

X4C1G9

कालांश – 2

सीखने के उद्देश्य

- अपनी-अपनी क्षमताओं और नेतृत्व गुणों को पहचानकर प्रभावी टीम बनाना तथा उचित भूमिकाएँ निर्धारित करना।
- सफल उद्यम के निर्माण में टीमवर्क, नैतिकता और स्थिरता की भूमिका को पहचानना और समझाना।
- सम्मानजनक संवाद और मिलकर निर्णय लेने की प्रक्रिया के माध्यम से मतभेदों को सुलझाने और सहमति बनाने के कौशल विकसित करना।

पूर्व ज्ञान से जोड़ें

- कक्षा 8 में, विद्यार्थियों को डिज़ाइन थिंकिंग के बारे में बताया गया था, जो वास्तविक जीवन की समस्याओं को हल करने का एक व्यवस्थित तरीका है।
- उन्होंने इस प्रक्रिया के मुख्य चरणों को समझा:
- उन्होंने यह भी समझा कि उद्यमिता केवल एक विचार होना नहीं है, बल्कि उस विचार को उपयोगी समाधान में बदलने के लिए एक सोच-समझकर अपनाई गई व्यवस्थित प्रक्रिया का पालन करना आवश्यक है।

K2C4M8

अध्याय विवरण

यह अध्याय विद्यार्थियों को उद्यमिता में टीमवर्क के महत्व से परिचित कराता है। चार विद्यार्थियों की एक कहानी के माध्यम से यह दिखाया गया है कि वे शुरुआत में असफल होते हैं, लेकिन बाद में बेहतर टीमवर्क अपनाकर सफलता प्राप्त करते हैं। इससे विद्यार्थियों को स्पष्ट भूमिकाओं और जिम्मेदार नेतृत्व का महत्व समझ में आता है।

इसके बाद अध्याय में नैतिकता और स्थिरता को टीम के निर्णयों की महत्वपूर्ण आधारशिला के रूप में समझाया गया है।

जयपुर रग्स उदाहरण के माध्यम से यह बताया गया है कि किस प्रकार टीमवर्क, समावेशी नेतृत्व और सम्मानजनक तरीके से मतभेदों को सुलझाना एक बड़े और सार्थक उद्यम का निर्माण कर सकता है।

अध्याय में दी गई गतिविधियाँ विद्यार्थियों को व्यावहारिक अनुभव प्रदान करती हैं, जैसे—टीम बनाना, नेता का चयन करना, मतभेदों को सुलझाना और आपसी सहमति बनाना।

अध्याय का औचित्य

उद्यमिता केवल किसी एक व्यक्ति का कार्य नहीं होती। कोई भी उद्यम तब आगे बढ़ता है जब लोग मिलकर प्रभावी ढंग से काम करते हैं, एक-दूसरे के विचारों का सम्मान करते हैं और एक साझा लक्ष्य की ओर प्रयास करते हैं।

अक्सर विद्यार्थी समूह में काम करते समय कठिनाई महसूस करते हैं, जिसका कारण स्पष्ट संवाद की कमी या भूमिकाओं की सही समझ न होना होता है।

यह अध्याय इसी कमी को दूर करने का प्रयास करता है। इसमें टीम बनाना, नेतृत्व करना, नैतिक सोच विकसित करना और मतभेदों को सुलझाने जैसे व्यावहारिक कौशल सिखाए गए हैं।

यह अध्याय विद्यार्थियों को केवल उद्यमिता से जुड़े कार्यों के लिए ही नहीं, बल्कि जीवन में आने वाली विभिन्न सामूहिक परिस्थितियों के लिए भी तैयार करता है।

SDG और NEP 2020 के साथ सामंजस्य

अध्याय का मुख्य फोकस	संरेखित SDGs	अध्याय से संबंध	NEP 2020 के साथ संरेखण
1 टीम गतिविधि और रोल प्ले	SDG 4 – गुणवत्तापूर्ण शिक्षा	सहयोगात्मक (मिलकर) और अनुभवात्मक अधिगम को बढ़ावा देता है	अनुभवात्मक अधिगम
2 नेतृत्व, संवाद और जिम्मेदारी	SDG 8 – सम्मानजनक कार्य और आर्थिक विकास	उद्यमों के लिए टीमवर्क और नेतृत्व कौशल विकसित करता है	कौशल विकास
3 नैतिकता और स्थिरता पर ध्यान	SDG 12 – जिम्मेदार उपभोग	उद्यमों में स्थिरता की सोच को बढ़ावा देता है	मूल्य आधारित शिक्षा
4 भावनात्मक और सामाजिक अधिगम	SDG 16 – शांति, न्याय और मजबूत संस्थाएँ	सम्मानजनक संवाद और मतभेद समाधान को प्रोत्साहित करता है	समग्र विकास

6.1 प्रभावी टीम बनाना-भूमिकाएँ, क्षमता और नेतृत्व

कहानी: चार विद्यार्थी और असफल प्रोजेक्ट

फैसिलिटेटर के लिए निर्देश

1. केस स्टोरी को ज़ोर से पढ़ें और पहले असफल प्रयास तथा दूसरे सफल प्रयास के बीच अंतर पर विशेष ध्यान दिलाएँ।
2. विद्यार्थियों से पूछें कि पहले प्रयास में असफलता के क्या कारण थे।
3. उन्हें दूसरे प्रयास में किए गए बदलावों की सूची बनाने के लिए मार्गदर्शन दें।
4. भूमिकाओं की स्पष्टता, नेतृत्व और संवाद के महत्व पर एक छोटी चर्चा करवाएँ।
5. विद्यार्थियों से कहें कि वे 3-4 बिंदुओं में लिखें कि एक प्रभावी टीम कैसी होती है।

समीक्षा

1. चर्चा करें- क्या वास्तव में समस्या विचार में थी? क्यों या क्यों नहीं?
2. यह स्पष्ट करें कि एक-दूसरे की बात न सुनना और भूमिकाओं की अस्पष्टता ने भ्रम पैदा किया।
3. दोनों प्रयासों में टीम के व्यवहार की तुलना करवाएँ।
4. इस बात पर जोर दें कि टीमवर्क, विश्वास और व्यवस्थित नेतृत्व ने परिणाम को बदल दिया।

सीखे गए उद्यमी कौशल

टीम में मिलकर काम करना, भूमिकाओं की स्पष्टता और जिम्मेदारी, प्रभावी संवाद और ध्यानपूर्वक सुनना, मतभेदों का समाधान, नेतृत्व और निर्णय लेना और साझा लक्ष्य की ओर कार्य करना।

फैसिलिटेटर के लिए सुझाव

- इस बात पर जोर दें कि सफल टीमवर्क के लिए स्पष्ट भूमिकाएँ, अच्छा संवाद और टीम के सदस्यों के बीच आपसी विश्वास बहुत आवश्यक है।
- यह भी समझाएँ कि गलतियों से सीखना और आपसी समन्वय में सुधार करना, असफल प्रयास को सफल परिणाम में बदल सकता

गतिविधि 6.1.1 अपनी टीम बनाएं और CEO चुनें

फैसिलिटेटर के लिए निर्देश

- विद्यार्थियों को 4–5 के समूहों में विभाजित करें और उन्हें साथ बैठने के लिए कहें।
- प्रत्येक टीम को एक सरल व्यवसायिक विचार (स्कूल या समुदाय से जुड़ा) चुनने के लिए मार्गदर्शन दें।
- उन्हें अपने-अपने गुणों पर चर्चा करने और उसी के अनुसार भूमिकाएँ तय करने के लिए कहें।
- यह सुनिश्चित करें कि प्रत्येक टीम में केवल एक विद्यार्थी को CEO चुना जाए, जो जिम्मेदारी, सुनने की क्षमता, निष्पक्षता और आत्मविश्वास के आधार पर चयनित हो।
- अंत में, टीमों से कहें कि वे 2–3 पंक्तियों में लिखें कि उन्होंने अपने CEO का चयन क्यों किया और प्रत्येक भूमिका टीम की सफलता में कैसे सहायक है।

समीक्षा

1. चर्चा करें कि टीमों ने अपनी भूमिकाएँ कैसे तय कीं और CEO का चयन किस आधार पर किया।
2. प्रश्न पूछें: क्या भूमिकाएँ तय करना आसान था या चुनौतीपूर्ण? क्यों?
3. इस बात पर जोर दें कि नेता का चयन गुणों के आधार पर होना चाहिए, न कि केवल लोकप्रियता के आधार पर।
4. स्पष्ट करें कि स्पष्ट भूमिकाएँ टीमवर्क को बेहतर बनाती हैं और भ्रम को कम करती हैं।

सीखे गए उद्यमशीलता कौशल

अपनी क्षमताओं की पहचान, भूमिकाओं की स्पष्टता और जिम्मेदारी, नेतृत्व का चयन और उत्तरदायित्व, टीम में मिलकर काम करना, निर्णय लेना और सम्मानजनक संवाद करना।

फैसिलिटेटर के लिए सुझाव

- इस बात पर जोर दें कि प्रभावी टीमें प्रत्येक सदस्य की क्षमताओं को पहचानती हैं और उसी के अनुसार भूमिकाएँ निर्धारित करती हैं।
- यह भी स्पष्ट करें कि अच्छा नेतृत्व जिम्मेदारी, निष्पक्षता और दूसरों को सुनने व मार्गदर्शन करने की क्षमता पर आधारित होता है, न कि केवल लोकप्रियता पर।

टीम की कार्यप्रक्रिया पर चिंतन

साप्ताहिक कार्य

फैसिलिटेटर के लिए निर्देश

- इसे प्रदर्शन के मूल्यांकन के रूप में नहीं, बल्कि टीमवर्क और नेतृत्व पर एक शांत चिंतन गतिविधि के रूप में प्रस्तुत करें।

- विद्यार्थियों को याद दिलाएँ कि वे अपनी भूमिका और टीम में अपने योगदान के बारे में ईमानदारी से सोचें।
- उन्हें सामान्य उत्तर देने के बजाय, अपने द्वारा देखे गए विशेष व्यवहार को याद करने के लिए प्रोत्साहित करें।
- विद्यार्थियों को यह समझने में मदद करें कि स्पष्ट भूमिकाएँ टीम में बेहतर संवाद और निर्णय लेने की प्रक्रिया को आसान बनाती हैं।
- कुछ इच्छुक विद्यार्थियों को अपने विचार साझा करने के लिए आमंत्रित करें, साथ ही उन विद्यार्थियों की पसंद का सम्मान करें जो बोलना नहीं चाहते।
- अंत में इस बात पर जोर दें कि नेतृत्व केवल पद नहीं है, बल्कि यह सुनने, मार्गदर्शन करने और दूसरों का सहयोग करने जैसे कार्यों के माध्यम से दिखाई देता है।

6.2 विवाद प्रबंधन और सहमति निर्माण

विद्यार्थियों से कहें कि वे दिए गए अनुच्छेद को पढ़ें और चर्चा करें कि शांतिपूर्वक मतभेदों का समाधान करना और सहमति बनाना टीम को मिलकर बेहतर काम करने और सही निर्णय लेने में कैसे मदद करता है।

केस स्टोरी — जयपुर रग्स

फैसिलिटेटर के लिए निर्देश

- केस स्टडी को ज़ोर से पढ़ें और विद्यार्थियों से पूछें कि जयपुर रग्स मुख्य समस्या को हल करने का प्रयास कर रहा था।

2. विद्यार्थियों को वैल्यू चेन के प्रमुख योगदानकर्ताओं की सूची बनाने के लिए मार्गदर्शन दें, जैसे—कारीगर, डिज़ाइनर, समन्वयक और लॉजिस्टिक्स टीम।
3. उनसे यह समझाने के लिए कहें कि टीमवर्क और समन्वय इस व्यवसाय को सफल बनाने में कैसे मदद करते हैं।
4. विद्यार्थियों को संक्षिप्त लिखित उत्तर देने के लिए प्रोत्साहित करें, जिसमें वे नेतृत्व और मतभेद समाधान की प्रक्रियाओं को उजागर करें।

समीक्षा

1. चर्चा करें कि कंपनी किस प्रकार लाभ और सामाजिक प्रभाव के बीच संतुलन बनाए रखती है।
2. प्रश्न पूछें: यदि टीम का कोई एक भाग समन्वय करने में असफल हो जाए, तो क्या प्रभाव पड़ेगा?
3. यह स्पष्ट करें कि सशक्तिकरण आधारित नेतृत्व और अधिकार आधारित नेतृत्व में क्या अंतर है।
4. इस बात पर जोर दें कि सम्मानजनक संवाद मतभेदों को प्रभावी ढंग से सुलझाने में मदद करता है।

सीखे गए उद्यमी कौशल

सामाजिक उद्यमिता, टीम समन्वय और सहयोग, समावेशी और सहयोगी नेतृत्व, संवाद के माध्यम से मतभेदों का समाधान, विश्वास निर्माण और दीर्घकालिक संबंध प्रबंधन।

फैसिलिटेटर के लिए सुझाव

- यह समझाएँ कि उद्यमिता के माध्यम से आर्थिक और सामाजिक—दोनों प्रकार के मूल्य का निर्माण किया जा सकता है।
- बड़े स्तर पर सफलता के लिए मजबूत व्यवस्था और प्रभावी टीमवर्क बहुत आवश्यक होते हैं।
- इस बात पर जोर दें कि नेतृत्व का अर्थ केवल आदेश देना नहीं, बल्कि दूसरों को सक्षम और सशक्त बनाना है।
- यह भी स्पष्ट करें कि सतत विकास सहयोग, विश्वास और साझा जिम्मेदारी पर आधारित होता है।

गतिविधि 6.2.1 जब विचार टकराते हैं

फैसिलिटेटर के लिए निर्देश

- विद्यार्थियों को छोटे समूहों में विभाजित करें और उन्हें स्थिति को ध्यान से पढ़ने के लिए कहें।
- उन्हें यह पहचानने में मार्गदर्शन दें कि मतभेद किस कारण हुआ और चर्चा क्यों रुक गई।
- प्रत्येक सदस्य को यह साझा करने के लिए प्रोत्साहित करें कि उस स्थिति में अलग-अलग विद्यार्थी कैसा महसूस कर रहे होंगे।
- समूहों से कहें कि वे मतभेद को सम्मानजनक तरीके से सुलझाने के व्यावहारिक उपाय सुझाएँ।
- अंत में, उन्हें 4–5 पंक्तियों में लिखने के लिए कहें कि इस मतभेद को कैसे सुलझाया जा सकता है और सहमति टीम को आगे बढ़ने में कैसे मदद करती है।

समीक्षा

1. चर्चा करें कि समस्या विचारों में थी या उन्हें प्रस्तुत करने के तरीके में।
2. प्रश्न पूछें-बोलने का तरीका और ध्यानपूर्वक सुनना टीमवर्क को कैसे प्रभावित करते हैं?
3. यह स्पष्ट करें कि बहस कभी-कभी अन्य सदस्यों को चुप करा सकती है।
4. इस बात पर जोर दें कि मतभेद होना सामान्य है, लेकिन उन्हें सुलझाने के लिए सम्मानजनक संवाद बहुत आवश्यक है।

सीखे गए उद्यमशीलता कौशल

मतभेदों का समाधान, ध्यानपूर्वक सुनना, भावनात्मक समझ, सम्मानजनक संवाद, सहमति निर्माण और टीम में निर्णय लेना।

फैसिलिटेटर के लिए सुझाव

- यह समझाएँ कि विचारों में भिन्नता यदि सही तरीके से संभाली जाए, तो नवाचार को मजबूत बनाती है।
- इस बात पर जोर दें कि दूसरों को सुनना उतना ही महत्वपूर्ण है जितना अपने विचार प्रस्तुत करना।
- शांत और सकारात्मक चर्चा विश्वास को बढ़ाती है और टीम को प्रभावी ढंग से कार्य करने में मदद करती है।

दैनिक जीवन में मतभेदों को संभालना — साप्ताहिक कार्य

फैसिलिटेटर के लिए निर्देश

- शुरुआत में यह समझाएँ कि मतभेद दैनिक जीवन का सामान्य हिस्सा हैं और इन्हें सकारात्मक तरीके से संभाला जा सकता है।
- विद्यार्थियों से कहें कि वे सप्ताह के दौरान हुई किसी वास्तविक स्थिति के बारे में सोचें, जहाँ विचारों में अंतर था।
- उन्हें यह विश्लेषण करने के लिए प्रोत्साहित करें कि उस स्थिति में लोगों ने कैसे प्रतिक्रिया दी—उनका बोलने का तरीका, व्यवहार और संवाद शैली कैसी थी।
- विद्यार्थियों को यह सोचने के लिए प्रेरित करें कि कौन-से शांत और अधिक सम्मानजनक तरीके अपनाए जा सकते थे, जिससे परिणाम बेहतर हो सकता था।
- यह सुनिश्चित करें कि वे एक स्पष्ट वाक्य लिखें कि ध्यानपूर्वक सुनने और सहमति बनाने से स्थिति कैसे बेहतर हो सकती थी।
- अंत में यह स्पष्ट करें कि इस गतिविधि का उद्देश्य किसी का मूल्यांकन या आलोचना करना नहीं, बल्कि आत्म-चिंतन और सीखना है।

अनुपूरक संसाधन सामग्री

Teachers may share:

1. https://youtu.be/4duPBWzf46E?si=pr0B7528bszwaDn3
2. https://youtube.com/shorts/ND7f4H3zfNE?si=Ic7BA0v-nraz-do5
3. https://youtu.be/MdcNeQD54bQ?si=AIxih_yKEd2bdEtZ
4. https://youtube.com/shorts/vcMQJgKkIxo?si=NlxqiUFPd-fYjxVI

अध्याय 07

डिजिटल कौशल का उपयोग

W9J7F9

कालांश – 3

सीखने के उद्देश्य

- सरल व्यावसायिक कार्यों को व्यवस्थित और पेशेवर तरीके से प्रबंधित करने के लिए बुनियादी डिजिटल उपकरणों (वर्ड प्रोसेसिंग, स्प्रेडशीट, प्रस्तुतीकरण और पीडीएफ) का उपयोग करना सीखना।
- व्यावसायिक योजना, निर्णय लेने और विकास में एक मूल्यवान संपत्ति के रूप में डेटा की भूमिका को परिभाषित करना/ उस पर चर्चा करना।
- मानवीय विवेक, नैतिकता और मूल्यों के महत्व को पहचानते हुए आधुनिक व्यवसायों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) के उपयोग का अन्वेषण करना।

पूर्व ज्ञान से जोड़ना

- कक्षा 8 में, विद्यार्थियों को डिजिटल दुनिया से परिचित कराया गया था और उन्होंने डिजिटल तथा गैर-डिजिटल कार्य के बीच के अंतर को समझा था।
- उन्होंने निम्नलिखित का अभ्यास किया-ईमेल लिखना, डिजिटल पोस्टर बनाना, बुनियादी ऑनलाइन सुरक्षा नियमों का पालन करना।
- विद्यार्थियों को कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) से परिचित कराया गया और उन्होंने निम्नलिखित का अन्वेषण किया, इस आधार ने विद्यार्थियों को निम्नलिखित बनने में मदद की-AI और मानव बुद्धि में क्या अंतर है, जब तकनीक का उपयोग जिम्मेदारी से किया जाए तो वह मानव कार्य में किस प्रकार सहायक होती है

ABS8U3

अध्याय विवरण

अध्याय की शुरुआत स्कूल मेले में दो विद्यार्थियों की एक प्रासंगिक कहानी से होती है, जो यह दर्शाती है कि डिजिटल उपकरण प्रस्तुतीकरण, स्पष्टता और लाभ में कैसे अंतर पैदा कर सकते हैं। यह उद्यमिता में डिजिटल साक्षरता के महत्व का परिचय देता है और समझाता है कि दस्तावेज़, स्प्रेडशीट, प्रस्तुतीकरण और क्लाउड स्टोरेज जैसे उपकरण कार्य को कैसे पेशेवर और कुशल बनाते हैं। इसके बाद विद्यार्थियों को निर्णय लेने के एक महत्वपूर्ण हिस्से के रूप में डेटा (आँकड़ों) के विचार से परिचित कराया जाता है। अंत में, अध्याय कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) की भूमिका को एक सहायक उपकरण के रूप में स्पष्ट करता है जो मानवीय सोच को केंद्र में रखते हुए उत्पादकता को बढ़ाता है। क्रियाकलाप विद्यार्थियों को उपयुक्त उपकरणों की पहचान करने, डेटा के उपयोग को समझने और AI के लिए उपयुक्त कार्यों तथा मानवीय विवेक की आवश्यकता वाले कार्यों के बीच अंतर करने में मदद करते हैं।

अध्याय का औचित्य

आधुनिक दुनिया में, उद्यमिता और प्रौद्योगिकी गहराई से जुड़े हुए हैं। छोटे उद्यमों (व्यवसायों) को भी संचार, रिकॉर्ड रखने, प्रस्तुतीकरण और योजना बनाने के लिए बुनियादी डिजिटल कौशल की आवश्यकता होती है। यह अध्याय

विद्यार्थियों को मूलभूत डिजिटल साक्षरता से लैस करता है जो उन्हें अपने काम को व्यवस्थित करने, विचारों को आत्मविश्वास से प्रस्तुत करने और जानकारी का बुद्धिमानी से उपयोग करने में मदद करेगा। यह व्यवसाय में AI के जिम्मेदार उपयोग के बारे में जागरूकता भी पैदा करता है।

SDG और NEP 2020 के साथ सामंजस्य

अध्याय का केंद्र बिंदु	संरेखित SDGs	अध्याय के साथ संबंध	NEP 2020 के साथ संरेखण
1 डिजिटल उपकरणों का उपयोग और AI जागरूकता	SDG 4 – गुणवत्तापूर्ण शिक्षा	डिजिटल साक्षरता और आधुनिक सीखने के कौशल को बढ़ावा देता है	डिजिटल साक्षरता
2 व्यावहारिक डिजिटल और डेटा कौशल	SDG 8 – उत्कृष्ट कार्य और आर्थिक वृद्धि	विद्यार्थियों को प्रौद्योगिकी-संचालित उद्यमों के लिए तैयार करता है	कौशल विकास
3 व्यावहारिक (Hands-on) डिजिटल गतिविधियाँ	SDG 9 – उद्योग, नवाचार और बुनियादी ढाँचा	प्रौद्योगिकी और नवाचार के उपयोग को प्रोत्साहित करता है	अनुभवात्मक अधिगम (Experiential Learning)
4 जिम्मेदार AI उपयोग	SDG 12 – जिम्मेदारीपूर्ण उपभोग	प्रौद्योगिकी के विचारशील और नैतिक उपयोग को बढ़ावा देता है	मूल्य आधारित शिक्षा

7.1 डिजिटल कौशल क्यों महत्वपूर्ण हैं?

विद्यार्थियों से कहानी को ध्यानपूर्वक पढ़ने के लिए कहें और यह पहचानने को कहें कि स्कूल मेले के दौरान सूरज और आयरा ने अपने स्टॉल को किस प्रकार अलग-अलग तरीके से व्यवस्थित किया। इस बात पर चर्चा करें कि डिजिटल उपकरणों के उपयोग ने आयरा को अपने विचार को अधिक स्पष्ट रूप से प्रस्तुत करने, अपने काम पर नज़र रखने (ट्रैक करने) और ग्राहकों का विश्वास हासिल करने में कैसे मदद की।

गतिविधि 7.1.1 कार्य के अनुसार उपकरण का मिलान

फैसिलिटेटर के लिए निर्देश

- विद्यार्थियों को मिलान कार्य पूरा करने के लिए व्यक्तिगत रूप से या जोड़े में काम करने के लिए कहें।
- मिलान करने से पहले उन्हें प्रत्येक उपकरण और उसके संभावित उपयोग को ध्यानपूर्वक पढ़ने के लिए मार्गदर्शन दें।
- उन्हें अपनी नोटबुक में सही मिलान लिखने का निर्देश दें।
- कार्य पूरा होने के बाद साथियों के साथ एक संक्षिप्त चर्चा आयोजित करें।

समीक्षा

- पूरी कक्षा के साथ सही मिलान की समीक्षा करें।
- पूछें- सही उपकरण चुनने से काम कैसे आसान हो जाता है?
- वास्तविक जीवन के उन उदाहरणों पर चर्चा करें जहाँ एक छोटे व्यवसाय में प्रत्येक उपकरण का उपयोग किया जा सकता है।

सीखे गए उद्यमशीलता कौशल

डिजिटल साक्षरता, उपकरण का चयन और अनुप्रयोग, व्यवस्थित दस्तावेज़ीकरण (प्रलेखन), वित्तीय रिकॉर्ड प्रबंधन, प्रस्तुतीकरण कौशल

फैसिलिटेटर के लिए सुझाव

- सही डिजिटल उपकरण कार्यकुशलता और स्पष्टता बढ़ाता है।
- व्यवस्थित रिकॉर्ड बेहतर निर्णय लेने में सहायता करते हैं।
- आधुनिक उद्यमशीलता के लिए डिजिटल कौशल आवश्यक हैं।
- विद्यार्थियों को कार्य की आवश्यकताओं के आधार पर सोच-समझकर उपकरण चुनने के लिए प्रोत्साहित करें।

सही डिजिटल टूल चुनना

साप्ताहिक कार्य

फैसिलिटेटर के लिए निर्देश

- यह समझाते हुए शुरुआत करें कि सही डिजिटल उपकरण चुनने से कार्यकुशलता और व्यवस्था में सुधार होता है।
- विद्यार्थियों को प्रत्येक दैनिक कार्य का एक व्यावहारिक डिजिटल उपकरण (जैसे, वर्ड, एक्सेल, पीडीएफ, पॉवरपॉइंट) के साथ मिलान करने के लिए निर्देशित करें।
- उन्हें सरल और तार्किक शब्दों में अपने कारणों को स्पष्ट रूप से समझाने के लिए प्रोत्साहित करें।

7.2 रोजमर्रा के व्यापार में डेटा को समझना

विद्यार्थियों से गद्यांश पढ़ने के लिए कहें और चर्चा करें कि डेटा उद्यमियों को परिणामों को समझने, प्रतिरूपों की पहचान करने और सोच-समझकर निर्णय लेने में कैसे मदद करता है।

गतिविधि 7.2.1 सरल डेटा ट्रैकर

फैसिलिटेटर के लिए निर्देश

- विद्यार्थियों से अपने व्यावसायिक विचार (स्कूल या समुदाय-आधारित) के बारे में सोचने के लिए कहें।
- उनके उद्यम द्वारा एकत्र किए जाने वाले 2-3 प्रकार के सरल डेटा (जैसे- बिक्री, खर्च, फीडबैक आदि) की पहचान करने में उनका मार्गदर्शन करें।
- उन्हें यह समझाने का निर्देश दें कि प्रत्येक प्रकार का डेटा बेहतर निर्णय लेने में कैसे सहायता करता है।
- सैद्धांतिक उत्तरों के बजाय स्पष्ट और व्यावहारिक उदाहरणों को प्रोत्साहित करें।

समीक्षा

- इस बात पर चर्चा करें कि डेटा व्यवसाय में अनुमान (अटकलबाजी) को कैसे कम करता है।
- पूछें- क्या उचित जानकारी के बिना अच्छे निर्णय लिए जा सकते हैं?
- इस बात पर प्रकाश डालें कि डेटा को ट्रैक करने (नज़र रखने) से योजना और प्रदर्शन में कैसे सुधार होता है।

सीखे गए उद्यमशीलता कौशल

डेटा जागरूकता (डेटा के प्रति जागरूकता), विश्लेषणात्मक सोच, निर्णय लेना, योजना बनाना और निगरानी करना, प्रदर्शन में सुधार

फैसिलिटेटर के लिए सुझाव

- डेटा उद्यमियों को सोच-समझकर निर्णय लेने में मदद करता है।
- छोटे, सरल रिकॉर्ड बड़ी गलतियों को रोक सकते हैं।
- विद्यार्थियों को जानकारी को एक शक्तिशाली व्यावसायिक उपकरण के रूप में मानने के लिए प्रोत्साहित करें।
- स्मार्ट ट्रैकिंग से अधिक स्मार्ट विकास होता है।

घरेलू डेटा जाँच

साप्ताहिक कार्य

फैसिलिटेटर के लिये निर्देश

- यह समझाते हुए शुरुआत करें कि डेटा केवल एक उपयोगी जानकारी है जो बेहतर निर्णय लेने में मदद करती है।
- विद्यार्थियों से घर पर किसी एक ऐसी नियमित गतिविधि को चुनने के लिए कहें जिसमें स्वाभाविक रूप से संख्याएँ या उपयोग शामिल हों।
- उन्हें कुछ दिनों तक निष्पक्ष रूप से अवलोकन करने और सरल, सटीक डेटा रिकॉर्ड करने (दर्ज करने) के लिए मार्गदर्शन दें।
- उन्हें रोज़ाना के स्पष्ट और साफ़ रिकॉर्ड (जैसे- संख्या, गिनती, मिनट, मात्रा आदि) रखने के लिए प्रोत्साहित करें।
- विद्यार्थियों को याद दिलाएं कि वे कोई राय न बनाएं—यह केवल अवलोकन के बारे में है, आलोचना नहीं।
- रिकॉर्ड करने के बाद, इस बात पर एक संक्षिप्त चर्चा शुरू करें कि यह डेटा कार्यकुशलता में सुधार करने या बर्बादी को कम करने में कैसे मदद कर सकता है।
- इस बात पर ज़ोर दें कि साधारण डेटा भी अधिक स्मार्ट योजना बनाने और जिम्मेदार आदतों का विकास करने में सहायक हो सकता है।

7.3 डेटा से प्रौद्योगिकी में AI को समझना

विद्यार्थियों से गद्यांश पढ़ने के लिए कहें और चर्चा करें कि मानवीय सोच और विवेक पर निर्भर रहते हुए भी AI (कृत्रिम बुद्धिमत्ता) किस प्रकार उद्यमियों को डेटा का विश्लेषण करने, काम को व्यवस्थित करने और विचारों को बेहतर बनाने में सहायता कर सकता है।

गतिविधि 7.3.1 AI के साथ विचार-मंथन

फैसिलिटेटर के लिए निर्देश

- विद्यार्थियों से जोड़े में काम करने और अपने व्यावसायिक विचार पर चर्चा करने के लिए कहें।
- एक ऐसे कार्य की पहचान करने में उनका मार्गदर्शन करें जहाँ AI सहायता कर सकता है (जैसे- डेटा विश्लेषण, बिक्री पर नज़र रखना, डिज़ाइन तैयार करना)।

- उनसे एक ऐसे कार्य की पहचान करने के लिए कहें जहाँ मानवीय विवेक आवश्यक है (जैसे- निर्णय लेना, सहानुभूति, संघर्ष समाधान)।
- यह सुनिश्चित करें कि वे अपनी नोटबुक में स्पष्ट और व्यावहारिक उदाहरण लिखें।

समीक्षा

- इस बात पर चर्चा करें कि AI व्यावसायिक कार्यों में गति और कार्यकुशलता में कैसे सुधार कर सकता है।
- पूछें: AI मानवीय मूल्यों और नैतिक विवेक का स्थान क्यों नहीं ले सकता है?
- प्रौद्योगिकी और मानवीय जिम्मेदारी के बीच संतुलन पर प्रकाश डालें।

सीखे गए उद्यमशीलता कौशल

डिजिटल जागरूकता, समालोचनात्मक सोच, कार्य मूल्यांकन, नैतिक तर्क, प्रौद्योगिकी का रणनीतिक उपयोग

फैसिलिटेटर के लिए सुझाव

- AI एक सहायक उपकरण है, मानवीय सोच का विकल्प नहीं।
- जिम्मेदारी से उपयोग किए जाने पर प्रौद्योगिकी उत्पादकता बढ़ाती है।
- उद्यमशीलता में मानवीय सहानुभूति, निष्पक्षता और विवेक आवश्यक बने हुए हैं।
- डिजिटल उपकरणों के विचारशील और संतुलित उपयोग को प्रोत्साहित करें।

AI और मानवीय सोच के बीच चयन करना

साप्ताहिक कार्य

फैसिलिटेटर के लिये निर्देश

- यह समझाते हुए शुरुआत करें कि AI और मानवीय सोच दोनों की अपनी-अपनी ताकत (विशेषताएँ) हैं, और लक्ष्य समझदारी से चुनाव करना है।
- विद्यार्थियों को प्रत्येक व्यावसायिक कार्य को ध्यानपूर्वक पढ़ने और यह सोचने के लिए निर्देशित करें कि इसके लिए क्या आवश्यक है—गति, गणना, सहानुभूति, रचनात्मकता, या नैतिक विवेक।
- उन्हें अनुमान लगाने के बजाय एक स्पष्ट, तार्किक कारण के साथ अपने चुनाव (विकल्प) को उचित ठहराने के लिए प्रोत्साहित करें।
- विद्यार्थियों को याद दिलाएं कि कुछ कार्यों में रचनात्मकता शामिल हो सकती है (AI इसमें सहायता कर सकता है), लेकिन अंतिम निर्णयों के लिए अक्सर मानवीय जिम्मेदारी की आवश्यकता होती है।
- विभिन्न दृष्टिकोणों को उजागर करने के लिए उत्तरों की तुलना करते हुए कक्षा में एक संक्षिप्त चर्चा आयोजित करें।
- यह पुष्ट करते हुए निष्कर्ष निकालें कि AI कार्यकुशलता में सहायता करता है, लेकिन व्यावसायिक निर्णयों में मानवीय मूल्य और विवेक आवश्यक बने हुए हैं।

अनुपूरक संसाधन सामग्री

1. https://www.youtube.com/watch?v=2MCmnr2L50o
2. https://youtu.be/K2v_UJ5kFio?si=jOaFJEEssIy-BHja
3. https://youtu.be/rwF-X5STYks?si=fWgwbocIWIg9iQqP
4. https://youtu.be/xoWmmsb9WeE?si=v9bWYimOa_ZVD95q

अध्याय 08

वित्तीय साक्षरता (व्यवसाय के लिए ईंधन)

C5B9B4

कालांश – 3

सीखने के उद्देश्य

- उद्यमियों के लिए वित्तीय साक्षरता के महत्व को समझना और यह जानना कि धन का सावधानीपूर्वक प्रबंधन किस प्रकार व्यावसायिक सफलता को प्रभावित करता है।
- किसी छोटे व्यवसाय या उद्यम के लिए आय, व्यय, लाभ और बचत की पहचान करके एक सरल बजट तैयार करने की क्षमता विकसित करना।
- उत्तरदायी वित्तीय निर्णय लेने के कौशल विकसित करना, जो व्यवसाय की स्थिरता और दीर्घकालिक विकास में सहायक हों।

पूर्व ज्ञान से जोड़ना

D6D5Q6

- कक्षा 8 में, "वित्तीय साक्षरता की नींव" इकाई के अंतर्गत विद्यार्थियों ने कुछ प्रमुख अवधारणाओं का अध्ययन किया, जैसे-आवश्यकताएँ और इच्छाएँ, अवसर लागत, बचत और निवेश, तथा जिम्मेदारीपूर्वक धन संबंधी निर्णय लेना।
- उन्होंने समझा कि वित्तीय निर्णय दैनिक जीवन और परिवार के कल्याण को किस प्रकार प्रभावित करते हैं।
- विद्यार्थियों ने इस बात के प्रति जागरूकता विकसित की कि धन को किस प्रकार: अर्जित, खर्च, बचत और जिम्मेदारीपूर्वक निवेश किया जाता है।
- इस आधार ने उन्हें धन को केवल मुद्रा के रूप में नहीं, बल्कि एक ऐसे संसाधन के रूप में देखने में मदद की, जिसके लिए सावधानीपूर्वक प्रबंधन की आवश्यकता होती है।

अध्याय विवरण

अध्याय की शुरुआत नींबू पानी बेचने वाले दो दोस्तों की एक भरोसेमंद कहानी से होती है, जो यह बताती है कि वित्तीय योजना की अनदेखी करने पर समान प्रयासों के अलग-अलग परिणाम कैसे हो सकते हैं। यह बजट की अवधारणा का परिचय देता है और बताता है कि खर्चों को नियंत्रित करने और लाभ को समझने के लिए बजट बनाना क्यों आवश्यक है। विद्यार्थी बजट के घटकों—राजस्व, व्यय और लाभ—के साथ-साथ बचत और पुनर्निवेश के महत्व का पता लगाते हैं। गतिविधियों और केस स्टडी के माध्यम से, विद्यार्थी दृश्य और छिपी हुई लागतों की पहचान करने और सरल बजट तैयार करने का अभ्यास करते हैं।

इसके बाद अध्याय व्यवसायों को समर्थन देने में बैंकों की भूमिका पर चर्चा करता है, जिसमें धन को सुरक्षित रखना, रिकॉर्ड बनाए रखना और वित्तीय सेवाओं के माध्यम से विकास को सक्षम करना शामिल है। भूमिका निभाने और चिंतनशील कार्य विद्यार्थियों को वास्तविक जीवन की बैंकिंग प्रथाओं के साथ बजट को जोड़ने में मदद करते हैं।

अध्याय का औचित्य

उद्यमी अक्सर विचारों और प्रयासों पर ध्यान केंद्रित करते हैं, लेकिन समझदारी से धन प्रबंधन के महत्व की अनदेखी कर देते हैं। कई छोटे उद्यम कमजोर विचारों के बजाय खराब वित्तीय योजना के कारण विफल हो जाते हैं। यह अध्याय विद्यार्थियों को बुनियादी वित्तीय साक्षरता कौशल से लैस करता है जो उन्हें यह समझने में मदद करते हैं कि व्यवसाय में धन का प्रवाह कैसे होता है। यह उन्हें खर्चों की योजना बनाने, लाभ की गणना करने और व्यावसायिक विकास के लिए वित्तीय संस्थानों का जिम्मेदारी से उपयोग करने के लिए तैयार करता है।

SDG और NEP 2020 के साथ सामंजस्य

अध्याय का मुख्य केंद्र	संरेखित सतत विकास लक्ष्य – SDGs)	अध्याय के साथ जुड़ाव	NEP 2020 के साथ संरेखण
1 गतिविधियों और केस स्टडी के माध्यम से सीखना	SDG 4 – गुणवत्तापूर्ण शिक्षा	व्यावहारिक वित्तीय साक्षरता कौशल विकसित करता है	अनुभवात्मक अधिगम
2 बजट बनाना और वित्तीय निर्णय लेने का कौशल	SDG 8 – उचित कार्य और आर्थिक विकास	उद्यमों में जिम्मेदार धन प्रबंधन को प्रोत्साहित करता है	कौशल विकास
3 बैंकों और वित्तीय रिकॉर्ड को समझना	SDG 9 – उद्योग, नवाचार और बुनियादी ढांचा	बैंकिंग और वित्तीय प्रणालियों का परिचय देता है	वित्तीय साक्षरता
4 जिम्मेदार वित्तीय व्यवहार	SDG 12 – जिम्मेदार उपभोग और उत्पादन	विचारशील खर्च और बचत को बढ़ावा देता है	मूल्य आधारित शिक्षा

8.1 एक ही विचार, लेकिन अलग-अलग वित्तीय विकल्प

विद्यार्थियों को आरव और मीरा की कहानी पढ़ने के लिए कहें और पहचानें कि धन प्रबंधन के प्रति उनके दृष्टिकोण कैसे भिन्न थे। उन्हें यह चर्चा करने के लिए निर्देशित करें कि राजस्व, व्यय और लाभ का रिकॉर्ड रखना उद्यमियों को उनके व्यवसाय को बेहतर ढंग से समझने में कैसे मदद करता है।

विद्यार्थियों को बजट, बचत और पुनर्निवेश के विचार को सरल स्थितियों से जोड़ने के लिए प्रोत्साहित करें, जैसे कि पॉकेट मनी का प्रबंधन करना या किसी छोटी गतिविधि की योजना बनाना।

फैसिलिटेटर के लिए निर्देश

- केस स्टडी को जोर से पढ़ें और विद्यार्थियों से आरव और मीरा के दृष्टिकोण की तुलना करने के लिए कहें।
- उन्हें यह पहचानने में मार्गदर्शन करें कि आरव अपनी कमाई के प्रबंधन में कहाँ चूक गया।
- विद्यार्थियों से यह समझाने के लिए कहें कि मीरा के रिकॉर्ड-कीपिंग ने उसे लाभ समझने में कैसे मदद की।
- विद्यार्थियों को किसी भी उद्यम में बजट के महत्व पर 3-4 पंक्तियाँ लिखने का निर्देश दें।

समीक्षा

- चर्चा करें कि क्या केवल कड़ी मेहनत ही सफलता की गारंटी देती है।
- पूछें - मीरा के परिणाम में वित्तीय योजना की क्या भूमिका थी?
- लागतों पर नज़र रखने, उचित मूल्य निर्धारण और लाभ की गणना के महत्व पर प्रकाश डालें।
- इस बात पर जोर दें कि योजना बेहतर निर्णय लेने में सहायता करती है।

सीखे गए उद्यमिता कौशल

बजट बनाना और लागत की गणना, रिकॉर्ड-कीपिंग (अभिलेख-रखरखाव), मूल्य निर्धारण रणनीति, लाभ विश्लेषण, वित्तीय उत्तरदायित्व

फैसिलिटेटर के लिए सुझाव

- केवल बिक्री से लाभ सुनिश्चित नहीं होता-योजना और ट्रैकिंग मायने रखती है।
- स्पष्ट वित्तीय रिकॉर्ड भ्रम और जोखिम को कम करते हैं।
- विद्यार्थियों को धन प्रबंधन को एक मुख्य उद्यमिता कौशल के रूप में मानने के लिए प्रोत्साहित करें।
- टिकाऊ उद्यमों के लिए प्रयास और वित्तीय अनुशासन दोनों की आवश्यकता होती है।

गतिविधि 8.1.1 वास्तविक लागत का अनुमान लगाएँ

फैसिलिटेटर के लिए निर्देश

- विद्यार्थियों से सूची को ध्यान से पढ़ने और नींबू पानी के व्यवसाय में लागत से जुड़ी सभी वस्तुओं पर टिक करने के लिए कहें।
- उन्हें दृश्य और कम स्पष्ट दोनों लागतों के बारे में सोचने के लिए प्रोत्साहित करें।
- वस्तुओं पर टिक करने के बाद सहकर्मियों के साथ संक्षिप्त चर्चा करें।

समीक्षा

- चर्चा करें कि सूचीबद्ध सभी वस्तुओं में कुछ लागत क्यों शामिल है, यहाँ तक कि पानी या बर्फ में भी।
- पूछें- यदि मूल्य निर्धारण के दौरान छोटी लागतों की अनदेखी की जाए तो क्या होगा?
- इस बात पर प्रकाश डालें कि लागतों को कम आंकने से लाभ कैसे कम हो जाता है।

सीखे गए उद्यमशीलता कौशल

लागत की पहचान, बजट बनाने के प्रति जागरूकता, वित्तीय जिम्मेदारी, लाभ गणना की मूल बातें

फैसिलिटेटर के लिए सुझाव

- व्यवसाय में उपयोग किए जाने वाले हर संसाधन की एक लागत होती है।
- छोटे खर्चों को जब नज़रअंदाज़ किया जाता है, तो वे स्थिरता को प्रभावित करते हैं।
- सावधानीपूर्वक बजट बनाना सूचित और जिम्मेदार निर्णय लेने की ओर ले जाता है।

घरेलू खर्चों को समझना — साप्ताहिक कार्य

फैसिलिटेटर के लिये निर्देश

- यह समझाकर शुरुआत करें कि बजट बनाना केवल व्यवसायों के लिए ही नहीं बल्कि परिवारों के लिए भी है।
- विद्यार्थियों से घर पर किसी वयस्क के साथ सम्मानपूर्वक बात करने के लिए कहें ताकि वे सामान्य मासिक खर्चों को समझ सकें।

- यथार्थवादी खर्चों की सूची बनाने में उनका मार्गदर्शन करें (जैसे, किराने का सामान, बिजली, किराया, स्कूल की फीस, परिवहन)।
- विद्यार्थियों को अनुमानित राशि लिखने और गोपनीयता बनाए रखने की याद दिलाएं—कक्षा में संवेदनशील विवरण साझा करने की कोई आवश्यकता नहीं है।
- आवश्यकता, नियंत्रण और योजना पर ध्यान केंद्रित करते हुए प्रतिबिंब प्रश्नों के विचारशील उत्तर देने के लिए प्रोत्साहित करें।
- यह सुदृढ़ करते हुए निष्कर्ष निकालें कि वित्तीय जागरूकता जिम्मेदारी और समझदारी से निर्णय लेने की क्षमता का निर्माण करती है।

8.2 खर्च करने से पहले योजना बनाना

विद्यार्थियों को गद्यांश और केस स्टोरी को ध्यान से पढ़ने के लिए कहें और पहचानें कि बजट बनाने ने काव्या को रोहन की तुलना में अधिक प्रभावी ढंग से स्टाल की योजना बनाने में कैसे मदद की। विद्यार्थियों के साथ चर्चा करें कि नुकसान से बचने और व्यवसाय को सफलतापूर्वक प्रबंधित करने के लिए लागत का अनुमान लगाना, खर्चों पर नज़र रखना और आय की योजना बनाना क्यों महत्वपूर्ण है।

केस स्टोरी — एक स्टॉल जो लगभग असफल हो गया

फैसिलिटेटर के लिये निर्देश

- केस स्टडी को ज़ोर से पढ़ें और विद्यार्थियों से रोहन और काव्या के दृष्टिकोण की तुलना करने के लिए कहें।
- यह पहचानने में उनका मार्गदर्शन करें कि गलती कहाँ हुई।
- विद्यार्थियों से यह समझाने के लिए कहें कि दूसरे मेले में बजट बनाने से परिणाम कैसे बदल गया।
- उन्हें उद्यम शुरू करने से पहले खर्चों की योजना बनाने के महत्व पर 3-4 पंक्तियाँ लिखने का निर्देश दें।

समीक्षा

- चर्चा करें कि क्या अच्छी बिक्री का मतलब हमेशा अच्छा लाभ होता है।
- पूछें: किन छिपी हुई लागतों ने उनकी कमाई को प्रभावित किया?
- इस बात पर प्रकाश डालें कि बिना गणना के अनुमान कैसे वित्तीय जोखिम पैदा कर सकते हैं।
- आय और व्यय की सावधानीपूर्वक समीक्षा करने के मूल्य पर ज़ोर दें।

सीखे गए उद्यमशीलता कौशल

बजट योजना, लागत गणना, लाभ विश्लेषण, वित्तीय अनुशासन, अनुभव से सीखना

फैसिलिटेटर के लिए सुझाव

- हर छोटा खर्च कुल लाभ को प्रभावित करता है।
- योजना बनाने से अप्रत्याशित नुकसान से बचाव होता है।
- वित्तीय जागरूकता उद्यमिता में आत्मविश्वास पैदा करती है।
- स्मार्ट बजटिंग प्रयास को स्थायी सफलता में बदल देती है।

गतिविधि 8.2.1 — अपना पहला बजट बनाएं

फैसिलिटेटर के लिए निर्देश

- विद्यार्थियों को स्कूल के मेले में एक छोटा स्टॉल चलाने की कल्पना करने के लिए कहें।

- लाभ की गणना करने से पहले यथार्थवादी आय और खर्चों का अनुमान लगाने में उनका मार्गदर्शन करें।
- सुनिश्चित करें कि वे बजट तालिका को स्पष्ट रूप से पूरा करें (आय – व्यय = लाभ)।
- उनसे चिंतन प्रश्नों के संक्षिप्त और विचारशील वाक्यों में उत्तर देने के लिए कहें।

समीक्षा

- चर्चा करें कि आय, व्यय और लाभ एक-दूसरे से कैसे जुड़े हैं।
- पूछें- क्या खर्चों को जाने बिना लाभ की गणना की जा सकती है?
- इस बात पर प्रकाश डालें कि खराब बजटिंग से भ्रम या नुकसान क्यों होता है।
- खर्च करने से पहले योजना बनाने पर ज़ोर दें।

सीखे गए उद्यमशीलता कौशल

बजट तैयार करना, आय और व्यय की ट्रैकिंग, लाभ की गणना, वित्तीय निर्णय लेना, योजना और प्राथमिकता तय करना।

फैसिलिटेटर के लिए सुझाव

- बजट बनाना वित्तीय सफलता की नींव है।
- स्पष्ट योजना जोखिम और अनिश्चितता को कम करती है।
- लाभ कोई अंदाज़ा नहीं है-इसकी गणना की जाती है।
- शुरुआत से ही अनुशासित वित्तीय सोच को प्रोत्साहित करें।

समझदारी से खर्च और सही निर्णय

साप्ताहिक कार्य

फैसिलिटेटर के लिये निर्देश

- यह समझाकर शुरुआत करें कि लाभ कमाना केवल पहला कदम है, इसे बुद्धिमानी से प्रबंधित करना भी उतना ही महत्वपूर्ण है।
- विद्यार्थियों को व्यक्तिगत खर्च के बजाय पुनर्निवेश, बचत और सुधार के बारे में व्यावहारिक रूप से सोचने के लिए प्रेरित करें।
- तीन स्पष्ट उद्देश्यों के लिए ₹1,000 के यथार्थवादी आवंटन को प्रोत्साहित करें।
- उन्हें एक ऐसे खर्च को प्राथमिकता देने के लिए कहें जो दीर्घकालिक व्यावसायिक विकास में सहायता करता हो।
- विद्यार्थियों से एक ऐसा खर्च पहचानने को कहें जिसे टाला जा सकता है और उसका कारण स्पष्ट करने को कहें।
- आपात स्थिति, विस्तार या भविष्य के निवेश के लिए बचत के महत्व को सुदृढ़ करें।
- सुनिश्चित करें कि इसका चिंतन जिम्मेदार वित्तीय निर्णय लेने और योजना बनाने पर प्रकाश डाले।

8.3 व्यवसाय में बैंकों और उनकी भूमिका को समझना

विद्यार्थियों को गद्यांश पढ़ने और व्यक्तियों तथा व्यवसायों को बैंकों द्वारा प्रदान की जाने वाली विभिन्न सेवाओं की पहचान करने के लिए कहें।

चर्चा करें कि बैंक उद्यमियों को सुरक्षित रूप से धन प्रबंधित करने, वित्तीय रिकॉर्ड ट्रैक करने और बचत, ऋण तथा डिजिटल भुगतान के माध्यम से व्यावसायिक विकास में कैसे सहायता करते हैं।

गतिविधि 8.3.1 भूमिका निर्वहन- बैंक की यात्रा

फैसिलिटेटर के लिए निर्देश

- विद्यार्थियों को 4-5 के समूहों में विभाजित करें और उन्हें भूमिकाएँ सौंपें (व्यवसाय का मालिक, बैंक अधिकारी, खाता सहायक, ऋण सलाहकार)।
- प्रत्येक छात्र से अपनी भूमिका को समझने और सरल प्रतिक्रियाएँ तैयार करने के लिए कहें।
- खातों, बचत, ऋण और विवरण (स्टेटमेंट) पर चर्चा करने वाले बैंक दौरे का अभिनय करने के लिए समूहों का मार्गदर्शन करें।
- यह सुनिश्चित करें कि वे रोल प्ले के बाद लिखित प्रश्नों के उत्तर दें।

समीक्षा

- चर्चा करें कि व्यवसायों को बैंक खाते क्यों खोलने चाहिए।
- पूछें- बैंक पैसे को व्यवस्थित करने और ट्रैक करने में कैसे मदद करते हैं?
- बजटिंग और वित्तीय योजना में बैंक स्टेटमेंट (विवरण) की भूमिका पर प्रकाश डालें।
- जिम्मेदार उधार और ऋण कब उपयुक्त होता है, इस पर जोर दें।

सीखे गए उद्यमशीलता कौशल

वित्तीय साक्षरता, संचार कौशल, निर्णय लेना, बैंकिंग सेवाओं को समझना, जिम्मेदार वित्तीय योजना

फैसिलिटेटर के लिए सुझाव

- बैंक व्यावसायिक फंडों की सुरक्षा, संगठन और विकास में सहायता करते हैं।
- उचित बैंकिंग वित्तीय अनुशासन और विश्वसनीयता बनाती है।
- ऋण सोच-समझकर और योजना के साथ लिए जाने चाहिए।
- विद्यार्थियों को बैंकों को व्यावसायिक विकास में भागीदार के रूप में देखने के लिए प्रोत्साहित करें।

मेरा व्यवसाय और बैंक — साप्ताहिक कार्य

फैसिलिटेटर के लिए निर्देश

- रोल-प्ले गतिविधि से मिली प्रमुख सीखों को दोहराते हुए शुरुआत करें कि बैंक कैसे कार्य करते हैं।
- विद्यार्थियों से किसी छोटे स्थानीय व्यवसाय के मालिक का निरीक्षण करने या उनसे सम्मानपूर्वक बात करने के लिए कहें (कोई दखल देने वाले प्रश्न नहीं)।
- उन्हें व्यावहारिक रूप से यह सोचने के लिए प्रेरित करें कि उस व्यवसाय को बैंक खाते की आवश्यकता क्यों होगी (सुरक्षा, रिकॉर्ड रखना, डिजिटल भुगतान, ऋण)।
- विद्यार्थियों को व्यवसाय की प्रकृति के आधार पर संबंधित बैंक सेवाओं को टिक करने के लिए प्रोत्साहित करें।
- उन्हें बैंकिंग सेवाओं को भविष्य के विकास (विस्तार, क्रेडिट, सुचारू लेनदेन) से जोड़ने के लिए प्रेरित करें।
- सुनिश्चित करें कि चिंतन वित्तीय संगठन, सुरक्षा और विकास सहायता पर केंद्रित हो।
- इस बात को निश्चित करें कि बैंक जिम्मेदार व्यावसायिक प्रबंधन में वित्तीय भागीदार के रूप में कार्य करते हैं।

अनुपूरक संसाधन सामग्री

1. https://youtube.com/shorts/PNe1BW75C9k?si=zCJXMediWOA_dvx1
2. https://youtu.be/O0jywxBA2ZU?si=nRBi4dYCOrqlk5gY
3. https://youtube.com/shorts/dWCAxcawAUM?si=OVJidqZNf1LgIMI9

अध्याय 09

कानूनी साक्षरता और व्यावसायिक अनुपालन

T7I9Q6

कालांश – 3

सीखने के उद्देश्य

- निष्पक्ष व्यापार की अवधारणा को पहचानना और समझाना, और यह बताना कि व्यवसायों को जिम्मेदारी से संचालित करने के लिए नियम और कानून क्यों आवश्यक हैं।
- उपभोक्ताओं, श्रमिकों, रचनाकारों और समुदायों की रक्षा करने वाले बुनियादी कानूनों और नैतिक प्रथाओं को पहचानना।
- सरल अनुपालन प्रथाओं के बारे में जागरूकता विकसित करना और यह समझना कि ईमानदारी और कानूनी जागरूकता किस प्रकार विश्वास, प्रतिष्ठा और दीर्घकालिक स्थिरता में योगदान करती हैं।

पूर्व ज्ञान से जोड़ना

- कक्षा 8 में, 'कानूनी मूल बातें' इकाई के तहत, विद्यार्थियों को कानून की बुनियादी अवधारणा और रोजमर्रा के जीवन में कानूनी साक्षरता के महत्व से परिचित कराया गया था।
- विद्यार्थियों ने समझा कि निष्पक्ष और सुरक्षित व्यावसायिक प्रथाओं के लिए नियम, अनुमतियाँ और नियमन क्यों आवश्यक हैं।
- इससे विद्यार्थियों को यह समझने में मदद मिली कि व्यवसाय नियमों के एक ऐसे ढांचे के भीतर काम करते हैं जो निष्पक्षता, सुरक्षा और विश्वास को बढ़ावा देते हैं।

B3K2V3

अध्याय विवरण

यह अध्याय विद्यार्थियों को इस विचार से परिचित कराता है कि सफल व्यवसाय उन नियमों के भीतर काम करते हैं जो इससे जुड़े सभी लोगों की रक्षा करते हैं। कहानियों, अवलोकनों और रोल-आधारित गतिविधियों के माध्यम से, विद्यार्थी निष्पक्ष व्यापार का अर्थ समझते हैं और यह भी कि उपभोक्ताओं, श्रमिकों और रचनाकारों की सुरक्षा के लिए कानून क्यों मौजूद हैं। वे यह पता लगाते हैं कि रसीद देना, स्पष्ट मूल्य निर्धारण बनाए रखना, मौलिकता का सम्मान करना और सुरक्षा मानदंडों का पालन करना जैसी प्रथाएं किस प्रकार ग्राहकों का विश्वास बढ़ाती हैं। यह अध्याय कानूनी साक्षरता को सरल और प्रासंगिक तरीके से प्रस्तुत करता है, जो विद्यार्थियों को नियमों को प्रतिबंधों के रूप में नहीं बल्कि भरोसेमंद और टिकाऊ उद्यम बनाने के दिशानिर्देशों के रूप में देखने के लिए प्रोत्साहित करता है।

अध्याय का औचित्य

जैसे-जैसे विद्यार्थी उद्यमिता को समझना शुरू करते हैं, यह आवश्यक है कि वे जिम्मेदारी की भावना और नैतिक जागरूकता भी विकसित करें। कई व्यावसायिक समस्याएं विचारों की कमी से नहीं बल्कि अनुचित प्रथाओं और बुनियादी नियमों की

अज्ञानता से उत्पन्न होती हैं। यह अध्याय विद्यार्थियों को नैतिक व्यवहार को व्यावसायिक सफलता और सामाजिक जिम्मेदारी के साथ जोड़ने में मदद करता है। यह शुरुआती चरण में ही निष्पक्षता, अनुपालन और अधिकारों के प्रति सम्मान के महत्व को पेश करके जिम्मेदार उद्यमिता की नींव रखता है।

SDG और NEP 2020 के साथ सामंजस्य

अध्याय का केंद्र बिंदु	संरेखित SDGs	अध्याय के साथ संबंध	NEP 2020 के साथ संरेखण
1 नैतिकता, ईमानदारी और जिम्मेदारी	SDG 8 – उचित कार्य और आर्थिक विकास	उन निष्पक्ष प्रथाओं को बढ़ावा देता है जो श्रमिकों और व्यवसायों की रक्षा करती हैं	मूल्य-आधारित शिक्षा
2 मौलिकता और नवाचार को समझना	SDG 9 – उद्योग, नवाचार और बुनियादी ढांचा	IPR (बौद्धिक संपदा अधिकार) के माध्यम से रचनात्मकता के संरक्षण पर प्रकाश डालता है	आलोचनात्मक सोच
3 वास्तविक जीवन की व्यावसायिक प्रथाओं का अवलोकन	SDG 12 – जिम्मेदार उपभोग और उत्पादन	उपभोक्ताओं को प्रामाणिक और निष्पक्ष व्यवसायों को चुनने के लिए प्रोत्साहित करता है	अनुभवात्मक शिक्षा
4 अधिकारों और जिम्मेदारियों के बारे में जागरूकता	SDG 16 – शांति, न्याय और मजबूत संस्थान	समाज में नियमों और कानूनों की भूमिका का परिचय देता है	नागरिकता शिक्षा

9.1 व्यवसाय को दिशा देने वाले नियम

विद्यार्थियों से गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़ने और यह पहचानने के लिए कहें कि व्यवसायों को जिम्मेदारीपूर्वक और निष्पक्ष रूप से कार्य करने के लिए नियम और कानून क्यों आवश्यक हैं। उन्हें इस बात पर चर्चा करने के लिए मार्गदर्शन करें कि सरकारी अधिकारी यह कैसे सुनिश्चित करते हैं कि व्यवसाय सुरक्षा मानकों का पालन करें, उपभोक्ताओं की रक्षा करें और ईमानदारी से काम करें। विद्यार्थियों को इन कानूनों को रोज़मर्रा के उदाहरणों जैसे दुकानों पर बिल प्राप्त करना, ब्रांड नाम या लोगो पहचानना, और रसीदों पर कर विवरण देखने से जोड़ने के लिए प्रोत्साहित करें। समझाएं कि विभिन्न कानून उपभोक्ताओं, श्रमिकों, विचारों और वित्तीय पारदर्शिता की रक्षा करने में मदद करते हैं, जिससे एक ऐसी प्रणाली बनती है जहाँ व्यवसाय सुरक्षित और जिम्मेदारी से काम कर सकते हैं।

केस स्टोरी — कहानी कोल्हापुरी चप्पल की

फैसिलिटेटर के लिए निर्देश

- केस स्टोरी को ज़ोर से पढ़ें और विद्यार्थियों से कोल्हापुरी कारीगरों द्वारा सामना की जाने वाली मुख्य समस्या को पहचानने के लिए कहें।
- भौगोलिक संकेत (Geographical Indication - GI) सुरक्षा का सरल शब्दों में क्या अर्थ है, यह समझाने में उनका मार्गदर्शन करें।
- विद्यार्थियों से लिखने के लिए कहें कि भौगोलिक संकेत GI सुरक्षा कारीगरों और उपभोक्ताओं की कैसे मदद करती है।
- केस के आधार पर संक्षिप्त, स्पष्ट उत्तरों को प्रोत्साहित करें।

समीक्षा

- ☞ चर्चा करें कि एक ही नाम का उपयोग करके मशीन से बने उत्पादों ने नुकसान क्यों पहुँचाया।
- ☞ पूछें - GI सुरक्षा पारंपरिक पहचान के दुरुपयोग को कैसे रोकती है?
- ☞ सांस्कृतिक विरासत और स्थानीय कौशल की रक्षा के महत्व पर प्रकाश डालें।
- ☞ बाज़ार में निष्पक्षता सुनिश्चित करने में कानूनों की भूमिका पर ज़ोर दें।

सीखे गए उद्यमशीलता कौशल

बौद्धिक संपदा का सम्मान, व्यवसाय में कानूनी सुरक्षा को समझना, सांस्कृतिक जागरूकता, नैतिक बाज़ार प्रथाएँ, उपभोक्ता विश्वास-निर्माण

फैसिलिटेटर के लिये सुझाव

- ☞ पारंपरिक ज्ञान मान्यता और संरक्षण का हकदार है।
- ☞ कानूनी सुरक्षा उपाय स्थानीय आजीविका और प्रमाणिकता का समर्थन करते हैं।
- ☞ मौलिकता की रक्षा करने से उत्पादक और उपभोक्ता दोनों मजबूत होते हैं।
- ☞ विद्यार्थियों को स्वदेशी शिल्प कौशल को महत्व देने और उसका सम्मान करने के लिए प्रोत्साहित करें।

गतिविधि 9.1.1 व्यवसायों को नियमों की आवश्यकता क्यों है?

फैसिलिटेटर के लिए निर्देश

- ☞ विद्यार्थियों से प्रत्येक स्थिति को ध्यानपूर्वक पढ़ने और उसे 'उचित' या 'अनुचित' के रूप में चिह्नित करने के लिए कहें।
- ☞ उन्हें विभिन्न दृष्टिकोणों-ग्राहक, कर्मचारी, पर्यावरण और समाज-से सोचने के लिए मार्गदर्शन करें।
- ☞ सुनिश्चित करें कि वे चिंतन वाले प्रश्नों को छोटे, स्पष्ट वाक्यों में पूरा करें।
- ☞ उनके उत्तरों के पीछे अनुमान लगाने के बजाय तर्क को प्रोत्साहित करें।

समीक्षा

- ☞ सूचीबद्ध अनुचित प्रथाओं के पैटर्न पर चर्चा करें।
- ☞ पूछें- जब नियम टूटते हैं तो सबसे ज्यादा नुकसान किसे होता है?
- ☞ इस बात पर प्रकाश डालें कि नियमों की अनुपस्थिति कैसे अराजकता, शोषण और अविश्वास पैदा कर सकती है।
- ☞ इस बात पर जोर दें कि सभी हितधारकों की सुरक्षा के लिए नियम मौजूद हैं।

सीखे गए उद्यमशीलता कौशल

नैतिक निर्णय, कानूनी जागरूकता, सामाजिक जिम्मेदारी, समालोचनात्मक सोच, हितधारकों पर प्रभाव को समझना

फैसिलिटेटर के लिए सुझाव

- ☞ व्यावसायिक नियम ग्राहकों, श्रमिकों और पर्यावरण की रक्षा करते हैं।
- ☞ निष्पक्ष प्रथाएं विश्वास और दीर्घकालिक स्थिरता का निर्माण करती हैं।
- ☞ नियमों के अभाव से शोषण होता है और विश्वसनीयता का नुकसान होता है।
- ☞ विद्यार्थियों को अनुपालन को प्रतिबंध के बजाय जिम्मेदारी के रूप में देखने के लिए प्रोत्साहित करें।

फैसिलिटेटर के लिये निर्देश

- यह समझाकर शुरुआत करें कि रोजमर्रा के लेन-देन में व्यावसायिक नियमों को देखा जा सकता है।
- विद्यार्थियों से किसी एक नजदीकी व्यवसाय को चुनने के लिए कहें जहां वे पहले से ही जाते हैं और सामान्य यात्राओं के दौरान सम्मानपूर्वक उसका निरीक्षण करने के लिए कहें।
- उन्हें व्यावहारिक, दृश्यमान नियमों (बिलिंग, तराजू, स्वच्छता, मूल्य प्रदर्शन, समाप्ति तिथि की जांच) पर ध्यान केंद्रित करने के लिए मार्गदर्शन करें।
- भाग B और C का उत्तर देते समय विद्यार्थियों को ग्राहक के दृष्टिकोण से सोचने के लिए प्रोत्साहित करें।
- तथ्यात्मक अवलोकन पर जोर दें और व्यवसाय की व्यक्तिगत आलोचना से बचें।
- यह मजबूत करते हुए निष्कर्ष निकालें कि नियम बाजारों में विश्वास, सुरक्षा और निष्पक्षता पैदा करते हैं।

9.2 लोगों और विचारों की रक्षा करना

विद्यार्थियों से गद्यांश को पढ़ने और यह पहचानने के लिए कहें कि कानून एक व्यावसायिक परिवेश में श्रमिकों और रचनाकारों दोनों की रक्षा करने में कैसे मदद करते हैं। उन्हें इस बात पर चर्चा करने के लिए मार्गदर्शन करें कि नैतिक और जिम्मेदार व्यवसायों के लिए श्रमिकों के साथ उचित व्यवहार और विचारों, डिज़ाइनों और रचनात्मक कार्यों की सुरक्षा क्यों महत्वपूर्ण है। विद्यार्थियों को बौद्धिक संपदा के उदाहरणों जैसे लोगो, संगीत, किताबें, या कलाकृति पर विचार करने के लिए प्रोत्साहित करें और यह सोचने के लिए कहें कि बिना अनुमति के इन रचनाओं की नकल क्यों नहीं की जानी चाहिए।

केस स्टोरी — असली बनाम नकली उत्पाद

फैसिलिटेटर के लिए निर्देश

- विद्यार्थियों से अपनी स्मृति से दो उदाहरण याद करने के लिए कहें: एक मूल विचार/उत्पाद और एक नकल किया हुआ या नकली उदाहरण।
- उन्हें प्रत्येक उदाहरण के बारे में स्पष्ट विवरण लिखने के लिए मार्गदर्शन करें-यह क्या है, उन्होंने इसे कहाँ देखा, और उन्हें क्यों लगता है कि यह असली है या नकली है।
- त्वरित निर्णय लेने के बजाय विचारशील तुलना को प्रोत्साहित करें।
- विद्यार्थियों को उनके अवलोकनों के लिए विशिष्ट कारण बताने की याद दिलाएं।

समीक्षा

- चर्चा करें कि मौलिकता बाज़ार में कैसे मूल्य जोड़ती है।
- पूछें - कुछ व्यवसाय नवाचार करने के बजाय नकल क्यों करते हैं?
- इस बात पर प्रकाश डालें कि मौलिकता कैसे पहचान और विश्वास का निर्माण करती है, जबकि नकल करने से ब्रांड का मूल्य कमज़ोर होता है।
- रचनात्मक सोच और नैतिक प्रथाओं के महत्व पर जोर दें।

सीखे गए उद्यमशीलता कौशल

रचनात्मक अवलोकन, समालोचनात्मक विश्लेषण, प्रतिस्पर्धी लाभ को समझना, बाज़ार की जागरूकता, नैतिक तर्क

फैसिलिटेटर के लिए सुझाव

- मौलिकता दीर्घकालिक बाजार मूल्य को मजबूत करती है।
- नवाचार से प्रतिस्पर्धी लाभ उत्पन्न होता है।
- विद्यार्थियों को बाजारों का आलोचनात्मक और विचारपूर्वक निरीक्षण करने के लिए प्रोत्साहित करें।
- इस बात को दृढ़ करें कि नैतिक रचनात्मकता से ही स्थायी सफलता मिलती है।

गतिविधि 9.2.1 मूल और नकल किए गए उत्पादों को समझना

फैसिलिटेटर के लिए निर्देश

- विद्यार्थियों से हाल के अवलोकन से दो उदाहरण याद करने के लिए कहें: एक असली और एक कॉपी किया हुआ/नकली।
- उन्हें प्रत्येक उदाहरण का स्पष्ट रूप से वर्णन करने के लिए मार्गदर्शन करें—यह क्या है, यह कहाँ देखा गया था, और उन्हें क्यों लगता है कि यह असली है या कॉपी किया गया है।
- डिज़ाइन की विशिष्टता, ब्रांडिंग, गुणवत्ता या पैकेजिंग में अंतर जैसे विशिष्ट कारणों को प्रोत्साहित करें।
- सुनिश्चित करें कि उत्तर अवलोकन-आधारित हों, न कि अनुमान पर आधारित।

समीक्षा

- चर्चा करें कि मौलिकता कैसे मूल्य जोड़ती है और ब्रांड पहचान बनाती है।
- पूछें - कॉपी किए गए उत्पाद रचनाकारों और ग्राहकों दोनों को क्यों नुकसान पहुँचाते हैं?
- इस बात पर प्रकाश डालें कि मौलिकता बाज़ार में प्रतिस्पर्धी लाभ कैसे पैदा करती है।

समीक्षा

रचनात्मक अवलोकन, समालोचनात्मक विश्लेषण, बाज़ार की जागरूकता, नैतिक निर्णय, प्रतिस्पर्धी स्थिति को समझना

फैसिलिटेटर के लिए सुझाव

- मूल विचार विश्वास और दीर्घकालिक मूल्य को मजबूत करते हैं।
- नकल से अल्पकालिक लाभ मिल सकता है लेकिन यह विश्वसनीयता को कमज़ोर करता है।
- विद्यार्थियों को रचनात्मकता और नवाचार का सम्मान करने के लिए प्रोत्साहित करें।
- नैतिक रूप से मौलिक होने से स्थायी सफलता मिलती है।

अवलोकन करें और विचार पहचानें

साप्ताहिक कार्य

फैसिलिटेटर के लिये निर्देश

- व्यवसाय और दैनिक जीवन में मौलिकता, रचनात्मकता और नैतिक जिम्मेदारी के महत्व को समझाकर शुरुआत करें।
- विद्यार्थियों से कहें कि वे सप्ताह के दौरान वास्तविक उदाहरणों का निरीक्षण करें—बिना किसी का सामना किए या किसी पर निर्णय लिए।
- स्पष्ट तर्कों के आधार पर उन्हें एक प्रामाणिक मूल विचार और एक कॉपी किए गए उदाहरण को चुनने के लिए मार्गदर्शन करें।
- उन्हें अपने उत्तरों को मान्यताओं के बजाय विशिष्ट अवलोकनों के साथ सही ठहराने के लिए प्रोत्साहित करें।
- विद्यार्थियों को रचनाकारों, ग्राहकों और बाज़ार पर नकल के प्रभाव पर विचारपूर्वक चिंतन करने की याद दिलाएँ।

9.3 निष्पक्ष व्यापार, ईमानदारी और रिकॉर्ड

विद्यार्थियों से गद्यांश को पढ़ने और यह पहचानने के लिए कहें कि ईमानदारी, निष्पक्ष व्यापार प्रथाएँ और अनुपालन व्यवसायों को ग्राहकों और श्रमिकों के साथ विश्वास बनाने में कैसे मदद करते हैं। उन्हें इस बात पर चर्चा करने के लिए मार्गदर्शन करें कि पारदर्शिता बनाए रखने और एक जिम्मेदार व्यवसाय चलाने के लिए रसीदें जारी करना, रिकॉर्ड रखना और नैतिक प्रथाओं का पालन करना क्यों महत्वपूर्ण है।

केस स्टोरी — दो दुकानें, दो प्रतिष्ठा

फैसिलिटेटर के लिये निर्देश

- कहानी को ज़ोर से पढ़ें और विद्यार्थियों से दुकान A और दुकान B की प्रथाओं की तुलना करने के लिए कहें।
- मूल्य निर्धारण, गुणवत्ता और पारदर्शिता में मुख्य अंतर पहचानने में उनका मार्गदर्शन करें।
- विद्यार्थियों से चर्चा करने के लिए कहें कि ग्राहकों ने शुरुआत में दुकान B को क्यों पसंद किया और बाद में यह क्यों बदल गया।
- उन्हें यह समझाते हुए 3-4 पंक्तियाँ लिखने का निर्देश दें कि वे कौन सी दुकान चुनेंगे और क्यों।

समीक्षा

- चर्चा करें कि अल्पकालिक आकर्षण दीर्घकालिक विश्वास से कैसे भिन्न हो सकता है।
- पूछें - ग्राहकों की वफादारी में ईमानदारी और निष्पक्षता ने क्या भूमिका निभाई?
- इस बात पर प्रकाश डालें कि अनैतिक प्रथाएं त्वरित लाभ ला सकती हैं लेकिन प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाती हैं।
- इस बात पर जोर दें कि विश्वास से ही स्थायी सफलता मिलती है।

सीखे गए उद्यमशीलता कौशल

नैतिक निर्णय लेना, पारदर्शिता और जवाबदेही, ग्राहक का विश्वास जीतना, दूरदर्शी सोच, उचित मूल्य निर्धारण प्रथाएं

फैसिलिटेटर के लिए सुझाव

- सतत व्यवसाय ईमानदारी और निष्पक्षता पर बने होते हैं।
- अल्पकालिक लाभ की तुलना में विश्वास अधिक मूल्यवान है।
- नैतिक प्रथाएं वफादार ग्राहक और दीर्घकालिक विकास पैदा करती हैं।
- विद्यार्थियों को अपने किसी भी उद्यम में सत्यनिष्ठा को प्राथमिकता देने के लिए प्रोत्साहित करें।

गतिविधि 9.3.1 उचित या अनुचित?

फैसिलिटेटर के लिए निर्देश

- विद्यार्थियों से प्रत्येक स्थिति को ध्यानपूर्वक पढ़ने और खुद को ग्राहक के रूप में कल्पना करने के लिए कहें।
- नैतिक निर्णय के आधार पर उन्हें प्रत्येक कार्रवाई को 'उचित' या 'अनुचित' के रूप में चिह्नित करने के लिए मार्गदर्शन करें।
- उत्तर देने से पहले उन्हें भावनाओं, विश्वास और दीर्घकालिक प्रभाव के बारे में सोचने के लिए प्रोत्साहित करें।
- विद्यार्थियों से चिंतन वाले प्रश्नों को ईमानदारी से और छोटे वाक्यों में पूरा करने के लिए कहें।

समीक्षा

- इस बात पर चर्चा करें कि कुछ कार्यों को उचित या अनुचित क्यों चिह्नित किया गया था।
- पूछें - निष्पक्षता विश्वास और वफादारी को कैसे प्रभावित करती है?
- ग्राहकों पर भ्रामक प्रथाओं के भावनात्मक प्रभाव पर प्रकाश डालें।
- नैतिकता और व्यावसायिक प्रतिष्ठा के बीच संबंध पर जोर दें।

सीखे गए उद्यमशीलता कौशल

नैतिक जागरूकता, समालोचनात्मक सोच, ग्राहक के प्रति सहानुभूति, प्रतिष्ठा प्रबंधन, दीर्घकालिक निर्णय लेना

फैसिलिटेटर के लिए सुझाव

- निष्पक्षता विश्वास बनाती है, जबकि धोखा विश्वसनीयता को नुकसान पहुंचाता है।
- नैतिक विकल्प दीर्घकालिक व्यावसायिक सफलता को आकार देते हैं।
- विद्यार्थियों को निर्णयों के वित्तीय और नैतिक, दोनों परिणामों पर विचार करने के लिए प्रोत्साहित करें।
- इस बात को सुदृढ़ करें कि मजबूत उद्यम सत्यनिष्ठा और पारदर्शिता पर निर्मित होते हैं।

निष्पक्षता का अवलोकन

साप्ताहिक कार्य

फैसिलिटेटर के लिए निर्देश

- ☞ यह समझाकर शुरुआत करें कि रोज़मर्रा की व्यावसायिक प्रथाओं में निष्पक्षता और पारदर्शिता देखी जा सकती है।
- ☞ विद्यार्थियों से किसी एक वास्तविक स्थानीय दुकान या सेवा प्रदाता को चुनने के लिए कहें और बिना हस्तक्षेप किए सम्मानपूर्वक निरीक्षण करने के लिए कहें।
- ☞ उन्हें दृश्यमान व्यवहारों - बिलिंग, मूल्य निर्धारण स्पष्टता, और ग्राहक के साथ बातचीत पर ध्यान केंद्रित करने के लिए मार्गदर्शन करें।
- ☞ मान्यताओं या व्यक्तिगत निर्णयों के बजाय तथ्यात्मक अवलोकन को प्रोत्साहित करें।
- ☞ विद्यार्थियों को सभी अनुभागों को स्पष्ट और ईमानदारी से पूरा करने की याद दिलाएँ।
- ☞ यह सुदृढ़ करते हुए निष्कर्ष निकालें कि नैतिक प्रथाएं किसी भी उद्यम में विश्वास और दीर्घकालिक सफलता का निर्माण करती हैं।

अनुपूरक संसाधन सामग्री

1. https://youtube.com/shorts/Ciu1AsmXhco?si=k5wsV37I6kRLnJvx
2. https://youtube.com/shorts/FTCHsTgFFX4?si=qsHAs1_to7RaX74Z
3. https://youtube.com/shorts/mACjYi0RvDw?si=gHprz0tIkUpiqNxa
4. https://www.hindustantimes.com/india-news/over-17-500-complaints-of-fake-goods-on-e-commerce-sites-since-2022-govt-101754486031707.html

अस्वीकरण

इस NEEEV शिक्षक निर्देशिका में शामिल सभी कहानियाँ वास्तविक व्यक्तियों के जीवन की घटनाओं से संबंधित हैं। कुछ मामलों में, समय-सीमा या अन्य तत्व प्रस्तुत उद्यमियों के वास्तविक अनुभवों से थोड़े भिन्न हो सकते हैं। इन कहानियों और गतिविधियों का उद्देश्य उनकी यात्रा के विशेष पहलुओं को उजागर करना है, ताकि विद्यार्थी प्रेरित और उत्साहित हो सकें।

इन कहानियों का चयन केवल शैक्षिक उद्देश्यों के लिए किया गया है और इन्हें किसी उद्यमी या उनके उद्यम के समर्थन के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। State Council of Educational Research and Training (SCERT) किसी उद्यमी या उनकी कंपनी से जुड़े किसी कानूनी विवाद, चूक या विवादास्पद कार्य का समर्थन करने के लिए उत्तरदायी नहीं होगा।

पाठ्यक्रम के उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए, जानबूझकर सरल एवं संवादात्मक भाषा का प्रयोग किया गया है। पाठकों से अनुरोध है कि वे भाषा के मानक स्वरूप की पूर्ण अनुरूपता।

NEEEV Facilitator Assessment Checklist

(To be recorded twice in a year)

April to September /October to March

Academic Year:___________ Student Name: _______________________

Class & Section: __________

Weekly Tasks(for all classes)	Ideation (for all classes, specifically class 9) Also, in classroom activities across all classes	Teamwork (for all classes)
☐ All tasks completed on time	☐ Generated creative ideas	☐ Shared responsibilities fairly
☐ Consistent submission	☐ Contributed regularly	☐ Cooperated effectively
☐ Met deadlines	☐ Built on team ideas	☐ Positive group behaviour

Prototype Progress(specifically for class 10 and 11)	Presentation/Pitching(specifically for class 11 and 12) Applicable to other classes in classroom activities	Overall Growth
☐ Contributed to design	☐ Clear, confident delivery	☐ Accepted feedback well
☐ Tested iterations	☐ Handled Q&A effectively	☐ Showed steady improvement
☐ Met milestones	☐ Team support provided	☐ Resilient to challenges

Key Strengths: ____

Areas for Improvement: _______________________________________

Teacher Signature: ___________________________ **Date:** ___________

सलाहकार

श्री पांडुरंग के. पोले, सचिव (शिक्षा), दिल्ली सरकार

सुश्री वेदिता रेड्डी, शिक्षा निदेशक, दिल्ली सरकार

डॉ. रीता शर्मा, निदेशक, एस.सी.ई.आर.टी., दिल्ली सरकार

मार्गदर्शन

डॉ. मुकेश यादव, सचिव, एस.सी.ई.आर.टी., दिल्ली

संपादक

डॉ. सपना यादव, सहायक प्रोफेसर एवं अध्यक्ष NEEEV, एस.सी.ई.आर.टी., दिल्ली

डॉ. समीर गोकर्ण, सहायक प्रोफेसर, नेताजी सुभाष प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, दिल्ली

योगदानकर्ता

डॉ. सपना यादव, सहायक प्रोफेसर एवं अध्यक्ष NEEEV, एस.सी.ई.आर.टी., दिल्ली

प्रो. (डॉ.) संदीप कुमार गोयल, वाणिज्य विभाग, आचार्य नरेंद्र देव कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय

सुश्री मीतू पुरी, संस्थापक, यंगप्रेन्योर समिट

सुश्री भावना सिंह, टी.जी.टी. सामाजिक विज्ञान, सीएम श्री सरोजिनी नगर

सुश्री सविता मिश्रा तिवारी, टी.जी.टी. प्राकृतिक विज्ञान, एस.वी. सं. 3, सेक्टर 7, आर.के. पुरम

सुश्री कृति पालित, विभागाध्यक्ष (वाणिज्य), आई.टी.एल. पब्लिक स्कूल, द्वारका

श्री किशन कुमार, सहायक प्रोफेसर, एस.सी.ई.आर.टी., दिल्ली

सुश्री मीनू गुप्ता, सहायक प्रोफेसर, एस.सी.ई.आर.टी., दिल्ली

समीक्षा विशेषज्ञ

डॉ. दीप श्री, सहायक प्रोफेसर, दिल्ली प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय

श्री सतीश प्रियदर्शी, उप-प्रधानाचार्य, जी.एस.बी.वी.,के ब्लॉक, मंगोलपुरी, दिल्ली

अनुवादक समूह

सुश्री पूनम रानी गौतम, टी.जी.टी. अंग्रेजी, राजकीय सर्वोदय कन्या विद्यालय ई - ब्लॉक नंद नगरी

श्री कुलदीप धनखड़, प्राथमिक शिक्षक, सर्वोदय बाल विद्यालय, ए ब्लॉक, सुल्तानपुरी

सुश्री अनुपमा शर्मा, टी.जी.टी. हिंदी, सीएम श्री स्कूल, विवेक विहार, फेस 2

एस.सी.ई.आर.टी.–NEEEV टीम

श्री फिरदौस अहमद, बी.आर.पी., एस.सी.ई.आर.टी., दिल्ली

सुश्री सोनम यादव, बी.आर.पी., एस.सी.ई.आर.टी., दिल्ली

प्रकाशन टीम

श्री दिनेश कुमार शर्मा, ए.एस.ओ., एस.सी.ई.आर.टी., दिल्ली

सुश्री फ़ौज़िया, बी.आर.पी., एस.सी.ई.आर.टी., दिल्ली

ISBN No. 978-93-6291-765-2

SCERT

स्वाध्यायान्मा प्रमदः

राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद
वरूण मार्ग, डिफेंस कॉलोनी, नई दिल्ली-110024